ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाना देश की जनता का फैसला: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 02 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❋। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-122

संदेशखाली और मेघालय बलात्कारकांडों पर कांग्रेस की चुप्पी आदतन

सौ स्कूली बच्चियों से कांग्रेसियों का सेक्स-जेहाद भूला नहीं है देश...

संदेशखाली कांड पर कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता चुप हैं। मेघालय में पिछले दिनों रोहिंग्या घुसपैठियों द्वारा आदिवासी नाबालिग लड़कियों के साथ किए गए सामूहिक बलात्कार की घटना पर कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता चुप हैं। हिंदू लड़कियों के अपहरण, यौन उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण की घटनाओं पर कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता चुप्पी साधे रहते हैं। महिलाओं के साथ होने वाले जघन्य आपराधिक कृत्यों को भी ये राजनीतिक नफा-नुकसान के नजरिए से देखते और तौलते हैं, तब मुंह खोलते हैं। खुफिया एजेंसी के एक आला अफसर ने कहा

शुभ-लाभ सरोकार

कि बलात्कार और सामूहिक बलात्कार जैसी संगीन वारदातों को कट्टरपंथी अपराध नहीं सेक्स-जेहाद कहते हैं। कांग्रेसी बड़े शातिर हैं। आपको कांग्रेसियों के शातिराना कृत्य की एक पुरानी लेकिन रोंगटे खड़े करने वाली घटना के फ्लैशबैक में लिए चलते हैं। क्या आपको याद है आज से 32 साल पहले राजस्थान के अजमेर में हुआ एक अजीबोगरीब सेक्स स्कैंडल? आप दिमाग पर जोर डालिए आपको याद आ जाएगा फारूक चिश्ती नामके एक इस्लामिक कट्टरपंथी की घृणास्पद करतूतें। फारूक चिश्ती इस्लामिक-पुण्य कमाने के लिए 100 से अधिक स्कूली लड़कियों को ब्लैकमेल कर उनके साथ रेप करता रहा। उस अजमेर सेक्स कांड ने पूरे देश को हिला कर रख दिया था। यह घटना वर्ष 1990-1992 के बीच की है। इस सेक्स स्कैंडल में बड़े-बड़े घरानों की पीड़ित लड़कियों के नाम सामने आए थे। इसमें आईएएस, आईपीएस अधिकारियों की बच्चियां तक शिकार बनी थीं। कांग्रेस नेता और कट्टरपंथी इस्लामिस्ट फारूक चिश्ती ने सोफिया स्कूल की एक लड़की को जाल में फंसाया और उसके साथ बलात्कार किया। चिश्ती ने पीड़िता का अश्लील वीडियो बना लिया और उसके बाद उसने शुरू किया दरिंदगी का लंबा त्रासद दौर।

— सेक्स-जेहाद के कांग्रेसी सपूत —

दिल्ली-एनसीआर के सौ से अधिक स्कूलों को मिला धमकी भरा ईमेल

स्कूली बच्चों को घिनौना काफिर कहा, बम से उड़ाने की धमकी दी

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)। चुनाव में पराजय की बौखलाहट अब आतंकी धमकियों में तब्दील हो रही हैं। दिल्ली एनसीआर के 100 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। राजधानी दिल्ली और नोएडा समेत एनसीआर के 100 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल आया है। इन स्कूलों में डीपीएस, मदर मैरी और एमिटी समेत कई नामी स्कूल शामिल है। बताया जा रहा है कि ईमेल सुबह के वक्त आया। स्कूलों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पुलिस और बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। पुलिस ने तुरंत सभी स्कूलों के कैंपस को खाली कराकर सर्च अभियान चलाया। स्कूल प्रबंधन ने संदेश भेजकर अभिभावकों को इसकी जानकारी दी और बच्चों को घर ले जाने का अनुरोध किया। इसके बाद अभिभावकों में खलबली मच गई। वे बच्चों को घर ले जाने के लिए स्कूल पहुंचने लगे।

आतंकी धमकियों में तब्दील हो रही है चुनाव में हार की बौखलाहट
धमकी भरे संदेश से साफ दिखाई दे रही है बेचैनी और बौखलाहट

आज दिल्ली के कुछ स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इन धमकियों पर कार्रवाई करते हुए दिल्ली पुलिस ने प्रोटोकॉल के तहत ऐसे सभी स्कूलों की गहन जांच की है। हालांकि, अभी तक कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला है। ऐसा प्रतीत होता है कि ये कॉल्स फर्जी हैं। दिल्ली पुलिस जनता से अनुरोध करती है कि वे घबराएं नहीं और शांति बनाए रखें। दिल्ली फायर सर्विसेज के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया, हमें स्कूलों में बम की धमकियों के बारे में फोन आए। हमने तुरंत फायर टेंडर भेजे और कुछ स्कूलों से फायर टेंडर वापस लौटने लगे हैं क्योंकि अब तक ऐसा कुछ नहीं मिला।

दिल्ली के द्वारका में स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार स्थित मदर मैरी स्कूल, संस्कृति स्कूल और पुष्प विहार स्थित एमिटी स्कूल को भी ईमेल के जरिए धमकी दी गई है। इसके अलावा छावला के सेंट थॉमस, सरिता विहार के जीडी गोयनका, बाबा हरिदास नगर के एवरग्रीन पब्लिक स्कूल और द्वारका के सचदेवा ग्लोबल स्कूल की भी धमकी मिली है। दिल्ली के अलावा नोएडा के दिल्ली पब्लिक स्कूल को भी धमकी भरा ईमेल मिला है। इन स्कूलों के अलावा भी दिल्ली एनसीआर में कई स्कूलों को धमकी दी गई है।

पुलिस के मुताबिक, दिल्ली के कई स्कूलों में बम की धमकी मिली है। शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा है कि कल से अब तक कई जगहों पर ईमेल भेजा गया है। और यह एक ही पैटर्न पर लग रहा है।

काफिरों, हम जेहाद की आग में जल रहे हैं...

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)। स्कूलों को भेजे गए धमकी वाले ईमेल में जेहाद की बात कही गई है। ई-मेल संदेश बौखलाहट से भरा दिखता है। धमकी-संदेश में लिखा है, हमारे दिलों में जेहाद की आग जला दी गई है। हम वह आग बन गए हैं, इंशाअल्लाह जो सिर्फ बदले की वकालत करता है। हमारे हाथों में जो लोहा है वह हमारे दिलों को गले लगाता है। इंशाअल्लाह, हम इन्हें हवा में उड़ा कर तुम्हारे शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर देंगे। तुम्हारे घिनौने शरीरों को चीर देंगे। हम तुम्हारी गर्दन और चेहरे को फाड़ देंगे। अल्लाह की मर्जी हुई तो हम तुम्हें आग की लपटों में डाल देंगे। जिससे तुम्हारा दम घुट जाएगा।

टीडीपी और जनसेना का घोषणा-पत्र जारी

पर घोषणा-पत्र से क्यों हटी पीएम मोदी की तस्वीर?

चंद्रबाबू नायडू, पवन कल्याण और सिद्धार्थनाथ सिंह मौजूद रहे

आंध्र प्रदेश के सीएम जगन के बयान से मची सियासी खलबली

हैदराबाद, 01 मई (एजेंसियां)। टीडीपी और जनसेना के घोषणा पत्र से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर क्यों हटी, इसे लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने दावा किया कि घोषणापत्र में पूर्व में चंद्रबाबू नायडू की तस्वीर प्रमुखता से छपी थी और साथ में पीएम मोदी की भी तस्वीर थी, लेकिन घोषणापत्र जारी होने से पहले दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय से एक फोन आया जिसमें कहा गया कि पीएम मोदी की तस्वीर इस घोषणापत्र पर स्वीकार्य नहीं है। सीएम रेड्डी ने कहा कि इससे साफ पता चलता है कि उनके द्वारा किए गए वादे हकीकत से दूर हैं और उन्हें पूरा नहीं किया जा सकता।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की इस टिप्पणी से राज्य की राजनीति गरमा गई है। सीएम जगन रेड्डी ने दावा किया कि चंद्रबाबू नायडू की तेदेपा और पवन कल्याण की पार्टी जन सेना पार्टी के संयुक्त घोषणापत्र से पीएम मोदी की तस्वीर हटाई गई।

डीआरडीओ ने फिर हासिल की बड़ी कामयाबी

पनडुब्बी रोधी मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)। भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के मामले में एक और बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल भारतीय नौसेना ने पनडुब्बी रोधी मिसाइल सिस्टम का सफल परीक्षण किया है। भारतीय नौसेना ने बुधवार को ओडिशा में बालासोर के तट पर सुपरसोनिक मिसाइल असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो (स्मार्ट) मिसाइल सिस्टम का सफल परीक्षण किया। बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से सुपरसोनिक मिसाइल सिस्टम ने उड़ान भरी।

तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर पर चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन

48 घंटे के लिए प्रचार करने पर लगाया प्रतिबंध

हैदराबाद, 01 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। चुनाव आयोग ने बुधवार को तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के खिलाफ बड़ा ऐक्शन लिया है। चुनाव आयोग ने केसीआर को कांग्रेस के खिलाफ उनकी आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए 48 घंटे तक प्रचार करने से रोक दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि पांच अप्रैल को सिरसिल्ला में संवाददाता सम्मेलन में केसीआर की टिप्पणी आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों और उसके परामर्श का उल्लंघन थी। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री राव पर प्रचार के संबंध में 48 घंटे का प्रतिबंध बुधवार रात आठ बजे से लागू होगा। कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला के बाद केसीआर दूसरे नेता हैं जिन पर मौजूदा लोकसभा चुनाव में प्रचार करने पर 48 घंटे का प्रतिबंध लगाया गया है। दरअसल 6 अप्रैल को चुनाव आयोग के पास एक शिकायत दी गई। इसमें

टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी निरंजन ने दावा किया कि केसीआर ने 5 अप्रैल को सिरसिल्ला में एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस विधायकों को अपमानित और नाराज किया था। इन टिप्पणियों को चुनाव आयोग ने असत्यापित आरोप और अपमानजनक टिप्पणी माना था। जो विपक्षी दल की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। वर्तमान चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता में हस्तक्षेप कर सकती हैं।चुनाव आयोग ने कहा था कि केसीआर ने अपने भाषण के संबंध में कई निर्देश जारी करने के बाद भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है। चुनाव प्राधिकरण ने यह भी संकेत दिया था कि यदि केसीआर समय के भीतर जवाब नहीं देते हैं, तो चुनाव आयोग उचित कार्रवाई करेगा। केंद्रीय चुनाव आयोग ने केसीआर की टिप्पणियों पर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

मामले की जांच करने वाले राज्य चुनाव अधिकारी ने 1 मई को रात 8 बजे से 48 घंटे तक प्रचार न करने के प्रमुख आदेश जारी किए। चुनाव आयोग के आदेश के मुताबिक, केसीआर को 3 मई रात 8 बजे तक चुनाव प्रचार करने की इजाजत नहीं होगी। चुनाव आयोग ने साफ कर दिया है कि लोकसभा और कई राज्यों में विधानसभा चुनावों के संदर्भ में पूरे देश की आदर्श आचार संहिता के तहत चुनाव नियमों के उल्लंघन के कारण ये कार्रवाई की जा रही है।

सिद्धू मूसेवाला की हत्या का मास्टरमाइंड 'साफ

अमेरिका में मारा गया गोल्डी बराड़!

चंडीगढ़, 01 मई (एजेंसियां)। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मुख्य आरोपी गोल्डी बराड़ अमेरिका में मारा गया। गोल्डी की हत्या की जिम्मेदारी डल्ला-लखबीर गैंग ने ली है। एक अमेरिकी न्यूज चैनल ने दावा किया कि अमेरिका के फेयरमोंट और होल्ट एवेन्यू में मंगलवार 30 अप्रैल की शाम साढ़े पांच बजे गोल्डी बराड़ को गोलियां मारी गईं। हालांकि गोल्डी की मौत की अधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मुख्य आरोपी गोल्डी बराड़ की पंजाब पुलिस के साथ अन्य राज्यों की पुलिस को भी तलाश थी।

सलमान के घर गोलियां चलाने वाला खुदकुशी कर मरा

मुंबई, 01 मई (एजेंसियां)। सलमान खान के मुंबई स्थित घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर 14 अप्रैल को हुई गोलीबारी मामले में पुलिस जांच में जुटी थी, इसी एक आरोपी ने खुदकुशी कर ली। अनुज थापन नाम के आरोपी ने पुलिस कस्टडी में आत्महत्या की कोशिश की।

भाजपा ने जिसे दूध की मक्खी बनाया, वह निर्दलीय लड़ेगा युद्ध

भाजपा सांसद नामग्याल ने ताल ठोक दी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 01 मई। भाजपा ने जिस योग्य और प्रखर सांसद की उपेक्षा की और दूध की मक्खी बना कर बाहर फेंक दिया, उसने निर्दलीय युद्ध लड़ने का फैसला कर लिया है। लद्दाख में भाजपा के निवर्तमान सांसद सेरिंग नामग्याल ने निर्दलीय उम्मीदवार के बतौर चुनावी मैदान में उतरने के संकेत दे दिए हैं। उन्होंने आज नामांकन भरने के लिए फॉर्म भी खरीदा। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 3 मई है। इस तारीख पर लद्दाखियों की निगाह लगी है।

लद्दाख लोकसभा सीट के लिए हाजी मुहम्मद हनीफा जान कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उम्मीदवार घोषित कर

दिए गए हैं। बुधवार को दोनों पार्टियों ने सहमति के साथ उनके नाम पर मुहर लगा दी है। जम्मू कश्मीर और लद्दाख में नेकां और कांग्रेस मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। जम्मू में कांग्रेस ने और कश्मीर में नेकां ने अपने प्रत्याशी उतारे हैं। लद्दाख से भाजपा ने ताशी ग्यालसन को मैदान में उतारा है। इस सीट पर भाजपा के एडवोकेट ताशी ग्यालसन मैदान में हैं। भाजपा ने लद्दाख के सांसद जामयांग शेरिंग नामग्याल का टिकट काट दिया है। पेशे से वकील ग्यालसन लिंगशेड निर्वाचन क्षेत्र से पार्षद हैं और 2020 में उन्हें छठी लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (एलएएचडीसी) लेह के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी पार्षद के रूप में चुना गया था।

पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य में वह पीडीपी के सदस्य थे। भाजपा-पीडीपी गठबंधन सरकार गिरने के बाद वह भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा में शामिल होने के कुछ समय बाद ही उन्हें पार्टी का महासचिव बना दिया गया। 1967 से अब तक हुए चुनाव में छह बार कांग्रेस, दो बार नेकां, तीन बार निर्दल तथा दो बार ही भाजपा जीती है।

कहीं उम्मीदवारों ने टिकट लौटाए तो कहीं वापस लिया नामांकन

चुनाव से पहले अपने ही प्रत्याशियों से मुसीबत में फंसी कांग्रेस

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)। देश में इस वक्त लोकसभा के चुनाव चल रहे हैं।

दो चरणों के लिए मतदान हो चुके हैं। जिन सीटों पर अभी मतदान होना है, वहां तमाम दल चुनाव प्रचार में अपने ताकत झोंक रहे हैं। इसी चुनावी युद्ध में कांग्रेस के योद्धा बीच में ही युद्ध छोड़कर पलायन कर रहे हैं।

कहीं उम्मीदवारों ने टिकट लौटा दिए तो कहीं नामांकन वापस ले लिया तो कहीं बोरिया-बिस्तर समेट कर भाजपा में शामिल हो गए। मध्य प्रदेश के इंदौर में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने अपना नामांकन वापस लेकर भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण कर ली। ऐसा ही नाटकीय सियासी घटनाक्रम गुजरात के सूरत में भी घटा था। सूरत में भी भाजपा बिना लड़े ही जीत गई। वही हाल इंदौर में भी हुआ। कांग्रेस की प्रतिष्ठा की जो किरकिरी हुई, उसकी कभी भरपाई नहीं हो सकती।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 73,610/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 82,640/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 38°
न्यूनतम : 24°

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करें पीएम मोदी: सिद्धरामैया

पत्र लिख हस्तक्षेप करने का किया आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ सामने आए कई यौन शोषण के आरोपों के मद्देनजर उनका पासपोर्ट रद्द करने की मांग की। पत्र में, सिद्धरामैया ने उल्लेख किया कि कैसे प्रज्वल 27 अप्रैल को देश से भाग गया था, इससे कुछ समय पहले कर्नाटक सरकार ने सांसद के खिलाफ आरोपों और शिकायतों पर विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच का आदेश दिया था। कई महिलाओं के खिलाफ कथित अपराधों की वास्तविक प्रकृति सामने आते ही एसआईटी का गठन किया गया

और पीड़िताएं प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए आगे आईं और 28 अप्रैल को एक प्राथमिकी दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार, आसन्न मामले और पुलिस की गिरफ्तारी को भांपते हुए, आरोपी सांसद और लोकसभा के लिए एनडीए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना 27 अप्रैल को ही देश छोड़कर विदेश चले गए। रिपोर्ट्स से पता चला है कि वह अपने डिप्लोमैटिक पासपोर्ट पर विदेश यात्रा कर रहे हैं। सिद्धरामैया ने यह भी उल्लेख किया कि प्रज्वल को देश वापस लाना, भले ही एसआईटी उसके खिलाफ मामला स्थापित करने के लिए काम कर रही हो, अत्यंत महत्व-पूर्ण है ताकि उनकी जांच की जा सके और मुकदमे का सामना किया जा सके। उन्होंने कहा इस संबंध में, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप विदेश और गृह मंत्रालय से त्वरित कार्रवाई करने और प्रज्वल रेवन्ना के राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करने और भारत सरकार के राजनयिक और पुलिस चैनलों का उपयोग करके ऐसे कदम उठाने का आग्रह करें। अंतरराष्ट्रीय पुलिस एजेंसियां कानून की पूरी ताकत का सामना करने के लिए फरार सांसद की शीघ्र वापसी सुनिश्चित करेंगी। कर्नाटक की एसआईटी सभी आवश्यक विवरण प्रदान करेगी और इस संबंध में आवश्यक सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करेगी।

भारत में, एक राजनयिक पासपोर्ट को गृह मंत्रालय के आदेश या अदालत के आदेश द्वारा रद्द किया जा सकता है। अगर ऐसा लगता है कि आपराधिक जांच के लिए उस व्यक्ति की आवश्यकता है। लेकिन इससे व्यक्ति की भारत वापसी की गारंटी नहीं होगी, क्योंकि उन्हें प्रत्यर्पण सुनवाई का भी सामना करना पड़ेगा और जिन देशों में वे हैं, वे कभी-कभी व्यक्ति को वहीं रुकने की अनुमति दे देते हैं। प्रज्वल रेवन्ना पर कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने और उन्हें अपने फोन में रिकॉर्ड करने के कई आरोप लगाए गए हैं। 28 अप्रैल को, एक 47 वर्षीय महिला ने पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते सांसद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन पर उसे और उसकी बेटी को परेशान करने का आरोप लगाया गया। अधिक महिलाओं के शिकायत करने के तुरंत बाद, प्रज्वल को 30 अप्रैल को पार्टी से निलंबित कर दिया गया।

महिला उद्यमी के लिए बनाया गया एक रेफरल ग्रुप

28 से 30 जून तक नागपुर में जेबीएन महाकुम्भ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु साउथ के द्वारा राष्ट्रीय योजना जीतो बिजनेस नेटवर्क के अंतर्गत सिर्फ महिला उद्यमी के लिए एक रेफरल ग्रुप बनाया गया। महिला विंग की अध्यक्ष सुनीता गांधी के नेतृत्व में चामराजपेट स्थित जीतो कार्यालय में इनफॉर्मल कॉफी मीट का बहुत ही शानदार आयोजन नमस्कार महामंत्र से शुरू हुआ। जीतो बिजनेस नेटवर्क के रेफरल ग्रुप के राष्ट्रीय संयोजक मनोज कोचर ने मेंटरिंग, मिलाप, 360 और 28, 29, 30 जून को नागपुर में होने वाले जेबीएन महाकुम्भ की जानकारी दी। उन्होंने और वी. कोन्नेक्ट की सुष्मिता सेठिया ने जेबीएन के अनुभव साझा किए। साथ ही 30 सेकेंड में अपने बिजनेस को प्रस्तुत करना भी सिखाया। जेबीएन की एस एस बी

की एपेक्स सह संयोजिका रेखा जैन ने एक रेफरल बैठक का नीलम सांड और लताशा भंडारी ने संचालन किया। जीतो जेबी एन एसएसबी के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जीतो को धन्यवाद दिया कि वह महिलाओं को सशक्त बनाने का अपना सपना भी पूरा कर रही है और समाज की सेवा भी कर रही हैं। बैठक में धार्मिक क्लास, नेल आर्टिस्ट , इमोशनल काउन्सलर और बड़े ब्रेंड के सोशल मीडिया को संभालने वाली महिलाएं भी ग्रुप में जुड़ गई। पहली बैठक में ही 40 रेफरल हो गए। हर महिला दूसरी महिला को जोड़ के जल्द ही सबसे बड़ा रेफरल ग्रुप बनाने वाली हैं। महिलाएं बहुत ही जल्द बिजनेस नेटवर्किंग के गुर सीख आत्म निर्भर बन सकती हैं। सिर्फ उन्हें थोड़े से सहयोग की आवश्यक्ता है। जीतो साउथ के चेयरमैन दिनेश बोहरा, मंत्री दीपक श्रीश्रीमाल और जीतो साउथ के जेबीएन कन्वीनर विक्रम बागरेचा और को कन्वीनर राजेश भंसाली ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। जीतो साउथ महिला विंग की मंत्री मोनिका पिरगल ने कार्यक्रम का संचालन किया व बिजनेस और कॉर्पोरेट का अनुभव साझा किया। जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु दक्षिण समिति के सदस्य नीलम सांड, नंदा मेहता, निशा जियानी भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में कुल 40 महिलाएं शामिल हुईं।

एक्का जुंबा काफी मजेदार कसरत और स्वास्थ्य के नजरिए से काफी फायदेमंद: भाविका जैन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वर्तमान में तापमान बढ़ गया है, साथ ही बढ़ती गर्मी से शरीर में कई तरह की परेशानी पैदा हो रही है। जिससे छुटकारा पाना जरूरी हो गया है। वर्कआउट का नया ट्रेंड है जुंबा। इसे एक्सरसाइज और डांस का मिलाजुला रूप कह सकते हैं।

इस एक्सरसाइज के बहुत सारे बेनिफिट हैं और यही कारण है कि बड़ी संख्या में लोग इस एक्सरसाइज की ओर बढ़ रहे है। युवा फिटनेस विशेषज्ञ एवं कोरियोग्राफर भाविका जैन का कहना है कि एक्का जुंबा का क्रेज बढ़ने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं, सबसे पहला तो यह काफी मजेदार कसरत है और दूसरा यह स्वास्थ्य के नजरिए से काफी फायदेमंद है।

उन्होंने यह बात जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो

महिला विंग द्वारा स्पोर्ट्स के अंतर्गत गर्मी एवं तनाव से निजात पाने हेतु शेषाद्रीपुरम स्थित ग्लोबल स्विमिंग एसोसिएशन में स्प्लैश टू फिटनेस-स्मैश यूर स्ट्रेस विषय पर अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कही। भाविका ने बताया कि यह एक्सरसाइज 40 मिनट में 1000 कैलोरी बर्न कर सकती है। ऐसे में जो लोग मोटापे की समस्या से ग्रसित हैं, वे इस एक्सरसाइज के जरिए आराम से अपना वजन घटा सकते हैं, साथ ही साथ एक्का से गर्मी से निजात भी पा सकते है।

उन्होंने प्रतिभागियों को स्विमिंग पूल में फिटनेस वर्कआउट और जुम्बा संगीत पर नृत्य कराया। कार्यक्रम के प्रारंभ में ग्लोबल स्विमिंग पूल के मालिक अनिल उपस्थित थे और उन्होंने जेएलडब्ल्यू टीम की प्रशंसा की और भविष्य के आयोजनों के लिए भी अपने सहयोग का आश्वासन दिया। बेंगलूरु नॉर्थ जेएलडब्ल्यू के संयोजक कमल पुनमिया ने सक्रिय महिला विंग की सराहना की और कहा कि खेल किसी के जीवन का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है जो हमें स्वस्थ रखता है और हमारा दिमाग हमेशा तरोताजा रहता है। प्रशिक्षक भाविका जैन का परिचय उपाध्यक्ष एवं संयोजिका रेश्मा पुनमिया ने दिया एवं संचालन सह-संयोजिका विजेता जैन ने किया। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने स्वागत किया। कार्यक्रम प्रायोजक रेश्मा कमल पुनमिया का सम्मान किया गया। लगभग 57 सदस्यों द्वारा रजिस्ट्रेशन हुआ। चैप्टर से नितिन कटारिया, महिला विंग मेंटर सरिता खिंवेसरा, उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, कार्यकारिणी सदस्य नीता गादिया, मनीषा डोशी, संगीता नागोरी, संगीता मुथा उपस्थित थे। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने धन्यवाद दिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

राणे बेन्नूर में अमित शाह ने किया विशाल रोड शो

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को हावेरी लोकसभा क्षेत्र के राणेबेन्नूर में एक विशाल रोड शो में हिस्सा लिया। साथ ही भाजपा को वोट देने का अनुरोध भी किया। लोगों एवं कार्यकर्ताओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया। शाम को कुरुबागिरी क्रॉस से अशोक सर्कल तक एक रोड शो आयोजित किया गया। लोगों ने जय श्री राम, भारत माता की जय, अब की बार मोदी सरकार, भाजपा भाजपा, मोदी मोदी के नारे लगाए। भाजपा और जेडीएस पार्टियों के झंडे लिए कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री और हावेरी उम्मीदवार बसवराज बोम्मई, पूर्व मंत्री बीसी पाटिल समेत अन्य नेता मौजूद थे।

गौ रक्षा एवं पालन हेतु विशाल शेड का निर्माण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मातृछाया जैन महिला संगठन द्वारा चिक्कबल्लापुर के शिडलघट्टा तालुक में रामसमुद्रा बांध के पास स्थित एस. देवगानहल्ली ग्राम पंचायत में विश्व प्राणी कल्याण मंडल के संस्थापक दयानंदस्वामी द्वारा स्थापित गौतीर्थ श्री भगवान महावीर जीव रक्षा धाम के परिसर में कुल 4500 वर्ग फीट का एक विशाल शेड निर्माण करवाया गया है। जिसको देखने के लिए संगठन की महिलाएं गौतीर्थ पहुंची। दयानंदस्वामी ने सभी का स्वागत करते हुए मातृछाया जैन महिला संगठन का गौ रक्षा में योगदान एवं शेड निर्माण हेतु धन्यवाद दिया। संगठन की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने राष्ट्र की उन्नति के लिए गौरक्षा को आवश्यक बताते हुए पूरे भारत में कत्लखानों एवं पशु वध पर रोक लगाने की आवश्यकता पर बल दिया। संगठन की अध्यक्ष ललिता पी. नागोरी ने सहयोगियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि जून माह में इस शेड का उद्घाटन व्यापक स्तर पर किया जाएगा।

इस शेड का निर्माण कत्लखानों में वध हेतु अवैध रूप से ले जायी जाने वाली गायों और गौवंश को बचाकर पालन करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। ज्ञातव्य है कि सन् 1998 में स्थापित मातृछाया जैन महिला संगठन जिसमें विश्व भर से जैन महिलाएं जुड़ी हुई है, पिछले 25 वर्षों से देव द्रव्य, गुरु भगवंतों की वैयावच्च, मानव सेवा, जीवदया, साधर्मिक भक्ति एवं परमार्थ सेवा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रही हैं। प्रति वर्ष स्वास्थ्य जांच, कैंसर परीक्षण, नेत्र परीक्षण एवं चिकित्सा, डायलिसिस, कृत्रिम पैर आरोपण आदि अनेक शिविरों का निःशुल्क आयोजन होता है।

मैंने कोई गलत काम नहीं किया है, किसी भी जांच के लिए तैयार हूं: एचडी रेवन्ना

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना ने कहा कि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है और मैं किसी भी तरह की जांच का सामना करने के लिए तैयार हूं। होलेनरसीपुर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन पर लगे आरोप सच्चाई से कोसों दूर हैं। हमारे पास आरोप का सामना करने की ताकत है। कुछ भी गलत न करने के आरोपों से परेशान क्यों? उन्होंने कहा कि वह फिलहाल इस बारे में और कुछ नहीं कहना चाहते हैं। उनके पास साजिश का सामना करने की ताकत है। इस प्रकार उन्होंने कहा कि भगवान ने उन्हें जांच का सामना करने की क्षमता दी है। एसआईटी समेत किसी भी जांच का सामना करने को तैयार हूं। एसआईटी के नोटिस की कॉपी घर पर लगा दी गई है। पता नहीं इसमें क्या है। उन्होंने कहा कि वह जांच में सहयोग करेंगे। इससे पहले उन्होंने हरदनहल्ली में शिव मंदिर में विशेष पूजा की। बाद में उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों के साथ होलेनरसीपुर स्थित अपने आवास पर होम किया। होम में शामिल रेवन्ना ने पूर्णाहुति के बाद पत्रकारों से बात की।

पिंजरापोल सोसायटी में मनाया विश्व मजदूर दिवस

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विश्व मजदूर दिवस पर चामुंडी पहाड़ी की तलहटी स्थित पिंजरापोल सोसायटी में कार्यरत गौपालकों के लिए नि:शुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य जांच शिविर डॉ. गुरुबसप्पा व डॉ. सर्वेश्वर की देखरेख में लगाया गया। शिविर में 60 गौपालकों के रक्तचाप, आँखों, घुटनों, जोड़ों, चर्म आदि की जांच कर चिकित्सीय परामर्श के बाद आयुर्वेदिक दवाइयां दी गई। शिविर के प्रायोजक समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित रहे। इस मौके पर मैसूरु पिंजरापोल सोसायटी के सचिव विनोद खाबिया, सदस्य सुशील कुमार, प्रचार-प्रसार प्रभारी सुरेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में गौपालक उपस्थित रहे।

प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण मामला कर्नाटक सरकार लंबे समय तक सबूतों पर क्यों बैठी रही? राजीव चंद्रशेखर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण मामले पर टिप्पणी करते हुए, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा एक आपराधिक जांच चल रही है।

पुलिस के पास शक्तियां हैं, पुलिस को अपना काम करने दें। देश के कानून को अपने तरीके से चलने दें। लेकिन अन्य प्रश्न भी पूछे जाने चाहिए। कर्नाटक सरकार इतने लंबे समय तक सबूतों पर क्यों बैठी रही? उन्होंने केवल चुनाव होने पर ही प्रतिक्रिया क्यों दी?

हमारे वस्त्र मर्यादा पूर्ण होने चाहिए: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में साध्वी सुशीलाकंवरजी ने कहा कि हमारे वस्त्र मर्यादा पूर्ण होने चाहिए। वस्त्र हमारी पहचान और परिचय होते हैं। वस्त्रों में संस्कारों और परिवार की झलक होती हैं। हमारे वस्त्रों से

विकार वृद्धि नही होनी चाहिए। सात्विक भोजन से सात्विक विचार आते हैं। अपनी संस्कृति बहुत महान हैं और प्रत्येक व्यवस्था में हमारी सुरक्षा का ध्यान रखा गया है। संस्कृति से भटकने के कारण ही आज सामाजिक व्यवस्था चिंतनीय हो गई है।

प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी जयश्री जी ने कहा कि परिवार में सामंजस्य और संवाद का बहुत महत्व है। किसी भी कारण से आपस का संपर्क टुटना नही चाहिए। प्रेम की आंख से देखेंगे तो प्रीति की वृद्धि होगी। प्रीति से क्रोध का नाश होता है। सभा का संचालन करते हुए अलसूर जैन संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने साध्वी सुशीलाकंवर जी के संयम जीवन के 50वें वर्ष के संदर्भ में जिनशासन में उन के योगदान की सराहना करते हुए दीर्घायु की कामना की। संघ अध्यक्ष नेमीचन्द चोरडिया ने आगंतुकों का स्वागत किया।

मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाना देश की जनता का फैसला: विजयेंद्र

आम लोगों का भी मोदी के नेतृत्व पर भरोसा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई विजयेंद्र ने विश्वास के साथ कहा कि देश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने का फैसला कर लिया है। वह बुधवार को कलबुर्गी लोकसभा क्षेत्र के चित्तपुर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां मैं उमेश जाधव की ओर से प्रचार करने आया हूं। उन्होंने विश्लेषण किया कि न सिर्फ प्रदेश बल्कि देश भर की जनता देश की सुरक्षा और विकास के मद्देनजर नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाना चाहती है। आम लोगों का भी मोदी के नेतृत्व पर भरोसा बढ़ा है।

मोदी देश के प्रधानमंत्री बनने के बाद से पिछले 10 वर्षों में देश के सर्वांगीण विकास के लिए काम कर रहे हैं। इससे पहले जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने कहा था मैं प्रधानमंत्री के तौर पर 100 रुपये दूंगा।

अगर इसे भेजा जाए तो यह चित्तपुर तक जाएगा, लेकिन 15-20 रुपये बचेगा। बाकी 80-85 रुपये मध्यस्थों का हिस्सा हो जाएगा। मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद हर गरीब को बैंक खाता मिला और मोदी द्वारा दी जाने वाली सुविधाएं बिना किसी रुकावट के 100 रुपये मिलने पर 100 रुपए ही पहुंचती है। उन्होंने विश्लेषण किया कि अगर यह सबके पास बराबर पहुंच रहा है तो यह काम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा का है।

किसान सम्मान योजना के तहत कोविड संकट के दौरान 6,000 रुपये सीधे खाते में जमा किये गये। येदियुरप्पा जब मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए 4 हजार अतिरिक्त दिए। कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही वह 4 हजार रोक दिया।

उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार उरी और अन्य उर्वरकों पर सबसे ज्यादा सब्सिडी दे रही है। मोदी ने संकटग्रस्त किसानों की मदद की है। हालांकि राज्य में भीषण सूखा पड़ा है, लेकिन कांग्रेस सरकार ने किसानों की दुर्दशा पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने विरोध किया कि 800-900 किसानों ने आत्महत्या की लेकिन उन्हें मुआवजा नहीं दिया गया। येदियुरप्पा ने किसानों के नाम पर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और हमेशा किसानों के लिए खड़े रहे। उन्होंने उनसे जन हितैषी योजनाओं के मद्देनजर भाजपा का समर्थन करने का अनुरोध किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष शिवराज पाटिल, तालुक अध्यक्ष रवींद्र, विधान परिषद सदस्य बीजी पाटिल, पूर्व मंत्री बाबूराव चव्हाण, प्रदेश सचिव शरणु तुम्हीकेरे मौजूद थे।

क्या पुलिस ने प्रज्वल रेवन्ना के विदेश भागने का किया इंतजार: जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सवाल किया कि क्या पुलिस अश्लील सीडी मामले और महिलाओं पर यौन उत्पीड़न के मामले में फंसे हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के विदेश भागने का इंतजार कर रही थी। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि खुफिया विभाग मुख्यमंत्री के अधीन है। कानून व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार का कर्तव्य है। जब प्रज्वल रेवन्ना पर आरोप लगे तो सरकार ने पुलिस को उनकी गतिविधियों पर नजर रखने का निर्देश क्यों नहीं दिया। हवाई अड्डे के आव्रजन अनुभाग में, पुलिस राज्य में प्रवेश करने और छोड़ने वाले लोगों के बारे में जानकारी पोस्ट करती है। भगवान जाने प्रज्वल रेवन्ना जर्मनी गए या इंग्लैंड गए हैं। लेकिन उन्हें आश्चर्य हुआ कि उनके विदेश जाने तक न तो सरकार और न ही पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। मेरे पास जो जानकारी है उसके मुताबिक ये घटना 6 महीने या एक साल पहले की नहीं है। ये कई साल पहले हुआ था। क्या उन्हीं मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने 2019 में हासन निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले प्रज्वल रेवन्ना की ओर से प्रचार नहीं किया था? उन्होंने पूछा, अब आप नैतिकता किसे पढ़ाने जा रहे हैं?

हमारी पार्टी प्रज्वल रेवन्ना के मामले को उचित नहीं ठहराएगी। हमारे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि हमारा रुख क्या है। जब कुमारस्वामी ने खुद कहा है कि जिन्होंने नमक खाया है उन्हें पानी पीना चाहिए, तो यहां किसकी रक्षा की जा रही है, इसका सवाल ही नहीं उठता। डीके शिवकुमार को संघ व्यवस्था में राज्य सरकार की भूमिका जाननी चाहिए और बोलना चाहिए। जोशी ने चेतावनी देते हुए कहा कि हम अपनी बात कहेंगे तो आप अपनी बात भी कह सकेंगे। सब जानते हैं कि एसआईटी गठन का मकसद देरी करना है। प्रज्वल रेवन्ना को विदेश जाने की सलाह किसने दी, इसका खुलासा होना चाहिए। उससे पहले किसने उच्च अधिकारियों को फोन किया था? उनके सुझाव क्या हैं? टेलीफोन कॉल में रिकॉर्ड किया गया है। हम इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। इस मामले का हमारे गठबंधन से कोई लेना-देना नहीं है। हम इस संबंध में जेडीएस के रुख का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को बेवजह घसीटने की जरूरत नहीं है।

हासन सेक्स स्कैंडल मामला

सच्चाई जल्द ही सामने आएगी: प्रज्वल रेवन्ना

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

हासन से मौजूदा सांसद प्रज्वल रेवन्ना, जो सेक्स स्कैंडल को लेकर विवादों में हैं, ने कहा कि सच्चाई की जीत होगी। उन्होंने पहले भी आरोपों से इनकार किया था। प्रज्वल, जिन्हें जद (एस) द्वारा निलंबित कर दिया गया है, ने भी पुष्टि की कि वह देश से बाहर हैं और इसकी सूचना उनके वकील के माध्यम से बेंगलूरु में सीआईडी टीम को दे दी गई है। प्रज्वल ने एक पोस्ट में कहा चूंकि मैं पूछताछ में शामिल होने के लिए बेंगलूरु में नहीं हूं, इसलिए

मैंने अपने वकील के माध्यम से एसआईटी बेंगलूरु को सूचित कर दिया है। सच्चाई जल्द ही सामने आएगी। यह घोटाला सामने आने के बाद प्रज्वल का पहला आधिकारिक बयान है। खबरों के मुताबिक उनके वकील ने मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम के सामने पेश होने के लिए सात दिन का समय मांगा है।

पेन ड्राइव मामले में बिना उचित सबूत के किसी की गिरफ्तारी नहीं: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि हासन के पेन ड्राइव मामले में कई लोगों की जिंदगी का सवाल छिपा है। इसी वजह से एसआईटी जांच के आदेश दिए गए हैं। रेवन्ना या किसी को भी बिना सबूत देखे अचानक गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कह रहे हैं कि राज्य सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। लेकिन उनको समझना चाहिए कि ऐसे अचानक कार्रवाई करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक संवेदनशील मामला है और सरकार ने इसे गंभीरता से

लिया है और सावधानीपूर्वक कदम उठा रही है। शिकायतकर्ता से बयान लिया गया। धारा 41/ए सीआरपीसी के तहत नोटिस जारी किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें 24 घंटे के भीतर सुनवाई में शामिल होना होगा, अन्यथा एसआईटी अधिकारी कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई करेंगे। फ्लाइट टिकटों से पता चला कि मामले के केंद्र बिंदु प्रज्वल रेवन्ना विदेश चले गए हैं। एसआईटी उन्हें वापस लाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो केंद्र सरकार से मदद मांगी जायेगी। फिलहाल एसआईटी के अधिकारी मामले के तथ्यों की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वीडियो का स्रोत क्या है? कहाँ से जारी किया गया? एसआईटी इन मुद्दों पर समीक्षा करेगी। सवाल पूछे जा रहे हैं कि रेवन्ना को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया। मैंने इस आलोचना पर ध्यान नहीं दिया कि वीडियो जारी करने के पीछे डीके शिवकुमार का हाथ था। चूंकि एसआईटी जांच चल रही है, इसलिए मैं इस स्तर पर कोई बयान नहीं दूंगा। इस मुद्दे पर किसी और के द्वारा चर्चा करना अनुचित है। आरोप, दबाव, आलोचना के आधार पर किसी को अचानक गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी की भी सुरक्षा नहीं की जाएगी। तथ्य यह है कि नेहा के मामले में मुखर रहने वाली भाजपा हासन के पेन ड्राइव मामले पर चुप है और जेडीएस से दूरी बनाए हुए है। यह हमारे लिए प्रासंगिक नहीं है। उन्होंने कहा कि यह दोनों पक्षों का मामला है। विपक्षी दल यह दुष्प्रचार कर रहे हैं कि लोकसभा चुनाव के बाद राज्य सरकार पंचखत्री योजना बंद कर देगी और अगर कांग्रेस हार गयी तो गृह ज्योति योजना बंद कर दी जायेगी। लेकिन ऐसा नहीं है क्योंकि बजट में पंचखत्रियों के लिए पहले से ही पर्याप्त धन रखा गया है।

अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में तेज गर्म हवा की संभावना

बारिश के आसार नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछले कुछ दिनों से राज्य में शुष्क मौसम जारी है और सप्ताहांत तक मौसम गर्म रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने लोगों को सुरक्षा उपाय बरतने की सलाह दी है क्योंकि तापमान लगातार बढ़ रहा है और दिन में गर्मी के साथ गर्म हवाएं भी चलेंगी। राज्य में 4 मई तक मौसम शुष्क रहेगा और बारिश की संभावना बहुत कम है। इस दौरान गर्म हवाएं बढ़ेंगी। खासकर कल्याण कर्नाटक

के बेल्लारी, रायचूर, यादगिरी, कलबुर्गी, बीदर, बागलकोट जिलों में, जिसे धूप वाली भूमि माना जाता है, अधिकतम तापमान रहेगा। यह सलाह दी जाती है कि दोपहर के समय जितना संभव हो घर और कार्यालय से बाहर काम करने से बचें, यदि आवश्यक हो तो छाते सहित छाया का आश्रय लें और खूब सारे तरल पदार्थ पिएं। राज्य में अधिकतम तापमान पहले से ही 37 डिग्री सेल्सियस की सीमा पार कर गया है। बेंगलूरु समेत कई जगहों पर रिकॉर्ड तापमान देखने को मिल रहा है। एक सप्ताह बाद राज्य के कुछ अंदरूनी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। लेकिन 4 मई तक बारिश का कोई अनुमान नहीं है। बीदर 40, विजयपुरा 41.8, बागलकोट 42.4, धारवाड़ 40.2, कलबुर्गी 43.6, हावेरी 37.4, कोप्पल 42.7, रायचूर 38.2, चामराजनगर 39, केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा 39.9, दावणगेरे 40, चिक्कबल्लापुर 31.1, मांड्या 39.6 और शिवमोग्गा 38.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। राज्य के अधिकांश जिलों में औसतन तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर देखा जा रहा है। कलबुर्गी में अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस और 43.4 डिग्री सेल्सियस और औसत 2 से 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सुनवाई में शामिल होने के लिए

एचडी रेवन्ना और प्रज्वल को एसआईटी का नोटिस

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। एसआईटी ने पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना और हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना को यौन उत्पीड़न मामले में पूछताछ में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया है, जिसने राज्य की राजनीति में हंगामा मचा दिया है।

एसआईटी की टीम होलेनरसीपुर स्थित उनके घर के दरवाजे पर नोटिस की कॉपी चिपकाकर वापस लौट आई। घर पर किसी के न होने पर घर के दरवाजे पर नोटिस चिपका दिया गया। नोटिस में जांच में शामिल होने का निर्देश दिया गया है।

एसआईटी की टीम शिकायत दर्ज कराने वाली पीड़ित महिला के साथ होलेनरसीपुर जाएगी। एसआईटी की टीम को रेवन्ना के होलेनरसीपुर स्थित घर की तलाशी लेनी है।

महिला ने शिकायत की कि जब वह घर पर काम कर रही थी तब रेवन्ना ने उसका यौन उत्पीड़न किया था। शिकायत के आधार पर होलेनरसीपुर टाउन पुलिस स्टेशन ने प्राथमिकी दर्ज की थी। बाद में सरकार ने मामला एसआईटी को ट्रांसफर कर दिया। मंगलवार को एसआईटी ने महिला का बयान दर्ज किया। मालूम हो कि विदेश गए प्रज्वल रेवन्ना 3 मई को देर रात बेंगलूरु पहुंचेंगे। वह इस वक्त जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में हैं।

प्रज्वल ने लुफ्थांस एयरलाइंस से 3 मई को यात्रा करने के लिए टिकट बुक किया है। इस प्रकार, वह 3 मई की आधी रात को केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे और 4 मई को पूछताछ के लिए एसआईटी के सामने पेश होने की संभावना है।

सरकार का खजाना खाली है: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार ने किसानों को दूध पर दी जाने वाली 5 रुपए की प्रोत्साहन राशि भी बंद कर दी है। ऐसे में क्या आपको कोई और सबूत चाहिए कि सरकारी खजाना खाली है? यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस यह कहने के बजाय कि सरकार का खजाना खाली है, शिकायत कर रही है कि मोदी नहीं दे रहे हैं। कांग्रेस सरकार को आए एक साल हो गया है। राज्य की जनता पर टैक्स का बोझ डाला गया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार अपने घर से कुछ नहीं दे रहे हैं। विश्व बैंक से ऋण नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, वे हमारा पैसा ले रहे हैं और हमें दे रहे हैं। यह बात भी लोग जानते हैं, अगर कांग्रेस में दम है तो पिछले 20 साल में हमने कितना टैक्स दिया, केंद्र से राज्य को कितना आया? उसे रिहा करें। इससे पहले उन्होंने पार्टी कार्यालय में कांग्रेस सरकार की विफलताओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की विकास योजनाओं को लेकर एक ऑडियो और वीडियो जारी किया।

राज्य की कांग्रेस सरकार किसान गद्दार: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र ने कांग्रेस सरकार को चेतावनी दी है कि भीषण सूखे के बावजूद सूखा राहत नहीं दी गई, एक भी गौशाला नहीं खोली गई, चारा किट का वितरण नहीं किया गया।

इसलिए किसानों को धोखा देने वाली सरकार जल्द ही लोगों द्वारा दंडित होगी। पेयजल टैंकर माफिया पर रोक लगाने में विफल रही कांग्रेस सरकार भीषण सूखे से जूझ रहे देश के किसानों के साथ खड़े होने में भी विफल रही है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि पक्षपात की राजनीति के लिए दलितों और पिछड़ों के लिए आवंटित पैसे का इस्तेमाल दूसरे कामों में किया जाता है।

सहपाठी से 35 लाख रुपये का सोना वसूलने का मामला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के एक निजी स्कूल के दो छात्रों को एक सहपाठी को ब्लैकमेल करने के बाद उससे 35 लाख रुपये मूल्य के 700 ग्राम सोने के गहने वसूलने के आरोप में हिरासत में लिया गया और उनके चार सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया। बेंगलूरु पुलिस के अनुसार, दो नाबालिग छात्रों को एक किशोर सुविधा की देखरेख में रखा गया है, जबकि बाकी आरोपी बेंगलूरु सेंट्रल जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान वड्डरहल्ली के 32 वर्षीय एम कार्तिक कुमार और सीबीएस सर्कल के 30 वर्षीय एस सुनील, दोनों कोप्पल जिले के गंगावती के रहने वाले, आरआर नगर के वेमन एन और 19 वर्षीय आर विवेक के रूप में की गई है।

युवक की गिरकर मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां सिटी बस स्टैंड के पास एक युवक की गिरकर मौत हो गई। मृतक की पहचान बदियप्पा (37) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि अत्यधिक गर्मी के कारण वह गिर पड़े। उन्हें सामाजिक कार्यकर्ता नित्यानंद ओलाकाडु द्वारा अस्पताल ले जाया गया लेकिन रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। इस संबंध में नगर थाने में मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा प्रत्याशी को योग्य कहा तो

ममता बनर्जी ने कुणाल घोष को हटाया

कोलकाता, 01 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने भाजपा प्रत्याशी को योग्य बताने के संगीन जुर्म में कुणाल घोष को पार्टी के प्रदेश महासचिव पद से हटा दिया। राज्य की सत्ताधारी पार्टी ने बुधवार को एक बयान जारी कर इसकी घोषणा की। पार्टी ने अपने बयान में कहा, हाल ही में कुणाल घोष कई ऐसी बातें कह रहे हैं जो पार्टी के विचारों के अनुरूप नहीं हैं। इसलिए यह स्पष्ट करना बहुत जरूरी है कि वह जो कह रहे हैं, वह पूरी तरह से उनकी निजी राय है। इसका तृणमूल कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से कोई लेना-देना नहीं है।

तृणमूल ने बयान में साफ किया कि कुणाल को पहले भी पार्टी के प्रवक्ता पद से हटा दिया गया था। इस बार उन्हें तृणमूल राज्य

महासचिव के पद से भी हटा दिया गया। कुणाल घोष ने भाजपा प्रत्याशी तापस राय की तारीफ की थी। तापस रॉय टीएमसी छोड़कर भाजपा में आए हैं और उत्तरी कोलकाता लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार हैं। तृणमूल के कुणाल घोष ने तृणमूल कार्यकर्ताओं से कहा था कि यहां किसी को भी फर्जी वोट डालने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। शांत इलाकों में शांतिपूर्ण मतदान हो। जनता तय करेगी कि उनका पसंदीदा उम्मीदवार कौन है। कुणाल कहा कि मुझे तापस राय के बारे में कुछ नहीं कहना है। जब तक वे जनप्रतिनिधि रहे, उन्होंने जनता की सेवा की। उनका दरवाजा लोगों के लिए दिन-रात खुला रहता था। इसके बाद कुणाल ने कहा कि हम तापस राय को एक परिवार में रखना चाहते थे, लेकिन दुर्भाग्य से मैं ऐसा नहीं कर सका। आज वह उम्मीदवार हैं, लेकिन दूसरी पार्टी के। हमारी पार्टी के उम्मीदवार सुदीप बनर्जी हैं। हम अपनी पार्टी के उम्मीदवार के लिए काम करेंगे। तापस राय के पार्टी के कार्यकर्ता उनके लिए काम करेंगे।

कुणाल यहीं नहीं रुकें। तृणमूल नेता ने कहा कि यहां कोई फर्जी मतदान नहीं होगा। सभी को अपना वोट डालने दीजिए। जनता तय करेगी कि असली उम्मीदवार कौन है।

अगर कहीं भी कोई दबाव है, तो जान लें कि तृणमूल नेतृत्व किसी भी स्थिति में, किसी भी बूथ पर लोगों की इच्छा के विरुद्ध एक भी वोट नहीं पड़ने देगा। यह सुनकर तापस भी प्रत्यक्ष रूप से आश्चर्यचकित थे। बुधवार के रक्तदान शिविर में वार्ड नंबर 38 के तृणमूल और भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

हालांकि, वे क्रॉस-सेक्शनल रूप से विभाजित थे। एक तरफ भाजपा और दूसरी तरफ तृणमूल कार्यकर्ता। बीच में काफी गैप था। उल्लेखनीय है कि बंगाल में सभी जानते हैं कि तापस राय के तृणमूल छोड़ने के पीछे सुदीप ही एकमात्र कारण हैं। सूत्रों के मुताबिक, अब तृणमूल कांग्रेस के अंदर ही एक वर्ग कुणाल घोष की आलोचना कर रहा है। उनका कहना है कि कुणाल ने तापस राय के बारे में इतना कुछ कहा, लेकिन एक बार भी अपने प्रत्याशी सुदीप बंधोपाध्याय को जीताने की बात नहीं कही। इसे लेकर भी राजनीतिक हलकों में चर्चा का बाजार गर्म है।

यूएन मुख्यालय में गूंजेंगी महिला सरपंचों की आवाज

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां)। देश की 14 लाख महिला सरपंचों में से आंध्र, त्रिपुरा और राजस्थान की तीन महिला सरपंच यूएन मुख्यालय में भारत के शासन में महिलाओं की भूमिका पर अपनी बात रखेंगी। संयुक्त राष्ट्र में भारत का स्थायी मिशन ने पंचायती राज मंत्रालय (एमओपीआर) और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के सहयोग से एक आयोजन कर रही है। यह सतत विकास के लक्ष्य, एसडीजी का स्थानीयकरण-भारत में स्थानीय शासन में महिलाएं विषय पर चर्चा है, जो 3 मई 2024 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय सचिवालय भवन में आयोजित होगा।

त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिला परिषद की सभाधिपति सुप्रिया दास दत्ता ने सुदुर वादियों में महज 600 स्वयं सहायता समूहों को 10 गुना बढ़ाकर 60 हजार महिलाओं को उसमें जोड़ा।वह फूल मेकिंग,

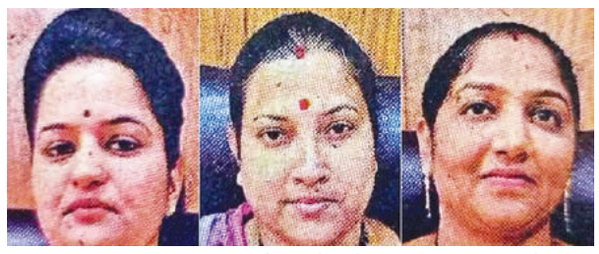

मछली पालन, पशुपालन और पोल्ट्री का काम करके लगातार बढ़ रही बहनों के कुनबे को संभाल रही है और लगातार इसे और आगे बढ़ाने में प्रयासरत है।

राजस्थान के झुंझुनूं जिले की लांबी अहीर ग्राम पंचायत की सरपंच नीरू यादव ने महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सरपंच बनने के बाद सबसे पहले खेलों के लिए लड़कियों को प्रोत्साहन देने के प्रयास शुरू किए, उनकी मेहनत रंग लाई और आज गांव की लड़कियां हॉकी में भविष्य को संवारने में जुटी है। इसके अलावा पर्यावरण को लेकर मेरा पेड़ मेरा दोस्त अभियान इतना लोकप्रिय हुआ कि स्कूली बच्चों ने न सिर्फ स्कूलों में बल्कि गांव के चारों ओर करीब 17 हजार से अधिक पेड़ लगाए। वह यूएन में किस तरह से बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए उनके द्वारा काम किया इसकी कहानी बयां करेंगी।

आंध्र प्रदेश की पेकेरू ग्राम पंचायत की सरपंच कुनुकु हेमा कुमारी एमटेक है।उन्होंने शानदार नौकरी के सपने बुने थे, लेकिन सरपंच बनते ही उन्होंने अपने संपूर्ण तकनीकी ज्ञान को गांव के विकास और सरकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने में लगा दिया।

गुजरात कांग्रेस में बवाल जारी

सूरत के प्रत्याशी नीलेश कुम्भाणी 6 साल के लिए निलंबित

कर्णावती, 01 मई (एजेंसियां)। सूरत लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार नीलेश कुम्भाणी को गुजरात कांग्रेस ने छः साल के लिए सस्पेंड कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफ कुम्भाणी ने अपना वीडियो जारी कर स्थानीय काँग्रेसी नेताओं पर आरोप लगाए है। अपने उम्मीदवार का फॉर्म भरते समय हुई गलती को देखने के बजाय गुजरात कांग्रेस उलटा भाजपा को कोस रही है।

गुजरात में लोकसभा चुनाव का माहौल चरम पर है और भाजपा ने देश में सबसे पहले सूरत लोकसभा बैठक पर भगवा लहरा दिया है तब दूसरी तरफ गुजरात कांग्रेस में इसी मुद्दे पर अभी तक बवाल मची हुई है। सूरत लोकसभा कांग्रेस के उम्मीदवार निलेश कुम्भाणी का नामांकन पत्र रद्द होने के बाद हुए हाई वोल्टेज ड्रामा के बाद कांग्रेस अनुशासन समिति ने कुम्भाणी को 6 साल के लिए सस्पेंड कर दिया है। सस्पेंशन के साथ समिति ने कुम्भाणी पर नामांकन पत्र भरने में लापरवाही और भाजपा के साथ

फुहड़ता का आरोप लगाया है। समिति ने लिखा है कि इस घटना से मतदाता का मताधिकार छिन गया। इस घटना के बाद आप (नीलेश कुम्भाणी) के सामने सूरत में स्थानीय स्तर पर एवम कांग्रेस के स्थानीय कार्यकर्ताओ में भी गुस्सा फैल गया है। इस वजह से छः साल का सस्पेंशन का निर्णय लिया गया है।

कांग्रेस के सस्पेंशन के बाद नीलेश कुम्भाणी ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें वह बता रहे है कि में कांग्रेस का सैनिक था और रहूंगा। उन्होंने ने कांग्रेस के स्थानीय नेताओं पर आरोप लगाया है कि सूरत के स्थानीय नेता उनकी रैली या प्रचार में नहीं जुड़े थे। उनके साथ रथ में बैठने के लिए भी तैयार नहीं थे। स्थानीय आगेवानो ने बूथ भी नहीं दिए थे और कार्यकर्ताओ को भी मना कर दिया गया था। उनके साथ डोर टू डोर प्रचार में भी नहीं जुड़ रहे थे। उनको अकेला छोड़ दिया गया था और वह अकेले ही प्रचार में जाते थे।

कुम्भाणी ने अमरेली के प्रताप दुधात के बारे में कहा कि उच्च नेतागिरी ने अमरेली के प्रताप दुधात को नामांकन पत्र के समय हाजिर रहने के लिए कहा था, लेकिन प्रताप ने उनके नामांकन पत्र के बाद का समय रखने के लिए कहा और इस प्रकार उसके बाद का समय निश्चित किया गया। लेकिन फिर भी प्रताप दुधात उप-स्थित नहीं रहे और बाद में उन्होंने कुम्भाणी का फोन भी रिसीव नहीं किया। कुम्भाणी वीडियो में कहते है कि आज जो लोग मुझे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं वह अगर मेरे नामांकन पत्र के समय हाजिर होते तो यह गलती नहीं होती।

दो दिनों की बारिश ने 2014 की भीषण बाढ़ की याद दिलाई

जम्मू, 01 मई (ब्यूरो)। लगातार बारिश के कारण नदियों का जलस्तर जैसे ही खतरे के निशान के करीब पहुंचा, कश्मीर में 2014 की विनाशकारी बाढ़ की यादें फिर से ताजा हो गईं। झेलम और डूडगंडा नदियों के उफनते किनारे एक बार फिर निवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गए।

2014 में, हमने प्रकृति की पीड़ा को प्रत्यक्ष रूप से देखा। बाढ़ ने किसी को नहीं छोड़ा, और उस आपदा के निशान अभी भी गहरे हैं, राजबाग में झेलम नदी के तट पर बैठे एक बूढ़े व्यक्ति को याद आया। उन्होंने कहा, जोखिमों को समझे बिना लोगों को नदी के किनारे आते देखना निराशाजनक है।

उमर नामके युवक ने कहा, बाढ़ की यादें अभी भी हमारे दिमाग में ताजा हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम चेतावनियों पर ध्यान दें और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतें। इसी तरह, कश्मीर के केसर शहर के नाम से जाने जाने वाले पंपोर के निवासी पूरी रात सो नहीं सके क्योंकि गरजती हुई झेलम और पास में बहती जलधाराओं ने 2014 के जलप्रलय की भयानक यादें ताजा कर दीं। एक दशक बाद, पंपोर के विभिन्न क्षेत्रों के निवासी जिनमें कदलाबल, द्रंगबल, नंबलबल, तन्चे बाग, फ्रेस्टबल और कई अन्य क्षेत्र शामिल हैं, का मानना है कि पिछली सरकारों और

वर्तमान प्रशासन द्वारा नदी-तटबंधों की ऊंचाई बढ़ाने के लिए कुछ भी नहीं किया गया था। द्रंगबल के निवासी मुहम्मद सुल्तान के बकौल, मुझ पर भरोसा करें, हम पूरी रात (29/30 अप्रैल) सो नहीं सके क्योंकि झेलम नदी में पानी का स्तर लगातार बढ़ रहा था। पास की नदियां बहुत शोर कर रही थीं क्योंकि पानी बहुत तेज गति से बह रहा था। सितंबर 2014 में आए जलप्रलय में सुल्तान का घर जमींदोज हो गया था।

सुल्तान का कहना है, मैंने अपना घर खो दिया और 10 साल बीत जाने के बावजूद, मैं इसे ठीक से पुनर्निर्माण नहीं कर पाया। हालांकि मुझे सरकार से कुछ राहत और मुआवजा मिला, लेकिन पहले जैसा घर बनाना आसान नहीं है, क्योंकि कई चुनौतियाँ हैं। ऐसे में वे दिन की पहली किरण (30 अप्रैल को) के साथ, भोर की प्रार्थना करने के तुरंत बाद, वह अपने पड़ोसी गुलाम अहमद के साथ, जल स्तर देखने के लिए तुरंत पंपोर मुख्य बाजार गए। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा था मानो 2014 फिर से लौटने वाला है क्योंकि पानी का स्तर हर मिनट बढ़ रहा था और झेलम उसी तरह दहाड़ रही थी। सुल्तान कहता था कि नाश्ता करने के बाद, मैं पानी की स्थिति देखने के लिए एक बार फिर पंपोर शहर गया। चूंकि बारिश तो रुक गई थी लेकिन जलस्तर अभी भी बढ़ रहा था। मैं ऊपरवाले से प्रार्थना करता रहा कि इस बार हमें बाढ़ से बचा ले। आखिरकार, दोपहर 2 बजे पानी का स्तर धीरे-धीरे कम होना शुरू हुआ।

पंपोर के अन्य लोगों का कहना था कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्य शहर पंपोर में नदी तटबंध की ऊंचाई नहीं बढ़ाई गई। वर्ष 2014 में काम बीच में ही छोड़ दिया गया था और तब से तटबंध की ऊंचाई बढ़ाने के लिए कुछ भी नहीं किया गया है। प्रशासन को पानी को रिहायशी इलाकों में घुसने से रोकने के लिए नदी के तटबंधों का सरेखण और मरम्मत फिर से शुरू करनी चाहिए जैसा कि 2014 में देखा गया था। एक अन्य निवासी अब्दुल समद ने कहा कि द्रंगबल से फ्रेस्टबल तक नदी के तटबंध को सरेखित करने की सख्त जरूरत है क्योंकि इस खंड में 2014 की बाढ़ में कई दरारें देखी गई थीं। अगर बारिश आज भी जारी रहती, तो बाढ़ आना तय था। सर्वशक्तिमान ने हमें बचाया... हम प्राकृतिक आपदाओं को रोक नहीं सकते, लेकिन हम निवारक उपाय कर सकते हैं।

नाबालिग राष्ट्रीय पहलवान से छेड़छाड़, गाड़ी से खींचा

आगरा, 01 मई (एजेंसियां)। आगरा के ताजगंज थाना क्षेत्र के गांव अकबरपुर बगदा में दंगल देखने आई राष्ट्रीय स्तर की नाबालिग पहलवान के साथ छेड़खानी हुई। इस मामले में हाथरस के नामी पहलवान रामेश्वर और साथियों पर अभद्रता करने के आरोप लगाए गए। मामले में थाना ताजगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

दंगल के दौरान खंदौली के गांव सेमरा में पहलवान हरिकेश और रामेश्वर के बीच कुश्ती के दौरान विवाद हुआ था। हरिकेश ने आरोप लगाया कि जब वह अकबरपुर गांव में पहुंचे तो रामेश्वर और उनके साथियों ने घेर लिया। आर-ोप लगाया कि रामेश्वर ने अपनी गाड़ी से उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। गाड़ी में बैठी नाबालिग राष्ट्रीय स्तर की पहलवान को कार से खींचने का प्रयास किया गया और कपड़े फाड़ दिए गए।

भारत केसरी हरिकेश ने रामेश्वर और उसके साथियों पर फायरिंग का भी आरोप लगाया। नाबालिग पहलवान की तहरीर पर पुलिस ने हाथरस के सहपऊ के रहने वाले पहलवान रामेश्वर और उसके साथियों अरविंद, असनुर खां, सुखवीर व चार अज्ञात के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट, गाली-गलौज और बलवे की धारा में मुकदमा दर्ज किया है। बता दें भारत केसरी हरिकेश और रामेश्वर हाथरस में ही एक ही अखाड़े के पहलवान रहे हैं, अब अपना खुद का अखड़ा चलाते हैं। इस मामले में थाना ताजगंज पुलिस का कहना है कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है, साक्ष्य संकलन कर कार्रवाई की जाएगी।

एलडीए के तीन अफसरों पर मुकदमा दर्ज

किसी की रजिस्ट्री किसी और के नाम कर दी

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। किसी की रजिस्ट्री किसी और के नाम करने पर कार्रवाई करते हुए एलडीए के तीन अफसरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में आठ अन्य पर भी केस दर्ज किया गया है। वजीरगंज थाने में दर्ज रिपोर्ट में जमीन की खरीद-फरोख्त करने वाले, गवाही देने वाले 9 और लोगों के भी नाम हैं।

17 फरवरी 2024 को सॉफ्टवेयर इंजीनियर अजय सिंह ने विभूतिखंड थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप था कि शिवानी सिंह व अन्य आरोपियों ने अजय के प्लॉट पर कब्जा करने का प्रयास किया। विवेचना में शिवानी सिंह के नाम पर की गई रजिस्ट्री फर्जी मिली? उसे जमीन बेचने वाले राजकुमार की भी रजिस्ट्री फर्जी निकली।

संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था उपेंद्र अग्रवाल ने रजिस्ट्रार कार्यालय को पत्र लिखकर जांच कराकर कार्रवाई करने को कहा था। जांच में पांच रजिस्ट्री फर्जी मिलीं तो

केस दर्ज कराया गया। उप निबंधक द्वितीय प्रभाष सिंह ने चार फर्जी रजिस्ट्री को लेकर केस दर्ज कराया है। इसमें एलडीए प्रभारी अधिकारी अनीता श्रीवास्तव, अनुभाग अधिकारी एबी तिवारी, एलडीए के ही आरके मिश्र के अलावा निशातगंज के सिद्धार्थ बाजपेयी, गोमतीनगर के योगेंद्र नारायण, राधा मोहन शर्मा व बाराबंकी के जानकी प्रसाद नामजद आरोपी हैं।

उप निबंधक द्वितीय राजेंद्र पांडेय की ओर से दर्ज कराए गए केस में बाराबंकी के दिगंबर सिंह, शत्रोहन लाल, रामपाल व अन्य अज्ञात आरोपी हैं। दर्ज कराई गई दो एफआईआर में धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार कर इस्तेमाल करने की धारा लगाई गई है।

सुल्तानपुर में 26 लाख की ड्रग्स और 49 लाख की शराब बरामद

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी है कि आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित करने के दौरान 13.13 लाख रुपए नकदी, 49.17 लाख रुपए की शराब, 72.24 लाख रुपए की ड्रग्स और 9.50 लाख रुपए की बहुमूल्य धातुएं आदि बरामद की गई हैं।

लोकसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित करने के दौरान सोमवार को 13.13 लाख रुपए नकदी, 49.17 लाख रुपए की शराब, 72.24 लाख रुपए की ड्रग्स और 9.50 लाख रुपए की बहुमूल्य धातुएं आदि बरामद की गई हैं। इसमें सुल्तानपुर में पकड़ी गई 26 लाख रुपए की ड्रग्स शामिल है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि बीती एक मार्च से अब तक आबकारी, आयकर, पुलिस, नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा कुल 330.41 करोड़ रुपए कीमत की शराब, ड्रग्स, बहुमूल्य धातुएं व नकदी आदि जब्त की जा चुकी हैं। इसके अलावा पुलिस ने आपराधिक छवि वाले लोगों के 535 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किए हैं। अब तक 4692 शस्त्र लाइसेंस निरस्त हो चुके हैं। वहीं 22,10,921 लोगों को शांतिभंग करने की आशंका में पाबंद किया गया है। बिना अनुमति के सभा व भाषण करने, मतदाताओं को लुभाने के लिए नकदी बांटने, वाहनों में बीकन लाइट, फ्लैग के दुरुपयोग एवं अन्य मामलों में 105 एफआईआर और 6 एन-सीआर दर्ज की गई है।

लोकसभा चुनाव के लिए शिवसेना उम्मीदवारों की सूची जारी

मुंबई, 01 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने लोकसभा चुनाव के लिए दो सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने कल्याण और ठाणे लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। जिसके मुताबिक पार्टी ने कल्याण सीट से श्रीकांत शिंदे और ठाणे सीट से नरेश गणपत म्हस्के को टिकट दिया है। श्रीकांत शिंदे, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पुत्र हैं।

कल्याण लोकसभा सीट पर श्रीकांत शिंदे का नाम पहले से ही तय था और सिर्फ औपचारिक एलान होना बाकी था। बीते महीने ही राज्य के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कल्याण लोकसभा सीट से श्रीकांत शिंदे के चुनाव लड़ने की बात कही थी। कल्याण सीट पर श्रीकांत शिंदे का मुकाबला शिवसेना यूबीटी की उम्मीदवार वैशाली दारेकर राणे से होगा। वैशाली साल 2009 का लोकसभा चुनाव कल्याण से ही महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की तरफ से लड़ चुकी हैं। इस बार वे

शिवसेना यूबीटी के टिकट पर चुनाव मैदान में हैं।

ठाणे सीट पर उम्मीदवार के एलान को लेकर भाजपा और शिवसेना में मतभेद थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ठाणे सीट से भाजपा संजीव नाईक को चुनाव मैदान में उतारना चाहती थी। वहीं सीएम शिंदे अपने गृहनगर को छोड़ने के लिए राजी नहीं थे। हालांकि काफी विचार विमर्श के बाद भाजपा ठाणे सीट को शिवेसना को देने पर राजी हो गई, लेकिन भाजपा ने शर्त रखी कि ठाणे में उम्मीदवार का ऐलान भाजपा के साथ चर्चा के बाद ही होगा। ठाणे सीट से शिवसेना यूबीटी के राजन विचारे चुनाव मैदान में हैं। 2019 के चुनाव में राजन विचारे ने ही यहां से जीत दर्ज की थी। नासिक सीट पर अभी भी मतभेद हैं और अभी तक नासिक में उम्मीदवार का ऐलान नहीं हो सका है।

शिवसेना इससे पहले आठ लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है। जिनमें दक्षिण मध्य मुंबई से राहुल शेवाले, कोल्हापुर से संजय मंडलीक, शिर्डी से सदाशिव लोखंडे, बुलढाणा से प्रतापराव जाधव, हिंगोली से हेमंत पाटील, रामटेक से राजू पारवे, मावल से श्रीरंग बारणे और हातकणंगले से धैर्यशिल माने को टिकट दिया गया है। महाराष्ट्र में शिवसेना, भाजपा और एनसीपी महायुति गठबंधन बनाकर चुनाव लड़ रही हैं। महायुति में सीटों का बंटवारा हो चुका है, लेकिन अभी आधिकारिक एलान होना बाकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गठबंधन के तहत भाजपा राज्य की 28 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। वहीं 14 सीटों पर एकनाथ शिंदे की शिवसेना और पांच सीटों पर अजित पवार की एनसीपी चुनाव लड़ सकती है। राष्ट्रीय समाज पक्ष पार्टी को भी एक सीट दी गई है।

रामलला के दर पर पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

▪हनुमानगढ़ी में भी किया दर्शन-पूजन, सरयू मैया का किया दुग्धाभिषेक

▪राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने किया स्वागत

अयोध्या, 01 मई (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को अयोध्या में रामलला का दर्शन किया। राष्ट्रपति ने सरयू आरती की।

इससे पहले उन्होंने सरयू मैया का दुग्धाभिषेक कर पूजन किया। यहां उन्होंने 2100 बत्ती से आरती की। राष्ट्रपति बुधवार शाम करीब चार बजे महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर पहुंचीं। यहां उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री/अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने महामहिम राष्ट्रपति का

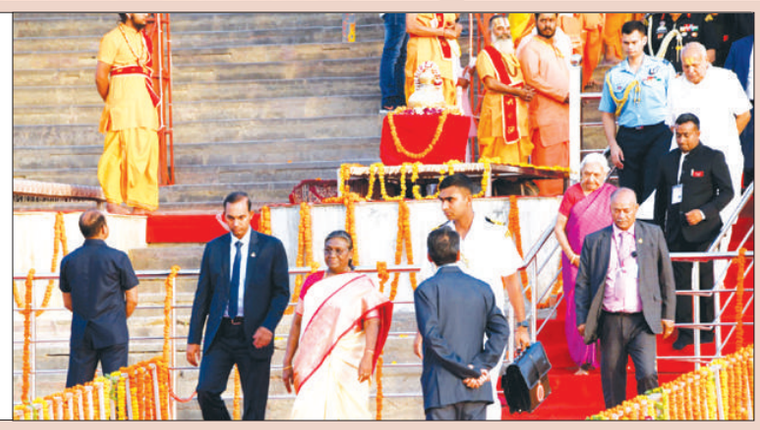

फूल माला से भव्य स्वागत किया।

एयरपोर्ट से राष्ट्रपति सीधे हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचीं। वहां गद्दीनशीन महंत प्रेमदास व पुजारी हेमंत दास के सहयोग से उन्होंने संकटमोचन हनुमान के श्रीचरणों में अपनी हाजिरी लगाई। हनुमान जी महाराज का दर्शन पूजन कर आरती की और मंदिर की परिक्रमा की। हनुमानगढ़ी दर्शन पूजन के बाद राष्ट्रपति ने सरयू तट स्थित साकेत होटल में विश्राम कर अल्प-आहार किया। वहां से राष्ट्रपति सरयू आरती करने पहुंचीं। राष्ट्रपति ने करीब आधे घंटे तक सरयू का दर्शन पूजन और आरती की। इस दौरान उन्होंने सरयू आरती के समिति के अध्यक्ष महंत शशिकांत दास से सरयू की महिमा के बारे में जानकारी प्राप्त की।

राष्ट्रपति ने भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप विग्रह का विधि-विधान से दर्शन पूजन कर राम लला की आरती उतारी। श्रीराम का दीदार कर वे भावविभोर हो गईं। उनके स्वागत में मंदिर परिसर सहित पूरे गर्भगृह को भव्य रूप से फूलों से सजाया गया था। रामलला का दर्शन पूजन करने के बाद कुबेर टीला पहुंची, जहां उन्होंने कुबेश्वर महादेव का दर्शन-पूजन किया।

मीडिया से मुखातिब हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

कांग्रेस की नीतियों के कारण पनपा नक्सलवाद और आतंकवाद

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से मुखातिब हुए। महाराष्ट्र दौरे पर जाने से पहले वे कांग्रेस पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल है। दुर्भाग्य से आजादी के बाद यह दिशाहीन और आज नेतृत्व विहीन भी हो गया। दिशाहीनता का ही दुष्परिणाम है कि कांग्रेस के तमाम नेताओं ने लगातार भारत की सभ्यता, संस्कृति को कोसने, अपमानित करने और सनातनता को हर प्रकार से बदनाम करने के कुत्सित प्रयास किए हैं। यूपीए सरकार के समय यही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति देखने को मिली थी, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री ने भगवा आतंकवाद के नाम पर भारत की सनातन संस्कृति को अपमानित व दुनिया के सामने बदनाम करने की कुत्सित चेष्टा की थी। हर व्यक्ति जानता है कि कांग्रेस की नीतियां देश के अंदर नक्सलवाद और आतंकवाद का कारण बनीं।

सीएम ने कहा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या का समाधान हुआ है। जम्मू कश्मीर के उग्रवाद-आतंकवाद, पूर्वोत्तर की अराजकता पर भी अंकुश लग गया है। यूपीए सरकार के समय लगभग 17 राज्यों के 115-120 जनपद ऐसे थे, जो नक्सली हिंसा की चपेट में थे। उस सरकार में

आतंकवाद, नक्सलवाद, उग्रवाद से लड़ने की इच्छाशक्ति नहीं थी, यही कारण था कि देश में अराजकता और अव्यवस्था थी पर अब नक्सलवाद को नियंत्रित कर लिया गया है। देश के एकाध राज्यों के दो-तीन जनपदों तक यह सीमित हो गया है। बहुत शीघ्र यहां से भी नक्सलवाद का अंत होगा।

सीएम योगी ने कहा कि पिछले दस वर्ष में देश के अंदर सुरक्षा का बेहतर माहौल बना है। आतंकवाद की जड़ जम्मू-कश्मीर में धारा-370 को पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पूरी तरह समाप्त करते हुए जम्मू-कश्मीर को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा गया। पूर्वोत्तर के राज्यों के उग्रवाद व अराजकता को नियंत्रित करते हुए उन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने में सफलता प्राप्त हुई। कांग्रेस सरकार भारत की सनातन सभ्यता व संस्कृति को अपमानित व बदनाम करती थी, लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में यह दुनिया में सम्मान प्राप्त कर रही है। भारत का गौरव अब पुनर्स्थापित हुआ है।

सीएम ने कहा कि विश्वास है कि कांग्रेस सनातनियों को बदनाम करने, उनके हिस्से पर सेंधमारी करने, जाति-खेमों में बांटने का कुत्सित प्रयास कर देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही थी। जनता उस कांग्रेस को पूरी तरह दरकिनार करते हुए मोदी जी के नेतृत्व में फिर एक बार मोदी सरकार के संकल्प के साथ जुड़ रही है। 4 जून को जब 2024-लोकसभा चुनाव के परिणाम आएंगे तो प्रचंड बहुमत के साथ मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उनका तीसरा कार्यकाल भारत की समृद्धि, सुरक्षा, आत्मनिर्भर व विकसित भारत बनाने की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। हर भारतवासी के लिए यह गौरव का क्षण होगा।

छात्रवृत्ति घोटाला

ओपी गुप्ता इंस्टीट्यूट के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)।

छात्रवृत्ति घोटाले में फर्रुखाबाद के ओपी गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के संचालक शिवम गुप्ता के खिलाफ ईडी ने आरोप पत्र दाखिल कर दिया है।

ईडी ने लखनऊ स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में सोमवार को आरोप पत्र प्रस्तुत किया। इस पर अदालत जल्द संज्ञान ले सकता है।

शिवम को ईडी ने दुबई भागने की कोशिश करने के दौरान अमौसी एयरपोर्ट से बीते एक मार्च को गिरफ्तार किया था। सूत्रों के मुताबिक ईडी ने आरोप पत्र में कहा है कि ओपी गुप्ता इंस्टीट्यूट के एमडी और चेयरमैन शिवम गुप्ता ने लखनऊ के हाईजिया ग्रुप के संचालकों की मदद से वर्ष 2014 से 2022 के बीच फर्जी विद्यार्थियों का दाखिला दिखाकर 7.70 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति हड़पी थी। जांच में सहयोग नहीं करने पर उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया गया था।

छात्रवृत्ति की रकम से शिवम गुप्ता ने कई निजी सम्पत्तियों को खरीदा और कॉलेज के भवनों का निर्माण कराया। इसके बाद उसकी करीब सात करोड़ रुपए की सम्पत्तियों को जब्त किया जा चुका है। इसमें कॉलेज के भवन भी शामिल हैं। शिवम गुप्ता वर्तमान में लखनऊ जेल में बंद है।

उधर, रीयल एस्टेट कारोबारी महेश तुलसियानी ईडी के सम्मन के बावजूद मंगलवार को भी पेश नहीं हुआ। ईडी ने पांच शहरों में तुलसियानी ग्रुप के 10 ठिकानों पर बीती 24 अप्रैल को छापेमारी की थी।

वहीं, हाईकोर्ट के आदेश पर तुलसियानी ग्रुप के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसके बाद ईडी ने मुख्य आरोपियों में शामिल महेश तुलसियानी को सोमवार को पूछताछ के लिए तलब किया था लेकिन वह पेश नहीं हुआ। मंगलवार को भी वह ईडी के सामने पेश नहीं हुआ और न ही कोई वजह बताई गई है। अब उसके खिलाफ फिर से सम्मन जारी किया जाएगा।

गोसंरक्षण केंद्रों की स्थापना पर खर्च होंगे 140 करोड़

छुट्टा पशुओं के लिए दिया जाएगा एक हजार करोड़

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में गोवंश संरक्षण, चिकित्सा और सेवा को लेकर विभाग ने विस्तृत प्लान बनाकर काम शुरू किया है। पशुपालन विभाग की ओर से 140 करोड़ से गोसंरक्षण केंद्रों की स्थापना की जाएगी। वहीं छुट्टा गोवंश के रखरखाव के लिए भी एक हजार करोड़ रुपए का अनुदान दिया जाएगा।

पशु चिकित्सा शिक्षा पर 179.74 करोड़ खर्च करने की योजना है। इसके अंतर्गत गोरखपुर व भदोही में पशु चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना पर 100 करोड़ खर्च होंगे। इसके अलावा विभाग पशु चिकित्सालय, पॉलीक्लीनिक व सेवा केंद्र पर 470 करोड़ रुपए खर्च करेगा। इसमें पशु चिकित्सालयों की स्थापना, पशु चिकित्सा पॉलीक्लीनिक की स्थापना, पशु सेवा केंद्रों की स्थापना, पशु चिकित्सालयों, सेवा केंद्रों, अनुसंधान व निदान सेवाएं शामिल हैं। विभाग सचल पशु चिकित्सा सेवा पर 36.52 करोड़, राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य तथा रोग नियंत्रण कार्यक्रम पर 186 करोड़ और वैक्सीनेशन पर 22.50 करोड़ खर्च करेगा। विभाग कृत्रिम गर्भाधान व बांझपन निवारण के तहत कृत्रिम गर्भाधान, वीर्य उत्पादन व बांझपन निवारण को लेकर भी काम करेगा। इसके साथ ही पशुओं के बीमा पर 77.03 करोड़, कुक्कुट, बकरी व भेड़ संबंधी योजनाओं पर 58 करोड़ और प्रक्षेत्रों के सुदृढ़ीकरण पर 71 करोड़ खर्च किए जाएंगे।

मुलायम की विरासत पर कब्जे की जोर-आजमाइश

मैनपुरी, 01 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के लिए मैनपुरी जितनी वीआईपी सीट है, यहां के मतदाताओं के लिए यह उतनी ही साधारण। नेताजी मुलायम सिंह यादव की यादें यहां के जनमानस में जिस तरह से रची-बसी हैं, उससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं कि हवा का रुख किधर रहेगा। सपा की प्रत्याशी डिंपल यादव को जहां भाजपा प्रत्याशी जयवीर सिंह चुनौती दे रहे हैं, वहीं बसपा प्रत्याशी शिव प्रसाद यादव भी सेंधमारी के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाए हैं। इस पक्ष के मतदाता हों या उस पक्ष के, थोड़ी देर की बातचीत में ही बता देते हैं कि परिणाम क्या आने

वाला है।

1996 से मैनपुरी सीट पर सपा का कब्जा है। सपा के संस्थापक स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव खुद यहां से पांच बार जीतकर संसद पहुंचे थे। वर्ष 2022 में उनके निधन के बाद हुए उपचुनाव में उनकी बहू डिंपल यादव 2.88 लाख से अधिक मतों से जीतीं। आखिर लगातार 28 साल से यह जादू कैसे चल रहा है? इस सवाल पर भोगांव बस स्टैंड पर मिले एक एडेड इंटर कॉलेज के प्रवक्ता राम खिलाड़ी कहते हैं, इसकी वजहें तो यहां के नजारे खुद बता देते हैं। एक्सप्रेसवे से कनेक्टिवटी है। मैनपुरी-शिकोहाबाद रोड हो या इटावा-कुरावली मार्ग, फर्राटे भरते वाहन विकास की गाथा सुनाते हैं। राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, सैनिक स्कूल, गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, आईटीआई और पॉलीटेक्निक युवाओं के बेहतर कॅरिअर के गवाह हैं। न सिर्फ मैनपुरी, बेवर और भोगांव बस स्टैंड, बल्कि गांव-गांव तक 5.5 मीटर चौड़ी सड़कें खुद-ब-खुद विकास के किस्से सुना रही हैं।

ऐसा नहीं है कि मैनपुरी में समाजवादी खेमे का विरोध नहीं है। नगला चुन्नी ग्राम के रघुवीर और कुंदन लोधी कहते हैं कि सपा सरकार आते ही यहां यादवों का आतंक बहुत बढ़ जाता है। इस लिहाज से फिलहाल अमन-चैन है।

ब्रह्मानंद मिश्रा और श्याम सिंह पाल भी उनकी हां में हां मिलाते हुए कहते हैं कि इस बार भाजपा प्रत्याशी जयवीर सिंह भारी पड़ सकते हैं। बुजुर्ग उजागर सिंह अहीर उनसे इत्तफाक नहीं रखते। वह कहते हैं, उपचुनाव में डिंपल यादव भोगांव विधानसभा क्षेत्र से भी 25 हजार वोटों से जीती थीं, जबकि यहां से विधायक भाजपा के हैं। सबकी बात काटते हुए मेहरबान सिंह राजपूत बोल पड़ते हैं कि हम तो फूल के साथ हैं। सपा सरकार के समय का तमंचे का डर अभी भूले नहीं हैं।

जातीय रैलियों पर रोक लगाने का मामला

हाईकोर्ट में आई ही नहीं राजनीतिक पार्टियां

अब अगली सुनवाई 22 मई को होगी

लखनऊ, 01 मई (एजेंसियां)।

जातीय रैलियों पर पूरी तरह रोक लगाने की नायाब पहल उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से हुई है। जाति के नाम पर सभाएं और रैलियां करने के चलन पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ सुनवाई कर रही है। विडंबना यह है कि हाईकोर्ट ने सभी प्रमुख दलों को नोटिस भेज कर उनके विचार मांगे, लेकिन किसी भी राजनीतिक दल ने हाईकोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं किया। स्पष्ट है कि राजनीतिक दलों के प्रश्रय से ही देश में जातिवाद का रोग पसर रहा है। जातीय रैलियों पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में मंगलवार में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि नोटिस के बावजूद भाजपा, कांग्रेस, सपा और बसपा की ओर से न तो कोई उपस्थित हुआ और न ही इन राजनीतिक दलों की ओर से किसी अधिवक्ता ने वकालतनामा दाखिल किया। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 मई की तिथि तय कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की खंडपीठ ने स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याचिकाकर्ता का कहना था कि उत्तर प्रदेश में जातियों पर आधारित राजनीतिक रैलियों की बाढ़ आ गयी है। सियासी दल ब्राह्मण रैली, क्षत्रिय रैली, वैश्य सम्मेलन आदि नाम देकर अंधाधुंध रैलियां कर रहे हैं, जिन पर रोक लगाई जानी चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में चार राजनीतिक दलों को रजिस्टर्ड डाक से जारी नोटिसें वापस नहीं आईं हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने जाति आधारित रैलियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाली जनहित याचिका पर उत्तर प्रदेश के चार प्रमुख राजनीतिक दलों को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा था। लेकिन राजनीतिक दलों की ओर से कोई जवाब नहीं आया। इस पर चिंता व्यक्त करते हुए पीठ ने राजनीतिक दलों को अपना जवाब दाखिल करने में सक्षम बनाने के लिए नए नोटिस जारी किए हैं। पीठ ने कहा था, जाति-आधारित रैलियां आयोजित करने की अप्रतिबंधित स्वतंत्रता, जो पूरी तरह से नापसंद है और आधुनिक पीढ़ी की समझ से परे है और सार्वजनिक हित के विपरीत भी है, को उचित नहीं ठहराया जा सकता है। बल्कि यह कानून के शासन को नकारने और नागरिकों को मौलिक अधिकारों से वंचित करने का कार्य होगा पीठ ने यह भी कहा था कि राजनीतिकरण के माध्यम से जाति व्यवस्था में राजनीतिक आधार तलाशने के अपने प्रयास में, ऐसा प्रतीत होता है कि राजनीतिक दलों ने सामाजिक ताने-बाने और एकजुटता को गंभीर रूप से पेशान किया है. इसके परिणामस्वरूप सामाजिक विभाजन पैदा हुआ है।

गर्मी में खूब खाएं खीरा-ककड़ी, जानें इसके 10 लाभ

कहते हैं रत्नों में हीरा और सब्जियों में खीरा। जी हां, शरीर को हाइड्रट रखने के साथ ही त्वचा की खूबसूरती तक कई अनमोल गुणों का खजाना है खीरा। और क्या-क्या खूबियां हैं इसमें, जानने के लिए पढ़ें इसके 10 बेहतरीन लाभ -

1. इसकी सबसे बड़ी खासियत है, कि इसमें यह 80 प्रतिशत पानी होता है। खीरा प्यास बुझाता है और शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है। खीरा खाने के बाद शरीर को पर्याप्त मात्रा में पानी मिल जाता है।

2 यह शरीर के आंतरिक अंगों और त्वचा की गहराई से सफाई करता है। इसके अलावा धूप से झुलसी हुई त्वचा को न केवल राहत देता है बल्कि त्वचा की जलन और टेनिंग भी कम करता है।

3. खीरा का बेहतरीन गुण है आंखों को शीतलता प्रदान करना। फ्रीज में रखी इसके रस की क्यूब्स को आंखों पर रखने से आंखों की थकान मिटती है। इसके स्लाइस को आंखों की पलक के ऊपर पर रखने से आंखों को ठंडक मिलती है और काले धब्बों से भी छुटकारा मिलता है।

4 खीरा खाने से दिल की जलन कम होती है। यह शरीर के जहरीले तत्वों को बाहर निकलने में मदद करता है। इसके अलावा यह आंतों की भी बखूबी सफाई करता है।

5. हमें प्रतिदिन कुछ विटामिन्स लेना बेहद जरूरी होता है। जैसे विटामिन ए, बी और सी हमें नियमित लेना चाहिए। खीरा अकेला हमें प्रतिदिन के विटामिन्स देता है। खीरे के छिलके में विटामिन सी होता है।

6. साफ-सुथरी, चिकनी और चमकदार त्वचा चाहिए तो आप खीरे से अवश्य दोस्ती कीजिए। खीरा में पौटेशियम, मैगनीशियम और सिलीकॉन अत्यधिक मात्रा में होता है। यह खनिज त्वचा के लिए बहुत जरूरी हैं।

7. खीर वजन भी कम करता है। जो लोग अपना वजन घटाना चाहते हैं वे सूप और सलाद में खीरा का सेवन करें। क्योंकि खीरा में जल की मात्रा ज्यादा होती है जबकि कैलोरी नहीं। इसलिए यह जल्दी पेट को तृप्त करती है।

8. खीरा में फाइबर होते हैं जो खाना पचाने में मददगार होते हैं। अगर आप कब्ज से परेशान हैं तो रोजाना खीरा खाएं। यह कब्ज के लिए कारगर दवाई है।

9. खीरा का यह गुण आपको चौंका देगा। जी हां, कैंसर से लड़ता है। खीरा खाने से कैंसर होने की आशंका कम होती है। खीरे में इकोइसोलएरीक्रिस्रोल, लैरीक्रिस्रोल और पाइनोरिस्रोल तत्व होते हैं। यह तत्व सभी तरह के कैंसर के रोकथाम में सक्षम हैं।

10. खीरे में मौजूद तत्व सीलिशिया बालों और नाखूनों में चमक लाता है और इन्हें मजबूत करता है। सल्फर और सीलिशिया के कारण बाल तेजी से बढ़ते हैं। इसके रस को बालों में लगाना फायदेमंद होता है।

सौंदर्य

मेहंदी ने बदला अपना रंग अब हुई वाइट

सदियों से ट्रेंड रहा है मेहंदी लगाने का। तीज हो या करवा चौथ, हर अकेजन पर महिलाएं मेहंदी को उसके नैचरल कलर के साथ लगाती आई हैं। ...और अब तो बिना किसी स्पेशल-डे के मेंहदी लगाने का ट्रेंड है। इसे शुभ भी माना जाता रहा है। लेकिन अब मेंहदी तीज-त्योहार से निकलकर फैशन हिस्सा बन गई है और इसमें वरायटी भी आ गई है। मेंहदी अपने ट्रेडिशनल कलर से हटकर वाइट कलर में भी उपलब्ध है। वाइट मेहंदी के पॉप्युलर होने की खास वजह यह है कि इसे केवल हाथों पर ही नहीं, बल्कि बॉडी के कई पार्ट पर लगाने का ट्रेंड है। जानते हैं इस मेहंदी के बारे में...

अरेबिक, पंजाबी और वेस्टर्न-इसे आप कई डिजाइंस में लगा सकती हैं। अरेबिक, सिंपल, पंजाबी और वेस्टर्न वगैरह। खास बात ये कि हर डिजाइंस में यह आसानी से लग जाती है। कई महिलाएं तो इसे कपड़ों की डिजाइन से मैच करते हुए भी लगाती हैं। अरेबिक से लेकर राजस्थानी डिज़ाइन्स में वाइट मेहंदी ने जगह बना ली है।

हाथ ही नहीं बैक, नेक और आर्म्स पर भी-इसे कपड़ों की डिजाइन से मैच करते हुए भी नेक या बैक पर भी लगा सकती हैं। यह दिखने में सोबर लगती है और हर ड्रेस के साथ अट्रैक्टिव नजर आती है।

क्रीम ऐसी लें, जो चेहरे को चिपचिपा न दिखाए

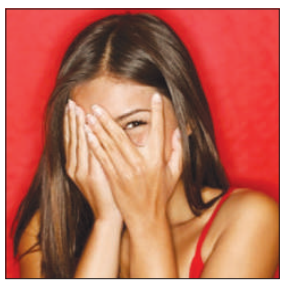

गर्मियों में सनस्क्रीन सूर्य की किरणों से बचने के लिए लगाना जरूरी होता है, लेकिन इसे खरीदते समय स्किन टोन का ध्यान रखना जरूरी है। इसके अलावा और किन चीजों का ध्यान रखना जरूरी है जानिए, यहां...

» अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो जेल या स्प्रे में उपलब्ध सनस्क्रीन खरीदकर लगाएं, इससे आपकी त्वचा ज्यादा ऑयली नहीं दिखेगी और अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो लोशन या क्रीम के रूप में उपलब्ध सनस्क्रीन लगाएं। इससे आपकी त्वचा को सूर्य की हानिकारक किरणों से सुरक्षा मिलेगी।

» ऐसा सनस्क्रीन लगाएं जो आपको नेचुरल लुक दे और साथ ही आपके चेहरे को चिपचिपा और पसीने से तर दिखने से रोके।

» यूवीए और यूवीबी से सुरक्षा प्रदान करने वाले सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें, क्योंकि यूवीए किरणों के कारण झुर्रियां पड़ जाती है और चेहरा का रंग काला पड़ने लगता है। वहीं, यूवीबी किरणों से टैनिंग होने के साथ ही त्वचा संबंधी कैंसर होने की संभावना भी रहती है। इसलिए दोनों हानिकारक किरणों से सुरक्षा प्रदान करने वाले सनस्क्रीन को खरीद कर लगाएं।

» यूवीबी से सुरक्षा के लिए 'एसपीएफ' युक्त और यूवीए से सुरक्षा के लिए 'पीए' युक्त सनस्क्रीन खरीदें।

वास्तुशास्त्र के अनुसार हो आपका घर

एक आदर्श हिन्दू घर या भारतीय घर कैसा होना चाहिए? यह जानना जरूरी है। आजकल आबादी के बढ़ते या पश्चिम के अनुसरण के चलते लोगों ने फ्लैट में रहना शुरू कर दिया है। दूसरी ओर कोई भी वास्तुशास्त्र का पालन नहीं करता है।

इसके अलावा आजकल कई ऐसे वास्तुशास्त्री हैं तो घर की दिशा या दशा को बदले बिना घर को वास्तुदोष से मुक्त करने का दावा भी करते हैं। इसके लिए वे घर की वस्तुओं को इधर से उधर कर या किसी प्रकार का हवन करवाकर वास्तुदोष दूर करने का दावा करते हैं, लेकिन क्या यह सही है?

यथार्थवादी दृष्टिकोण यह है कि घर में यदि आपको अच्छी सुकून की नींद, अच्छा सेहतमंद भोजन और भरपूर प्यार-अपनत्व नहीं मिल रहा है तो घर में वास्तुदोष है। घर है तो परिवार और संसार है। घर नहीं है तो भीड़ के बीच सड़क पर हैं। खुद का घर होना जरूरी है। जीवन का पहला लक्ष्य मजबूत और वास्तुदोष से मुक्त घर होना चाहिए। यदि यह है तो बाकी समस्याएं गौण हो जाती हैं। एक आदर्श हिन्दू घर कैसा हो इस बार में 10 खास बातें...

पहला नियम...

घर की दिशा : घर का मुख्य द्वार सिर्फ पूर्व या उत्तर में होना चाहिए। हालांकि वास्तुशास्त्री मानते हैं कि घर का मुख्य द्वार चार में से किसी एक दिशा में हो। वे चार दिशाएं हैं- ईशान, उत्तर, वायव्य और पश्चिम। लेकिन हम यहां सलाह देंगे सिर्फ दो ही दिशाओं में से किसी एक का चयन करें।

पूर्व या उत्तर का द्वार : पूर्व इसलिए कि पूर्व से सूर्य निकलता है और पश्चिम में अस्त होता है। उत्तर इसलिए कि उत्तरी ध्रुव से आने वाली हवाएं अच्छी होती हैं और दक्षिणी ध्रुव से आने वाली हवाएं नहीं। घर को बनाने से पहले हवा, प्रकाश और ध्वनि के आने के रास्तों पर ध्यान देना जरूरी है।

भूमि का ढाल : सूरज हमारी ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है अत: हमारे वास्तु का निर्माण सूरज की परिक्रमा को ध्यान में रखकर होगा तो अत्यंत उपयुक्त रहेगा। सूर्य के बाद चंद्र का असर इस धरती पर होता है तो सूर्य और चंद्र की परिक्रमा के अनुसार ही धरती का मौसम संचालित होता है। उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव धरती के दो केंद्रबिंदु हैं। उत्तरी ध्रुव जहां बर्फ से पूरी तरह ढंका हुआ एक सागर है, जो आर्कटिक सागर कहलाता है वहीं दक्षिणी ध्रुव ठोस धरती वाला ऐसा क्षेत्र है, जो अंटार्कटिका महाद्वीप के नाम से जाना जाता है। ये ध्रुव वर्ष-प्रतिवर्ष घूमते रहते हैं। दक्षिणी ध्रुव उत्तरी ध्रुव से कहीं ज्यादा ठंडा है। यहां मानवों की बस्ती नहीं है। इन ध्रुवों के कारण ही धरती का वातावरण संचालित होता है। उत्तर से दक्षिण की ओर ऊर्जा का खिंचाव होता है। शाम ढलते ही पक्षी उत्तर से दक्षिण की ओर जाते हुए दिखाई देते हैं। अत: पूर्व, उत्तर एवं ईशान की और जमीन का ढाल होना चाहिए।

दूसरा नियम...

प्रत्येक दिशा नियम से बंधी है अत: प्रत्येक दिशा में क्या होना चाहिए, यह जानना जरूरी है।

उत्तर दिशा : इस दिशा में घर के सबसे ज्यादा खिड़की और दरवाजे होना चाहिए। घर की बालकनी व वॉश बेसिन भी इसी दिशा में होना चाहिए। यदि घर का द्वार इस दिशा में है और अति उत्तम।

दक्षिण दिशा : दक्षिण दिशा में किसी भी प्रकार का खुलापन, शौचालय आदि नहीं होना चाहिए। घर में इस स्थान पर भारी सामान रखें। यदि इस दिशा में द्वार या खिड़की है तो घर में नकारात्मक ऊर्जा रहेगी और ऑक्सीजन का लेवल भी कम हो जाएग। इससे गृह कलह बढ़ेगी।

पूर्व दिशा : पूर्व दिशा सूर्योदय की दिशा है। इस दिशा से सकारात्मक व ऊर्जावान किरणें हमारे घर में प्रवेश करती हैं। यदि घर का द्वार इस दिशा में है तो मात्र उत्तम। खिड़की रख सकते हैं।

पश्चिम दिशा : आपका रसोईघर या टॉयलेट इस दिशा में होना चाहिए। रसोईघर और टॉयलेट पास- पास न हो, इसका भी ध्यान रखें।

उत्तर-पूर्व दिशा : इसे ईशान दिशा भी कहते हैं। यह दिशा जल का स्थान है। इस दिशा में बोरिंग, स्वीमिंग पूल, पूजास्थल आदि होना चाहिए। यदि इस दिशा में घर का द्वार है तो सोने पर सुहागा।

उत्तर-पश्चिम दिशा : इसे वायव्य दिशा भी कहते हैं। इस दिशा में आपका बेडरूम, गैरेज, गौशाला आदि होना चाहिए।

दक्षिण-पूर्व दिशा : इसे घर का आग्नेय कोण कहते हैं। यह अग्नि तत्व की दिशा है। इस दिशा में गैस, बॉयलर, ट्रांसफॉर्मर आदि होना चाहिए।

दक्षिण-पश्चिम दिशा : इस दिशा को नैऋत्य दिशा कहते हैं। इस दिशा में खुलापन अर्थात खिड़की, दरवाजे बिलकुल ही नहीं होना चाहिए। घर के मुखिया का कमरा यहां बना सकते हैं। कैश काउंटर, मशीनें आदि आप इस दिशा में रख सकते हैं।

तीसरा नियम...

घर का आंगन : घर में आंगन नहीं है तो घर अधूरा है। घर के आगे और घर के पीछे छोटा ही सही, पर आंगन होना चाहिए। प्राचीन हिन्दू घरों में तो बड़े-बड़े आंगन बनते थे। शहरीकरण के चलते आंगन अब नहीं रहे। आंगन नहीं है तो समझो आपके बच्चे का बचपन भी नहीं है।

आंगन में तुलसी, अनार, जामफल, कड़ी पत्ते का पौधा, नीम, आंवला आदि के अलावा सकारात्मक ऊर्जा पैदा करने वाले फूलदार पौधे लगाएं। तुलसी हवा को शुद्ध कर कैंसर जैसे रोगों को मिटाती है। अनार खून बढ़ाने और वातावरण को सकारात्मक करने का कार्य करता है। कड़ी पत्ता खाते रहने से जहां आंखों की रोशनी कायम रहती है वहीं बाल काले और घने बने रहते हैं, दूसरी ओर आंवला शरीर को वक्त के पहले बूढ़ा नहीं होने देता। यदि नीम लगा है तो जीवन में किसी भी प्रकार का रोग और शोक नहीं होगा।

घर-परिवार

इन 5 बातों से परिवार में प्यार बढ़ जाएगा

हम सभी बहुत बिज़ी हो गए हैं। किसी और के लिए छोड़िए हम खुद अपने लिए भी वक्त नहीं निकाल पाते हैं। ऐसे में एक तरफ जहां नकारात्मकता बढ़ती है वहीं रिश्तों के बीच दूरियां भी बढ़ते लगती हैं। किसी भी तरह के दवाब के कारण घर-परिवार में अशांति न फैले इसके लिए जरूरी है कि परिवार के सभी लोग अपने लिए कुछ नियम बना लें। जैसे...

जिम्मेदारी लें

आप परिवार में छोटे हों या बड़े इस बात का खास खयाल रखें कि परिवार में सभी लोग महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए उसकी खुशहाली की जिम्मेदारी भी सभी की बनती है। आप अपने हिस्से की जिम्मेदारी किसी और पर न डालें। यह न सोचें कि आप नहीं करेंगे तो कोई और यह काम कर लेगा।

फीलिंग्स को समझे

जिस परिवार में सभी लोगों की भावनाओं का आदर होता है, वहां हमेशा प्यारभरा माहौल रहता है। घर के बच्चे की बातों को भी उतनी ही अहमियत देते हुए सुना जाना चाहिए, जितनी हम बड़ों की बातों को देते हैं। साथ ही परिवार के बड़ों के सम्मान का पूरा ध्यान रखना चाहिए।

रिस्पेक्ट करें

सिर्फ परिवार के बड़ों का ही नहीं बच्चों का भी रिस्पेक्ट करें। साथ ही सबसे जरूरी है कि आप अपनी पार्टनर का सम्मान करें। सम्मान प्यार और नजदीकियां बढ़ाने की पहली सीढ़ी है।

परिवार के वक्त में कोई खलल नहीं

एक बार काम निपटा लें, उसके बाद कुछ समय परिवार के साथ जरूर बिताएं। इस दौरान फोन कॉल्स और टीवी सीरियल्स को गुड बाय कर दें। परिवार के साथ वक्त बिताने से रिश्तें में मजबूती आती है। फिर परिवार ही तो हमारा सबसे बड़ा सपोर्टिंग पिलर होता है।

पार्टनर की दिक्कतें समझें

अगर आप दोनों ही वर्किंग हैं, तो इस बात को समझने की कोशिश करें कि आपकी तरह ही आपकी पार्टनर पर भी ऑफिस की जिम्मेदारियां होती हैं। ऐसे में घर-परिवार की जिम्मेदारियां निभाने में उसका साथ दें। ऐसा न करने से न केवल उसका काम हल्का होगा बल्कि आप-दोनों के बीच प्यार और विश्वास भी बढ़ेगा।

मई के महीने में आपको बुला रहे हैं इंडिया के ये बेस्ट हिल स्टेशन

गर्मियों की छुट्टी में आप कहीं घूमने का प्लॉन बना रहे हैं, तो एक बार यह खबर जरूर पढ़ लें। हम आपको भारत के 10 बेस्ट टूरिस्ट डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं।

शिलांग :

नार्थ ईस्ट इंडिया का खूबसूरत शहर शिलांग सिर्फ मेघालय की राजधानी नहीं, शांत और खूबसूरत रिजॉर्ट्स के लिए भी जाना जाता है। यहां की खूबसूरत, शांत और दूर तक फैली उमियाम झील का नजारा किसी स्वर्ग से कम नहीं लगता। नॉर्थ-ईस्ट के लोगों के लोगों के लिए घूमने की पसंदीदा जगहों में से एक है। इसे स्कॉटलैंड ऑफ द ईस्ट के नाम से भी जाना जाता है। स्वच्छ वातावरण, मनोरम नजारे, ठंडा मौसम और यहां के अनेक दर्शनीय स्थल इसकी शोभा बढ़ाते हैं। यहां के झरने काफी खूबसूरत दिखते हैं।

कलिमपोंग :

वेस्ट बंगाल के दार्जिलिंग में बसे कलिमपोंग हिल स्टेशन का मौसम हमेशा खुशनुमा रहता है। यहां आने वाले टूरिस्ट ट्रैकिंग का खूब मजा लेते हैं। यहां के पहाड़ और खूबसूरत रास्ते लोगों को काफी आकर्षित करते हैं। पहाड़ पर बने होटल से कलिमपोंग का सुंदर नजारा आप कैमरे में कैद किए बिना रह नहीं सकते।

मासिनगुड़ी :

ऊटी से 30 किमी दूर मासिनगुड़ी काफी हरा-भरा इलाका है। यहां घूमने की बेहतरीन जगहों में शामिल मासिनगुडी शांति और सुकून के साथ ही अपनी वनस्पतियों के लिए खासा जाना जाता है। अगर आप ऊटी घूमने आए हैं तो 2-3 घंटे निकालकर मासिनगुड़ी जाना मत भूलें। यहां के रिजॉर्ट में नाइट सफारी, जंगलों में घूमने-फिरने और ट्रैकिंग का भी मजा लिया जा सकता है।

रानीखेत :

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में बसा रानीखेत एडवेंचर्स पसंदीदा लोगों के लिए बेस्ट जगह है। इस फेमस हिल स्टेशन में छुट्टी बिताने का मजा ही कुछ और है। यहां आने वाले पर्यटक पैराग्लाइडिंग का खूब मजा लेते हैं। बताते हैं कुमाऊं के राजा सुखदेव की पत्नी पद्मावती को रानीखेत की खूबसूरती इतनी पसंद आई कि उन्होंने यहां रहने का निश्चय कर लिया था। तभी से इस जगह का नाम रानीखेत पड़ा।

कुन्नूर :

चाय के बागानों के लिए प्रसिद्ध तमिलनाडू का कुन्नुर हिल स्टेशन काफी खूबसूरत है। यह नीलगिरी की पहाड़ियों पर बसा है और ऊटी से 19 किमी दूर है। यहां का मौसम काफी सुहावना रहता है। यह फेमस हनीमून डेस्टिनेशन भी है।

बासुंती :

हिमाचल प्रदेश के नजदीक स्थित बासुंती इलाका काफी शांति और सुकून वाला है। यह जगह खासतौर पर योगा करने के लिए जानी जाती है। यहां की खुली हवा में योग क्लॉस, फिशिंग और पेंटिंग करते हुए कई लोग मिल जाएंगे। आम, संतरे और पपीते के पेड़ों से घिरा बासुंती का नजारा आपको काफी आकर्षित करता है।

नागिनी :

दिल्ली से 550 किलोमीटरी की दूरी पर स्थित नगिनी में बहुत सारे खूबसूरत नजारे देखने को मिल जाएंगे। लार्जी नदी के किनारे पर लगभग 26 किलोमीटर आगे नगिनी गांव है। यहां कई दुर्लभ जड़ी-बूटियां उपलब्ध हैं। यहां से ट्रैकिंग करते हुए हिमालय राष्ट्रीय उद्यान की ओर जाया जा सकता है।

नामिक रामगंगा वैली :

हिमालय की ऊंची और सुंदर वादियों के बीच छुट्टियां बिताने का प्लान बहुत ही इंटरेस्टिंग और एडवेंचरस है। यहां की नामिक-रामगंगा वैली जो नंदा देवी और त्रिशूल के बहुत सारे गांवों के बीच स्थित है, जो अपनी परंपराओं और कलाओं के लिए खासतौर पर जानी जाती है। यहां के मंदिरों की लोकप्रियता अच्छी-खासी है।

रेसिपी

नींबू-पुदीना का शरबत

नीबू-पुदीना का शरबत आपके दिल और दिमाग, दोनों को ठंडक पहुंचाएगा। इसे वैसे तो आप ताजा बनाकर भी पी सकते हैं लेकिन अगर कंसंट्रेट बनाकर रख लेंगे तो जब मर्जी तब इस्तेमाल कर सकते हैं।

सामग्री

» नीबू : 1/2 किलो
» चीनी : 1 किलो
» पुदीना : 1 गुच्छी या 1 कप पत्तियां
» अदरक : 1 इंच लंबा टुकड़ा
» काला नमक : 1 छोटी चम्मच

विधि

चीनी को किसी बर्तन में डालकर एक-तिहाई पानी डालें। मसलन 1 किलो चीनी में 300 मिली (1 1/2 कप) पानी मिला लें। इस घोल को आग पर पकने के लिए रखें। घोल में चीनी घुलने और उबाल आने के बाद 5-6 मिनट और पका लें। घोल को हाथ की उंगली और अंगूठे के बीच लेकर देखें। अगर थोड़ा चिपकता है तो गैस बंद कर दें। फिर घोल को ठंडा होने के लिए रख दें। सारे नींबू निचोड़ लें। पुदीने की पत्तियों को साफ पानी से 2 बार धो लें। अदरक को भी छील कर धो लें। पुदीना और अदरक को मिक्सर में बारीक पीस लें। पुदीना पीसते समय पानी का इस्तेमाल न करें बल्कि थोड़ा चीनी का घोल ही डालकर पीस लें। चीनी के ठंडे घोल में पुदीना और अदरक का पिसा हुआ पेस्ट मिलाएं। नीबू का रस, काला नमक भी मिलाएं। शरबत को छानें। बस, नीबू पुदीना कंसंट्रेट शरबत तैयार है। इस शरबत को कांच की सूखी साफ बोतल में भर कर फ्रिज में रख लें। जब शरबत पीने का मन हो तो गिलास में एक हिस्सा शरबत डालें और 6 गुना पानी मिलाएं। 2-3 आइस क्यूब डालें। ठंडा-ठंडा नीबू पुदीना शरबत तैयार है।

स्वादिष्ट कूल-कूल ड्रिंक्स

सामग्री

» चीनी: 5 कप (करीब सवा किलो)
» पानी: 2 1/2 कप (600 ग्राम)
» बादाम: 1/2 कप से थोड़े ज्यादा (100 ग्राम)
» सौंफ: 1/2 कप (50 ग्राम)
» काली मिर्च: 2 छोटी चम्मच
» खसखस: 1/2 कप (50 ग्राम)
» खरबूजे के बीज: 1/2 कप (50 ग्राम)
» छोटी इलाइची: 30-35 (छील लें)
» गुलाब जल: 2 टेबल स्पून

विधि

किसी बर्तन में चीनी और पानी मिलाएं और गैस पर उबालने के लिए रख दें। पहला उबाल आने के बाद 5-6 मिनट तक और उबालें। गैस बंद कर ठंडा कर लें। सौंफ, काली मिर्च, बादाम, खरबूजे के बीज, इलाइची के दाने और खसखस को साफ करें और धोकर पानी में अलग-अलग 2 घंटे के लिए भिगो दें। रात भर भी भिगो सकते हैं। बादाम को छील कर छिलका अलग कर दें। एक्स्ट्रा पानी निकालकर सभी चीजों को बारीक पीस लें। पीसने के लिए पानी की जगह चीनी के घोल का इस्तेमाल करें। बारीक पिसे मिक्सर को चीनी के घोल में मिलाएं और छान लें। बचे हुए मोटे मिक्सर में घोल मिला कर फिर से बारीक होने तक पीस कर छान लें। ठंडाई बन चुकी है। इसे एयरटाइट बोतल में भरें और फ्रिज में रख दें। जब भी ठंडाई पीनी हो एक-चौथाई हिस्सा लेकर उसमें दूध और बर्फ मिलाएं। ठंडी-ठंडी ठंडाई पिएं।

संपादकीय

अब आरक्षण पर चुनाव!

अब विकास, भारत सरकार की प्रमुख उपलब्धियां, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत और उसके प्रधानमंत्री की विराट, वैश्विक हैसियत और तीसरे स्थान की आर्थिक महाशक्ति बनने सरीखे मुद्दे तो नेपथ्य में चले गए हैं अथवा प्रसंगवश बन गए हैं, लेकिन आरक्षण एक राष्ट्रीय, केंद्रीय मुद्दा बन गया है। चूंकि आरक्षण सीधा संविधान और दलित, पिछड़ों, आदिवासियों, गरीबों से जुड़ा मुद्दा है, लिहाजा ग्रामीण स्तर पर भी लोग चिंता जताने लगे हैं कि क्या देश का संविधान बदल दिया जाएगा? तो फिर आरक्षण भी समाप्त किया जा सकता है? यह कांग्रेस और सहयोगी दलों की पहली चुनावी सफलता लगती है कि फिलहाल संविधान और आरक्षण राष्ट्रीय मुद्दे बन गए हैं। गली-गली, मुहल्ला-दर-मुहल्ला इनकी ही चर्चा है। लोग इन्हीं मुद्दों को लेकर आशंकित हैं। अभी यह तय नहीं है कि इनसे ध्रुवीकरण होगा, तो कितना होगा? लेकिन भाजपा को कटघरे में है, क्योंकि उसे ही जनता को पूरी तरह आश्वस्त करना है कि संविधान किसी भी स्थिति में बदला नहीं जाएगा और आरक्षण लागू है तथा जारी रहेगा। बल्कि उसका दुरुपयोग बंद कराया जाएगा। दरअसल बहस भाजपा सांसदों-अनंत हेगड़े और लल्लू सिंह-के बयानों से ही शुरू हुई कि 400 पार के नारे और लक्ष्य के मकसद क्या हैं? उसी के आधार पर कांग्रेस ने आरोप चस्पा करने शुरू किए कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा-संघ 400 सीटों का जनादेश इसलिए मांग रहे हैं, ताकि संसद में पर्याप्त बहुमत के जरिए संविधान बदला जा सके और आरक्षण भी समाप्त किया जा सके। राहुल गांधी तो कहते रहे हैं कि भाजपा-संघ की बुनियादी सोच आरक्षण-विरोधी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री और भाजपा के प्रचारक नेताओं के आरोप हैं कि पिछड़ों के आरक्षण की आड़ में कांग्रेस की कर्नाटक सरकार ने मुसलमानों को 'पिछड़ा' घोषित कर उन्हें आरक्षण दिया है। गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस ने बाबा अंबेडकर का हमेशा अपमान किया। कर्नाटक में ओबीसी कोटे से मुसलमानों को जिस तरह 4 फीसदी आरक्षण दिया गया है, वह असंवैधानिक है। हम चुनाव के बाद इस मामले को देखेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे। धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता, यह सर्वोच्च अदालत का भी फैसला है। कांग्रेस की वजह से ही अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी और जामिया मिल्लिया यूनिवर्सिटी में एससी, एसटी, ओबीसी के लिए आरक्षण नहीं है। कांग्रेस और विपक्ष इसका जवाब दें। प्रधानमंत्री मोदी ने कर्नाटक के बेल्लारी में याद दिलाया कि जम्मू-कश्मीर में कभी भी आरक्षण लागू नहीं हो पाया था। भाजपा-एनडीए की सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त किया। उसके बाद ही भाजपा ने वहां आरक्षण लागू किया है। इस राजनीतिक बहस का जनता के मानस पर काफी असर पड़ेगा। इसका फिलहाल यह भी हो सकता है कि जिन राज्यों में भाजपा ने 100 फीसदी सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया था, वहां यह सफलता मिलने के आसार कम होते जा रहे हैं। राजस्थान और उप्र इनके उदाहरण बताए जा रहे हैं। सत्ता-पक्ष की ओर से प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह मात्र दो ही मुख्य प्रचारक हैं, जो जनता को आश्वस्त करने में जुटे हैं कि लोकतंत्र और संविधान को कुछ नहीं होने वाला है। उनके अलावा, आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भी सफाई दी है कि संघ ने हमेशा संविधान सम्मत आरक्षण का समर्थन किया है। जब तक संवैधानिक तौर पर आरक्षण अनिवार्य लगे, तब तक यह जारी रहना चाहिए। राहुल गांधी को संघ प्रमुख के बयान पर भरोसा नहीं है, क्योंकि बिहार में विधानसभा चुनाव के दौरान 2015 में संघ प्रमुख ने कहा था कि आरक्षण की समीक्षा की जानी चाहिए। उस बयान के बाद भाजपा के लिए चुनाव पर पानी फिर गया था। अभी उप्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश आदि राज्यों में मतदान होने हैं। केरल की 20 सीटों पर मतदान हो चुका है। इन राज्यों में मुसलमानों की आबादी काफी है। यदि मुस्लिम आरक्षण एक चुनावी मुद्दा बनता है, तो उससे गैर-मुस्लिम एकजुट हो सकते हैं। भाजपा भी ऐसा करने में जुट सकती है, लिहाजा आरक्षण ही चुनावी मुद्दा बनकर अगले चरणों के मतदान को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर एक वर्ग ऐसा भी है जो चाहता है कि आरक्षण आर्थिक आधार पर दिया जाना चाहिए। इससे सभी जातियों के गरीब लोगों को आरक्षण मिल जाएगा। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि अगर कोई ऐसा करना चाहता है, तो उसे रोक दिया जाता है।

> अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत और उसके प्रधानमंत्री की विराट, वैश्विक हैसियत और तीसरे स्थान की आर्थिक महाशक्ति बनने सरीखे मुद्दे तो नेपथ्य में चले गए हैं अथवा प्रसंगवश बन गए हैं, लेकिन आरक्षण एक राष्ट्रीय, केंद्रीय मुद्दा बन गया है। चूंकि आरक्षण सीधा संविधान और दलित, पिछड़ों, आदिवासियों, गरीबों से जुड़ा मुद्दा है, लिहाजा ग्रामीण स्तर पर भी लोग चिंता जताने लगे हैं कि क्या देश का संविधान बदल दिया जाएगा? तो फिर आरक्षण भी समाप्त किया जा सकता है? यह कांग्रेस और सहयोगी दलों की पहली चुनावी सफलता लगती है कि फिलहाल संविधान और आरक्षण राष्ट्रीय मुद्दे बन गए हैं। गली-गली, मुहल्ला-दर-मुहल्ला इनकी ही चर्चा है। लोग इन्हीं मुद्दों को लेकर आशंकित हैं।

हिंदुओं के ध्रुवीकरण की रणनीति के चलते फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि मतदाता ने अपना रुख बदल दिया

कम मतदान ने भाजपा की परेशानी बढ़ाई

प्रमोद भार्गव

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो ओबीसी के कोटे में कांग्रेस द्वारा कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण देने का मुद्दा उछालकर हिंदु वोटों को धुरवीकृत करने का काम भी किया, बावजूद मतदान का नहीं बढ़ना भाजपा के लिए चिंता का सबब बन गया है। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के बाद दूसरे चरण में भी मतदान में कमी ने भाजपा नेताओं की परेशानी बढ़ा दी है। दूसरे चरण में उन महिला मतदाताओं अर्थात लाडली बहनों ने भी कम मतदान किया है, जिन्होंने विधानसभा चुनाव में बढ़-चढ़कर मतदान करके भाजपा को 163 सीटें दिलाई थीं। मतदाता के इस रुख के चलते जीत-हार का अनुमान लगाने वाली एजेंसियां भी असमंजस में है।

देश में हुए दो चरणों के चुनाव में 190 सीटों पर मतदान हो चुका है। यानी कुल 543 में से 35 प्रतिशत संसदीय क्षेत्रों के उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद हो चुका है। इन दो चरणों में हुए कम मतदान ने राजनीतिक दलों के साथ मतदाता को भी भ्रमित कर दिया है। जबकि चुनाव प्रचार चरम पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो ओबीसी के कोटे में कांग्रेस द्वारा कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण देने का मुद्दा उछालकर हिंदु वोटों को धुरवीकृत करने का काम भी किया, बावजूद मतदान का नहीं बढ़ना भाजपा के लिए चिंता का सबब बन गया है। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के बाद दूसरे चरण में भी मतदान में कमी ने भाजपा नेताओं की परेशानी बढ़ा दी है। दूसरे चरण में उन महिला मतदाताओं अर्थात लाडली बहनों ने भी कम मतदान किया है, जिन्होंने विधानसभा चुनाव में बढ़-चढ़कर मतदान करके भाजपा को 163 सीटें दिलाई थीं। मतदाता के इस रुख के चलते जीत-हार का अनुमान लगाने वाली एजेंसियां भी असमंजस में है। मतदाता की उदासीनता ने ऊंट किस करवट बैठेगा, यह संशय बढ़ा दिया है। लोकतंत्र में वैसे तो जनता देश की भाग्य-विधाता होती है, लेकिन जीत के बाद नेता और दल जनता के भाग्य-विधाता विकास का दावा करते-करते बन जाते है। इस कथित भाग्य-विधाता की दूसरे चरण में हुए कम मतदान के बाद नींद उड़ी हुई है। कम मतदान को राजनैतिक दल अपने हिसाब से परिभाशित करते हैं। ज्यादातर इसे सत्ताधारी दल के विपरीत हुआ मतदान माना जाता है। लेकिन नरेंद्र मोदी के आक्रामक प्रचार और हिंदुओं के धुरवीकरण की रणनीति के चलते फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि मतदाता ने अपना रुख बदल दिया है। 60 प्रतिशत के आसपास पहुंचा मतदान अभी भी इस बात का संकेत है कि समूचे देश में भाजपा की बढ़त बनी हुई है। लेकिन जिस मध्यप्रदेश में भाजपा को लाडली बहनों से सबसे ज्यादा उम्मीद थी, वे मतदान के प्रति उदासीन दिखाई दी है। दूसरे चरण में खजुराहो, टीकमगढ़, दमोह, होषांगाबाद, रीवा और सतना में 59 प्रतिशत मतदान हुआ है। जबकि यहां 2019 में 67 प्रतिशत मतदान हुआ था। 2019 की तुलना में इनमें से चार सीटों पर महिलाओं ने कम मतदान किया है। टीकमगढ़ में 2019 में 63.80 प्रतिशत मतदान हुआ था, जबकि 2024 में 56.35 प्रतिशत रह गया। सतना में 2019 में 70.77 था, जो अब 59.21 रह गया। खजुराहो में 2019 में 64.76 प्रतिशत मतदान हुआ था,

जो अब 53.06 रह गया। हालांकि दमोह और होशंगाबाद में महिलाओं ने वोट 2019 की तुलना में ज्यादा डाले। दो चरणों में 190 सीटों पर हुए मतदान में ज्यादातर सीटों पर कम मतदान के चलते भाजपा को झटका लगा है। जबकि अच्छे मतदान के लिए भाजपा ने प्रत्येक मतदान केंद्र पर सूक्ष्म प्रबंधन के दावे किए थे। कार्यकर्ताओं को जुटाकर अमित शाह तक ने मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचाने के गुर सिखाए थे। उधर जिला प्रशासन भी अधिक मतदान के लिए उन सब टोने-टोटकों को आजमाता रहा है, जिन्हें मतदान बढ़ाने का परंपरागत फार्मूला माना गया है। हालांकि इन टोटकों में ज्यादा कुछ असरकारी कभी दिखाई नहीं दिया। प्रशासन की हुंकार पर सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों, आंगनवाड़ी महिला कार्यकर्ताओं और स्व-सहायता समूह की महिलाओं को इकट्ठा करके मानव श्रृंखला बनाकर और कुछ नारे लगाकर इन टोटकों की इतिश्री न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश में कर ली जाती है। जिसके नतीजे लगभग शून्य होते हैं। बहरहाल भाजपा संगठन इस तैयारी में लगा रहा था कि मतदान लगभग 10 प्रतिशत तक बढ़ जाए। इस नाते भाजपा ने प्रत्येक मतदान केंद्र पर 370 वोट बढ़ाने का पाठ भी कार्यकर्ताओं को पढ़ाया था। परंतु हुआ इसका उल्टा, 10 से 12 प्रतिशत तक मत-प्रतिशत कम हो गया। साफ है, वोट बढ़ाने का फार्मूला कारगर साबित नहीं हुआ है। संभव है अगले पांच चरणों में भी अब यही ट्रैंड देखने में आए ? मध्यप्रदेश में भाजपा ने विधानसभा चुनाव में युद्ध स्तर पर मतदान केंद्रों तक मतदाता को पहुंचाने की जिम्मेबारी लेते हुए वोट-प्रतिशत 48.55 प्रतिशत तक पहुंचा दिया था। इसी का नतीजा रहा कि 230 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 163 सीटों पर विजय प्राप्त कर ली थी। भाजपा के इस केंद्र प्रबंधन की तारीफ भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में भी हुई। अतएव इसी फार्मूले को लोकसभा चुनाव में भी अजमाने के प्रबंध किए गए। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को कार्यशालाएं लगाकर प्रशिक्षित भी किया गया। लेकिन मत-प्रतिशत बढ़ने की बजाय घट गया। कार्यकर्ता और मतदाता के उदासीन होने के कारणों में विधानसभा चुनाव परिणाम में स्पष्ट बहुमत के बावजूद मुख्यमंत्री के चयन में उम्मीद से ज्यादा देरी और फिर मंत्रीमंडल के गठन में भी इसी देरी को दोहराना प्रमुख कारण रहे हैं। इस उदासीनता के पीछे एक बड़ा कारण शिवराज सिंह चैहान को हाशिए पर डालना भी रहा है। जबकि विधानसभा चुनाव में जीत का प्रमुख आधार उनकी लाडली लक्ष्मियां और बहनें रही हैं। शिवराज की लोक-लुभावन भाषण कला भी इस बड़ी जीत का एक राज रही है। जबकि मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद से लेकर अब तक उनका करिष्माई नेतृत्व किसी भी क्षेत्र में देखने में नहीं आया है। हालांकि अब नरेंद्र मोदी ने कहा है कि शिवराज को केंद्र में ले जाएंगे। देश और मध्यप्रदेश में कम मतदान की झलक यह जता रही है कि फिलहाल कांग्रेस शून्य नहीं हो रही है। सुविधा भोगी मतदाता ने कम मतदान किया है। ज्यादातर शहरी मतदाता इन दोनों चरणों में शुक्रवार को मतदान के चलते शनिवार और रविवार की छुट्टी होने के कारण सपरिवार पर्यटन पर निकल गया। नतीजतन ऐसे लोगों ने मतदान की जिम्मेदारी से पलड़ा झाड़ लिया। दूसरी तरफ दलों और कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाने से किनारा कर लिया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने यह किनारा इसलिए किया, क्योंकि वे इस अतिविश्वास के शिकार हो गए हैं कि मोदी और राम में लहर बन जाने के कारण भाजपा 400 पार जा रही है। कांग्रेस और अन्य दलों के कार्यकर्ता इस गलतफहमी में हैं कि मोदी लहर के चलते उनके दल का पार पाना मुश्किल है। इसलिए उसने मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचाने से दूरी बनाए रखी। कांग्रेस के पास संसाधनों की कमी के चलते भी यह स्थिति देखने में आई है। विपक्षी दल मतदाता को मुद्दों के आधार पर लुभाने में भी सफल नहीं हुए। विपक्षी दलों के बिखराव ने भी मतदाता को उदासीन बनाने का काम किया है। मतदाता ने सोच बना लिया कि इंडिया गठबंधन बन जाने के बावजूद इसका कोई केंद्रीय नेतृत्वकर्ता सामने नहीं है। इसलिए मोदी पर भरोसा करना ही ठीक है। लेकिन यह उदासीनता देश हित में कतई उचित नहीं है।

दृष्टि कोण

जलवायु परिवर्तन और भारतीय चुनाव

संयुक्त राष्ट्र संघ की विश्व मौसम विज्ञान संस्था ने एशिया में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर एक रिपोर्ट गत सप्ताह जारी की है, जिसमें यह बात सामने आई है कि वैश्विक तापमान वृद्धि का प्रभाव एशिया में विश्व औसत से ज्यादा पड़ रहा है। इस क्षेत्र में कई देशों में आज तक का अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है जिसके कारण इस महाद्वीप में 2023 में 90 लाख लोग बाढ़ों और तूफानों से प्रभावित हुए। दो हजार लोग काल का ग्रास बन गए। जलवायु परिवर्तन ने बाढ़, सूखे और तूफानों की घटनाओं को न केवल बढ़ाया है, बल्कि उनकी भयानकता को भी बढ़ाया है, जिसका दुष्प्रभाव वहां के समाजों, अर्थ व्यवस्थाओं और मानव जीवन पर पड़ा है। जलवायु परिवर्तन के मुख्य सूचकों जैसे कि जमीनी तापमान में वृद्धि, ग्लेशियरों का पिघलना और समुद्र के जलस्तर के बढने से बिगड़ती हुई स्थिति का पता चल रहा है। 1960-1990 के दौर के मुकाबले तापमान वृद्धि की दर लगभग दुगनी हो गई है। 2023 में जहां एक ओर सूखा पड़ा, वहीं दूसरी ओर भयानक बाढ़ें आईं। चीन की बाढ़ों और भारत में सूखे से 65 बिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है। चीन में 140 वर्षों का वर्षा का रिकार्ड टूट गया। वहीं दक्षिण पश्चिमी चीन भारी सूखे की चपेट में रहा। भारत में लू के कारण 100 लोगों की मौत हो गई और सिक्किम का तीस्ता-3 बांध बाढ़ की चपेट में आकर ध्वस्त हो गया, जिस दुर्घटना में 100 लोग अपनी जान गंवा बैठे। बढ़ते तापमान के कारण इस तरह की घटनाओं के बढने की संभावना है। भारत और बांग्लादेश में लू की संभावनाओं में 30 गुणा वृद्धि की आशंका पैदा हो गई। एशिया के तेज गति से बढ़ते तापमान के चलते इसके ग्लेशियर भी खतरे में पड़ गए हैं। मुख्य 22 ग्लेशियरों में से 20 में भारी नकारात्मक बदलाव हुए पाए गए हैं, यानी ग्लेशियरों के पिघलने की गति तेज हुई है। तापमान वृद्धि से समुद्र का जल भी ज्यादा गर्म हो रहा है जिसके कारण भारी बारिश और समुद्री तूफानों का खतरा बढ़ा है। पिछले चार दशकों में अरब सागर में समुद्री तूफानों की संख्या में डेढ़ गुणा वृद्धि हुई है और तूफानों की घातकता भी बढ़ी है। जुलाई और अगस्त 2023 में हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण भूस्खलन के कारण हुई भारी तबाही का भी रिपोर्ट में जिक्र किया गया है जिसको भारत सरकार ने आपात स्थिति घोषित किया। इन स्थितियों से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन के विषय में भी काफी कुछ करने की जरूरत पर रिपोर्ट में

प्रकाश डाला गया है। हालांकि भारत ने इस विषय में कुछ मानकों पर अच्छी प्रगति की है, फिर भी काफी कुछ किए जाने की जरूरत है। पूर्व चेतावनी व्यवस्था में सुधार करके आपदाओं में होने वाली हानि को 30 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। रिपोर्ट में आर्थिक असमानता के चलते जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के और ज्यादा चिंताजनक होने की बात कही गई है। जाहिर है कि बढ़ते तापमान का प्रत्यक्ष डंक उन गरीब लोगों को भुगतना पड़ता है जिनके पास आवास की व्यवस्था नहीं है या जिन्हें दैनिक मजदूरी पर निर्भर रहना पड़ता है, या किसान जिनकी फसल खुले में ईश्वर भरोसे रहती है। उनके लिए जलवायु अनुकूलन व्यवस्था खड़ी करना भी संभव नहीं होता। बढ़ते तापमान से फसलों की उत्पादकता पर भी विपरीत प्रभाव पडने के कारण खाद्य सुरक्षा पर भी खतरा पैदा होने की संभावना बन सकती है। इस दिशा में जलवायु की विपरीत स्थितियों को झेलने में सक्षम फसलों और फसल किस्मों पर ज्यादा शोध और प्रचार प्रसार की जरूरत है। इस दिशा में पुराने समय में प्रचलित श्री धान्य फसलों कोदा, रामदाना, स्वांक, बाजरा आदि का प्रचार प्रसार करके अच्छी पहल की जा रही है। किन्तु कार्बन उत्सर्जन करने वाली ऊर्जा उत्पादन तकनीकों और बड़े प्रोजेक्टों, खनन परियोजनाओं के कारण वनों के विनाश से कार्बन प्रचूषण क्षमता में आ रही कमी की चुनौतियां यथावत बनी हैं और बढ़ भी रही हैं। पिछले 15 वर्षों में भारतवर्ष में 3 लाख हेक्टेयर वन भूमि का उपयोग इस तरह की बृहदाकार योजनाओं के लिए बदला जा चुका है और यह क्रम सतत रूप से जारी है। इतनी चिंताजनक स्थिति के बावजूद वर्तमान चुनावों में यह मुद्दा जनता के बीच महत्वपूर्ण नहीं बन सका है। पर्यावरण से जुड़े दिवसों पर चेतना रैली निकालने, कुछ अच्छे अच्छे नारे लगाने, भाषण प्रतियोगिता आयोजित करने या ज्यादा से ज्यादा चुनाव मैनिफेस्टो में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से जुड़े वादे उछालने तक हम सीमित होते जा रहे हैं।

कुछ अलग

म से मिट्ठू

झुन्नू लाल के घर से गुजरते हुए मुझे लगा मानो कोई हिंदी की वर्णमाला का अभ्यास कर रहा है। जब ध्यान दिया तो महसूस हुआ कि सभी अक्षर अपनी पहचान से शुरू हो रहे हैं, पर जब उनसे बनने वाले शब्द बोले जा रहे हैं तो पहला अक्षर 'म' में तबदील हो रहा है जबकि शेष शब्द यथावत हैं। मिसाल के लिए अ से अच्छा होना चाहिए। पर झुन्नू उसे बोल रहे हैं, अ, अ से मच्छा (अच्छा), आ, आ से माम (आम), इ, इ से मिमली (इमली)...। अपनी उत्सुकता दबाने में असफल रहने पर मैं बिना दस्तक उनके घर जा घुसा। मुझे देखते ही उनकी बांछें खिल गईं और बोले, 'अच्छा हुआ महारथी, जो तुम बिन बुलाए चले आए। बुलाने पर तो केवल गंगा पुत्र ही बनारस जाते हैं।' उनके अप्रत्याशित वाक हमले से बचते हुए मैंने एक जिज्ञासु शिष्य की तरह उनकी शरण में जाना बेहतर समझा। जब उनके समक्ष अपनी जिज्ञासा रखी तो बोले, 'जब देश में पिछले एक दशक से मैं-मैं हो रहा था तब तो तुमने कभी पूछा नहीं। खैर! देर आयद दुरुस्त आयद। किसी ने तो सवाल पूछने की हिम्मत की। चाहे मुझ जैसे अदने इनसान से ही की हो। पर क्या तुम्हें दफ्तर के लिए देर न हो जाएगी?' मैं खींसें निपोरते हुए बोला, 'झुन्नू जी, जब पूरा देश राममय हो रहा है तो डरने की क्या लोड़ है? जिस तरह उत्तम प्रदेश के जौनपुर के एक विश्वविद्यालय में फार्मेसी के छात्र जय श्रीराम लिखकर पास हो गए, उसी तरह मैं भी आज बॉस को गुड मार्निंग की जगह जय श्रीराम बोलकर सीट अपनी पर सीट पर बैठ जाऊंगा।' वह गंभीर होते हुए बोले, 'आपस में हमें इस तरह की सीरियस बातें नहीं करनी चाहिए। ऐसी बातें केवल समारोहों या सम्मेलनों में विचार-विमर्श के लिए होती हैं।' मैंने अपना प्रश्न पुनः दोहराया कि आपका हर अक्षर अपनी पहचान से शुरू होने के बाद 'म' में क्यों बदल रहा है। वह बोले, 'मुझे पता है कि बिना जाने तुम छोड़ोगे नहीं। सच्चे स्वयंसेवकों की यही पहचान है कि जब एक बार किसी की छाती पर चढ़ जाते हैं तो उसकी सांस उखाड़े बिना हटते नहीं। जैसा कि मैं पहले ही बता चुका हूं कि देश में बकरियों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि चारों ओर मैं-मैं की आवाजें ही सुनाई दे रही हैं। सभी लोग श्रद्धा भाव से तन्मय होकर बड़ी मैं-मैं अपनी मैं-मैं मिला रहे हैं। मुझ पर मैं-मैं का इतना प्रभाव हुआ है कि बीवी को मनाने के लिए जब 'बहारो फूल बरसाओ' गाना शुरू करता हूं तो मुंह से निकलता है 'महारो मूल मरसाओ मेरा महबूब माया है'। आया की जगह माया बोलने पर बीवी शक करती है कि शादी के पच्चीस साल बाद मैं आज भी माया से छिप-छिप कर मिलता हूं।' कहते-कहते वह माया की यादों में खो गए। उनको वापस लाने के भाव से मैंने पुनः निवेदन किया कि जवाब अभी बाकी है। वह सचेत होते हुए बोले, 'अरे हां, बकरी भी मैं-मैं करती है और मि्ू भी अपनी ही प्रशंसा करता है। लेकिन मैं-मैं करने वाली लाखों बकरियां हर रोज कसाई के चाकू की धार के नीचे आ जाती हैं। पर मि्ू कभी नहीं आता। लोग शान से उसे पिंजरे में अपने घरों में रखते हैं। आज मैं-मैं इतनी बढ़ गई है कि अब मूर्ख ही राज कर रहे हैं। पर मैं यह फैसला नहीं कर पाया हूं कि देश में संख्या बकरियों की अधिक है या तोतों की। पर मुझे लगता है कि बकरियां मैं-मैं कर रही हैं और तोते उनकी 'मैं-मैं' में अपनी आवाज मिला रहे हैं। कम से कम संवैधानिक संस्थाओं को देखकर तो यही लग रहा है। जहां तक मेरे हर शब्द को म से शुरू करने का प्रश्न है तो देखो, म से मूर्ख, मतदाता, मतदान, मन्दिर-मस्जिद, मुगल, मुसलमान, मटन, मांस, मछली, मंगलसूत्र, माफीनामा वगैरह। माफीनामा से याद आया कि लाला रामदेव झूठ का व्योपार करने के बाद अब कोर्ट से माफी मांग रहे हैं।

देश दुनिया से

मोबाइल की आभासी दुनिया में खोता बालमन

> सोशल मीडिया, ओटीटी व गेमिंग के साथ ही गूगल बाबा सहित खोजी चैनलों, डिजिटल प्लेटफार्म खोजी सामग्री तो कोई समाचार देखते-देखते ही कितने तरह के विज्ञापन सामने आ जाते हैं उनमें कई बार तो लगभग प्रोन जैसी सामग्री होने के बावजूद मजे से परोसी जाती रहती है और उसे बेन करने या सेंसर करने का कोई सिस्टम नहीं होने से उसका दुष्प्रभाव साफ देखा जाता है। भले ही सरकार द्वारा इस तरह के चैनलों, प्लेटफार्म, एप आदि पर रोक लगाने के लाख दावें किये जाते हो पर साफतौर से इस तरह की सामग्री आम है। इसके साथ ही इन प्लेटफार्मों पर परोसी जाने वाली सामग्री बच्चों तक नहीं पहुंचे या बालमन पर को प्रदूषित नही करें, इसकी कोई व्यवस्था नहीं होती है।

सोशल मीडिया पर आये दिन इस तरह की तस्वीर देखने को मिल जाएगी जिसमें ड्राइंग रुम में तो परिवार के लगभग सभी सदस्य बैठे हैं पर उनके बीच किसी तरह के संवाद की बात करना ही बेमानी होगा। सभी अपने-अपने स्थान पर अपने मोबाइल फोन में खोये मिलेंगे। खोये होने का मतलब साफ है कि कोई गेमिंग कर रहा होगा तो कोई इंस्टाग्राम, फेसबुक, वाट्सएप या इसी तरह के किसी दूसरे एप पर व्यस्त होगा। सवाल साफ है कि जो हम देखेंगे उसमें हमें पसंद भी वोही आएगा जो अधिक ग्लेमरस होगा और यही कारण है कि गेमिंग, चेटिंग या फिर रील्स बनाने देखने में बच्चों से बड़े तक व्यस्त मिलेंगे। इसके साथ ही गेमिंग जहां बच्चों बड़ों को लालच दिखाकर एक तरह से जुआरी बना रही हैं वहीं कुछ गेम तो इस कदर हानिकारक रहे हैं कि उन्हें फॉलो करते करते बच्चों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। सोशल मीडिया, ओटीटी व गेमिंग के साथ ही गूगल बाबा सहित खोजी चैनलों, डिजिटल प्लेटफार्म खोजी सामग्री तो कोई समाचार देखते-देखते ही कितने तरह के विज्ञापन सामने आ जाते हैं उनमें कई बार तो लगभग प्रोन जैसी सामग्री होने के बावजूद मजे से परोसी जाती रहती है और उसे बेन करने या सेंसर करने का कोई सिस्टम नहीं होने से उसका दुष्प्रभाव साफ देखा जाता है। भले ही सरकार द्वारा इस तरह के चैनलों, प्लेटफार्म, एप आदि पर रोक लगाने के लाख दावें किये जाते हो पर साफतौर से इस तरह की सामग्री आम है। इसके साथ ही इन प्लेटफार्मों पर परोसी जाने वाली सामग्री बच्चों तक नहीं पहुंचे या बालमन पर को प्रदूषित नही करें, इसकी कोई व्यवस्था नहीं होती है। जब इन प्लेटफार्मों पर हिंसा, यौन सामग्री, गेमिंग, संवेदनहीनता, तनाव, आत्महत्या या बदले की भावना प्रेरित करने वाली सामग्री परोसी जाएगी तो उसका प्रभाव से नकारा नहीं जा सकता। दरअसल यह विश्वव्यापी समस्या हो गई है और इसका समाधान समय रहते नहीं खोजा गया तो इसके जो दुष्परिणाम आएंगे व आने लगे हैं वे समाज के लिए भयावह होंगे, इस खतरे को समझना होगा। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि एक दूसरे से तत्काल संवाद कायम करने का माध्यम स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री का सर्वाधिक दुष्प्रभाव बालक मन पर पड़ रहा है। तकनीक का इस तरह का दुष्प्रभाव संभवतः इतिहास में भी पहले कभी नहीं रहा है। दरअसल आज हम हर समस्या का समाधान स्मार्टफोन और इंटरनेट को मानने लगे हैं। बच्चा रो रहा है या किसी बात के लिए जिद कर रहा है या चिड़चिड़ा हो रहा है तो माताएं या परिवार के कोई भी सदस्य बच्चें को चुप कराने या मनबहलाव और खास यह कि बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल संभला देते हैं। जबकि मोबाइल के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। अमेरिका में पिछले दिनों हुए एक सर्वे में सामने आया कि मोबाइल फोन, टेबलेट, वीडियो गेम या अन्य इस तरह के साधन के उपयोग से बच्चे गुस्सेल होते जा रहे हैं। बच्चों द्वारा स्कूल में गोलीबारी सहित एक दूसरे से मारामारी-हाथापाई व इस तरह की घटनाएं आम होती जा रही है। मारधाड़, हमेशा गुस्से में रहने, तनाव में रहने और जिद्दी होना आज आम होता जा रहा है। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि शहरी बच्चें, गेमिंग, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा है। हमेशा तनाव, डिप्रेशन,

आक्रामकता, गुस्सेल, बदले की भावना आदि आम है। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आ जाती है। यह असर कमोबेस लड़कों और लडकियों दोनों में ही समान रुप से देखा जा रहा है। यह कोई हमारे देश की समस्या हो, ऐसा भी नहीं हैं अपितु दुनिया के लगभग सभी देशों में यही हो रहा है। अमेरिका में किये गये एक अध्ययन में भी यही उभर कर आया है। कोई दो राय नहीं कि विकास समाज की आवश्यकता है। स्माटफोन व इंटरनेट की दुनिया का अपना महत्व है। पर इनके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। प्लेटफार्मों पर चाइल्ड लोक की बात भी की जाती है पर चाइल्ड लोक कितना कारगर है यह हम सब अच्छी तरह से जान और समझ सकते हैं। मजे की बात तो यह है कि मोबाइल फोन, टेब, कम्प्यूटर, सोशल मीडिया प्लेटफार्म आदि के फीचर्स व उपयोग का तरीका बड़ों से ज्यादा बच्चों को आता है। यहां तक कि प्ले ग्रुप के बच्चें को भी यह जानकारियां होने लगी है।

आप का नजरिया

न भाजपा गोरी, न कांग्रेस काली

यहां बिका कौन बगावत किसकी, लुट रहा चुनाव ये शरारत किसकी। हिमाचल में दोनों प्रमुख पार्टियों के ताजा आचरण के बीच प्रदेश का चरित्र गौशाला हो गया या आवारा पशुओं की तरह लावारिस दिखाई दे रहा है। गाय की गिनती उसके दूध की मिकदार से है और जैसे ही वह दुधारू नहीं रहती, खुले में आवारा छोड़ दी जाती। कमोबेश समाज के इसी सिद्धांत पर राजनीति ने भी खुद की दिशा तय कर ली है यानी पार्टियां अब नेताओं के साथ दुधारू गाय जैसा व्यवहार कर रही हैं, फर्क सिर्फ इतना है कि नेता खुद को गाय नहीं मानता और न ही यह अधिकार पार्टियों को देता है कि उसकी नस्ल पर प्रतिकूल टिप्पणी हो, हालांकि जब से कांग्रेस से अलहदा होकर छह विधायक पूर्व हो गए, उनकी जमात व जमीर पर कई टिप्पणियां हुई हैं। उन्हें बदनाम करने की नस्ली टिप्पणियां कांग्रेस के हुकम और हुकमरानों के इरादों से निकलीं, लेकिन पार्टी के दो टिकटों ने स्पष्ट कर दिया कि राजनीति एक जैसी मिट्टी पर ही उग रही है। कैप्टन रंजीत राणा भाजपा की ओर से कांग्रेस के राजिंद्र राणा से लड़े, यह बस एक कहावत बन गई, जबकि अब भी ये दोनों चेहरे आमने-सामने हैं, बस पार्टियों की जुबान फिसल गई। यह बनाम-बनाम-बनाम याद रखें या कब्र से जुबान खोजें जो मुकाबिल हो। राकेश कालिया आज फिर कांग्रेस में आ गए, तो अतीत के फाहों में किसका दर्द रहा। वर्तमान चुनावों में यह तो साबित हो ही गया कि सियासत मौकापरस्ती का सबसे बड़ा मक्का है और यहां बयानों के झूठ आम मतदाता के दिमाग में सुराख कर सकते हैं। कौन किसके करीब, कौन किसके विरोध में खड़ा, यह फरेब की जटाओं में जूएं ढूंढने का काम है। कम से कम चुनावों में यह तो पता चल गया कि लोकतंत्र के वाहक अब ढूंढे नहीं मिल रहे। कांग्रेस के छह बागी शामिल करके भाजपा ने साबित कर दिया कि सत्ता पक्ष की आंधियों के पीछे पतवार नहीं है। लगभग एक महीने से भाजपा की उम्मीदें अपनी पतवार थामे जनता को खबर दे चुकी हैं कि चुनावों में उसकी मर्जी क्या है, जबकि कांग्रेस के युद्धनाद में बागियों के प्रति गुस्सा, आरोपों का बारूद और अपने भीतर नेता बनाने की खोज थी। कुछ मिल गए, कुछ बाकी हैं। कुछ भाजपा से आ गए, कुछ की फाइल बाद में आती रहेगी। हाथ बंधे चुनाव में जी हुजूरी यह कि कुछ नेताओं को मनाया जा रहा है कि आइए इस सावन में हरियाली के लिए उतर जाइए। चुनावों ने नेता फस्ट कर दिया, इसलिए यही एक क्षेत्र है जहां कोई रंगभेद नहीं। न भाजपा गोरी, न कांग्रेस काली, सिर्फ चूर्ण चटाने की देरी है। भाजपा ने छह बागियों और तीन निर्दलीयों को चटा कर साबित कर दिया कि उसका फार्मूला चुनावी हाजमे के लिए कितना मुफीद है। कांग्रेस को अपने ही चूर्ण पर संदेह है कि यह हजम होगा भी कि नहीं। डा. रामलाल मार्कंडेय अपनी जुबान पर कांग्रेस के चूर्ण से यह तय नहीं कर पा रहे कि इसका असर मीठा होगा या कड़वा और कहीं गंगू राम मुसाफिर को इस वक्त चूर्ण की सख्त जरूरत है, तो कांग्रेस कंजूस क्यों रही। जो भी हो कांग्रेस के टिकटों का आबंटन फिलहाल आवारा के बीच से दुधारू गाय खोजने जैसा प्रतीत हो रहा है।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई एआई की बदौलत अरबपति बनने के करीब

· नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां) ।

अल्फाबेट और गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने के करीब हैं। पिचाई के नेतृत्व में कंपनी के शेयरों में 400 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है, जिसने बाजार के रुझान को भी पीछे छोड़ दिया है। हाल ही में कंपनी की पहली तिमाही की आय उम्मीदों से बेहतर रही और उसने पहली बार इतना मुनाफा दर्ज किया है। इन सबका फायदा पिचाई को हो रहा है। उन्हें दुनिया के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले सीईओ में से एक बना दिया है। पिछले करीब नौ सालों से गूगल के सीईओ के रूप में पिचाई काम कर रहे हैं। वह अगस्त 2015 में गूगल के सीईओ बने थे। अब कंपनी के शेयर में 400 फीसदी से अधिक उछाल आया है। यह एसएंडपी 500 और नैस्डैक से काफी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। कंपनी की पहली तिमाही की आय उम्मीदों से कई गुना बेहतर रही। बताया जा रहा है कि कंपनी को क्लाउड कंप्यूटिंग इकाई में एआई-संचालित वृद्धि से बढ़ावा मिला है। कंपनी ने अपने इतिहास में पहली बार इतना मुनाफा कमाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, शेयरों के भारी उछाल ने सुंदर पिचाई को दुनिया के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले सीईओ में से एक बना दिया है। उनकी संपत्ति लगभग एक अरब डॉलर हो गई है। हालांकि, इन सब खबरों पर गूगल के एक प्रवक्ता ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

कौन हैं सुंदर पिचाई – भारतीय मूल के सुंदर पिचाई का वास्तविक नाम सुंदरराजन है। उनका जन्म तमिलनाडु के मदुरै में 1972 में हुआ था, लेकिन वो चेन्नई में पले-बढ़े। उनकी मां लक्ष्मी एक स्टेनोग्राफर और पिता रघुनाथ पिचाई इलेक्ट्रिकल इंजीनियर थे। बताया जाता है कि वे एक छोटे से दो कमरों वाले अपार्टमेंट में रहते थे। यहां वह और छोटे भाई फर्श पर सोते थे। पिचाई ने बताया था कि उनके बचपन के अधिकांश समय में उनके पास टेलीविजन या कार जैसी सुविधाएं नहीं थीं। कभी-कभी उनके घर में पानी भी नहीं होता था। 12 साल की उम्र में, उनके परिवार को पहला रोटरी टेलीफोन मिला।

पिचाई का कहना है कि इसी टेलीफोन ने उन्हें टेक्नॉलजी की दुनिया से परिचित कराया। वह अपने पिता, जो ब्रिटिश समूह जीईसी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर थे, के काम को देखकर टेक इंडस्ट्री की ओर आकर्षित हुए। उन्होंने स्कूल में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और खड़गपुर के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की।

बतौर प्रोडक्ट मैनेजर की थी पहली नौकरी – आईआईटी खड़गपुर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद, सुंदर पिचाई को अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से स्कॉलरशिप मिली। यह उनके लिए एक बड़ा मौका था, लेकिन अमेरिका जाने का खर्च उठाना उनके परिवार के लिए आसान नहीं था। पिचाई के पिता ने अपने बचाए हुए एक हजार डॉलर से उन्हें अमेरिका भेजा। पिचाई ने साल 2014 में बताया था कि उनके माता-पिता ने वही किया जो कोई भी अभिभावक करता। उन्होंने अपने पूरे जीवन की बचाई हुई कमाई अपने बच्चे को पढ़ाने में लगा दी। पिचाई ने गूगल को दिया था ये सुझाव अप्रैल 2004 में सुंदर ने गूगल ज्वाइन किया था। गूगल में सुंदर पिचाई पहला प्रोजेक्ट प्रोडक्ट मैनेजमेंट और इनोवेशन शाखा में दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

अप्रैल महीने में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपए के पार, पिछले साल की तुलना में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली । देश का सकल जीएसटी संग्रह अप्रैल में 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह पिछले साल अप्रैल महीने की तुलना में 12.4 प्रतिशत अधिक है। घरेलू लेनदेन और आयात में मजबूत तेजी को जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी की वजह बताया गया है। घरेलू लेनदेन और आयात में मजबूत वृद्धि का असर वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। मंत्रालय ने कहा, सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह सालाना आधार पर 12.4 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है, जो घरेलू लेनदेन (13.4 प्रतिशत की वृद्धि) और आयात (8.3 प्रतिशत की वृद्धि) में मजबूत वृद्धि के दम पर मुमकिन हो पाया। अप्रैल 2023 की तुलना में 17 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि अप्रैल 2023 में जीएसटी संग्रह 1.87 लाख करोड़ रुपये था। रिफंड के बाद अप्रैल 2024 में शुद्ध जीएसटी संग्रह 1.92 लाख करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 17.1 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। अप्रैल में केंद्रीय जीएसटी संग्रह 43,846 करोड़ रुपये और राज्य जीएसटी 53,538 करोड़ रुपये रहा। एकीकृत जीएसटी 99,623 करोड़ रुपये रहा जिसमें आयातित वस्तुओं पर मिले 37,826 करोड़ रुपये शामिल हैं। उपकर संग्रह 13,260 करोड़ रुपये रहा, जिसमें आयातित वस्तुओं पर संग्रहित 1,008 करोड़ रुपये शामिल हैं। मार्च 2024 में जीएसटी संग्रह 1.78 लाख करोड़ रुपये रहा था।

ज्यादा चेक फाड़ना पड़ेगा महंगा, अतिरिक्त लेन-देन पर देना होगा शुल्क

नई दिल्ली। इस महीने से बैंकों ने सेवा शुल्क एवं अतिरिक्त सेवाओं पर लगने वाले चार्ज में बदलाव किया है। इससे मई के महीने में आम आदमी की जेब थोड़ी ढीली हो सकती है। क्योंकि, कुछ बैंक बचत खाता सेवाओं पर शुल्क में संशोधन करेंगे, जबकि अन्य ने क्रेडिट कार्ड के जरिए यूटिलिटी पेमेंट पर सेस लगाने का फैसला किया है। आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक ने कहा था कि वे 1 मई से सेविंग अकाउंट्स के लिए अपने शुल्कों में संशोधन करेंगे। आईसीआईसीआई बैंक ने बचत खाता सर्विसेज के शुल्क में संशोधन किया है, जो 1 मई से प्रभावी है। इसमें डेबिट कार्ड पर प्रति वर्ष 200 रुपये तक की वार्षिक फीस शामिल है। हालांकि, ग्रामीण स्थानों के लिए यह चार्ज 99 रुपये प्रति वर्ष है। चेक बुक पर, एक वर्ष में 25 चेक लीफलेट के लिए शुल्क शून्य होगा और इससे अधिक पर, बैंक 4 रुपये प्रति लीफ चार्ज करेगा। बैंक आईएमपीएस ट्रांसेक्शन के लिए ट्रांसफर अमाउंट के अनुसार प्रति लेनदेन 2.5 रुपये से 15 रुपये के बीच शुल्क लेगा।इसके अलावा, बैंक डिमांड ड्राफ्ट या पे ऑर्डर को रद्द करने, डुप्लिकेट या रिवेलिडेशन के लिए बैंक 100 रुपये चार्ज करेगा. बैंक साइन वेरिफिकेशन के लिए प्रति आवेदन या पत्र पर 100 रुपये और बैंक शाखा के माध्यम से किसी विशेष चेक के भुगतान को रोकने के लिए 100 रुपये (ग्राहक सेवा आईवीआर और नेट बैंकिंग के माध्यम से नि: शुल्क) शुल्क लेगा।

अंबुजा सीमेंट्स ने चौथी तिमाही में 1,055.16 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया

मुंबई । अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन कर

1,055.16 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। यह पिछले वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 63.60 प्रतिशत अधिक है। बीते साल कंपनी ने 644.94 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। यह तिमाही दर तिमाही आधार पर भी 28.20 प्रतिशत की बढ़ोतरी है, क्योंकि पिछली तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 823.05 करोड़ रुपये था। सिर्फ मुनाफे में ही नहीं बल्कि कंपनी के रेवेन्यू में भी अच्छी बढ़ोतरी देखी गई है। ऑपरेशन से रेवेन्यू 11.64 प्रतिशत बढ़कर 8,893.99 करोड़ रुपये और कुल आय 10.62 प्रतिशत बढ़कर 9,127.45 करोड़ रुपये हो गई है। कंपनी की कमाई में लगातार बढ़ोतरी का रुझान बना हुआ है। पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का शुद्ध लाभ 38.45 प्रतिशत से बढ़कर 3,576.79 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

उत्तर-दक्षिण में करों का असमान वितरण दूर करने के लिए प्रबुद्ध नेतृत्व जरूरी, बोले पूर्व आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव देश में उत्तर और दक्षिण में करों के असमान वितरण पर अपनी राय रखी है। सुब्बाराव ने कहा है कि केंद्र और राज्य स्तर पर प्रबुद्ध नेतृत्व ही राज्यों के बीच कर पूल के असमान वितरण पर फैसला लेकर उत्तर-दक्षिण के जटिल अंतर को सुलझा सकता है। उन्होंने कहा है कि यह मामला वित्त आयोग की पहुंच से बाहर का है।

क्या है अमीर और गरीब राज्यों के बीच करों के असमान वितरण का मामला

आंध्र प्रदेश के वित्त सचिव और केंद्रीय वित्त सचिव समेत विभिन्न पदों पर रह चुके सुब्बाराव ने अपनी नई किताब जस्ट ए मर्सीनरी: नोट्स फ्रॉम माई लाइफ एंड करियर में राजकोषीय संघवाद के मुद्दों पर विस्तार से लिखा है। उन्होंने पीटीआई से कहा, इसके समाधान के लिए केंद्र और राज्य स्तरों पर प्रबुद्ध नेतृत्व की जरूरत होगी जो राजनीति से परे देख सके और आगे के अनुकूल रास्ते पर आम सहमति बना सके। सुब्बाराव के अनुसार तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे अमीर राज्यों को केंद्र के करों में प्रत्येक रुपये के योगदान के बदले एक रुपये से कम हिस्सा मिलता है, जबकि बिहार और झारखंड जैसे गरीब राज्यों को एक रुपये से अधिक हिस्सा मिलता है।

सुब्बाराव ने कहा, अमीर राज्यों द्वारा गरीब राज्यों को इस तरह क्रॉस सब्सिडी देना हमारे जैसे बड़े और विविधतापूर्ण देश में अपरिहार्य है और वास्तव में यह एक स्वीकृत सिद्धांत है। 16वें वित्त आयोग (16 वें एफसी) की स्थापना की गई है और आर्थिक और सामाजिक रूप से बेहतर दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों द्वारा उत्तरी और पूर्वी राज्यों को सब्सिडी देने के मुद्दे पर बहस फिर से शुरू हो गई है।

उन्होंने कहा, पहले ही अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर उत्तर और दक्षिण के बीच मतभेद हैं। सवाल यह है कि क्या हम इस तरह की क्रॉस सब्सिडी की सीमा को पार कर रहे हैं सुब्बाराव के अनुसार, कई प्रमुख आंकड़े बताते हैं कि दक्षिणी राज्य बुनियादी ढांचे, निजी निवेश, सामाजिक संकेतकों और कानून के शासन के मामले में बेहतर कर रहे हैं, जिसने उन्हें विकास और समृद्धि के एक अच्छे चक्र पर डाल दिया है और उत्तर-दक्षिण के बीच अंतर को और बढ़ा कर दिया है।

दक्षिणी राज्यों में उत्तर की तुलना में जनसंख्या में गिरावट दर्ज की गई

जनसंख्या के अद्यतन आंकड़ों के आधार पर 2026 में होने वाले परिसीमन को देखते हुए, सुब्बाराव ने कहा कि पिछले कुछ दशकों में, दक्षिणी राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर उत्तर की तुलना में अधिक तेजी से गिरावट आई है। उन्होंने कहा, अगर इसके परिणामस्वरूप, दक्षिणी राज्य संसद की सीटों के मामले में अपना हिस्सा खो देते हैं तो उन्हें सब्सिडी की सीमा को पार करने की खुली प्रतिबद्धता के साथ कम राजनीतिक दबदबे की दोहरी मार का सामना भी करना पड़ेगा।

सुब्बाराव 5 सितंबर, 2008 को पांच साल के लिए आरबीआई के गवर्नर के रूप में कार्यभार संभालने से पहले वित्त सचिव (2007-08) थे। लेहमैन ब्रदर्स 16 सितंबर 2008 को दिवालियापन हो गया, जिससे यह इतिहास की सबसे बड़ी कॉर्पोरेट विफलता बन गई। वर्ष 2010-11 के दौरान भारी निवेश के दौरान डॉलर को नहीं खरीदने और इसके बजाय रुपये को मजबूत होने देने को लेकर हुई आलोचना पर सुब्बाराव ने कहा कि यह सोच-समझकर लिया गया फैसला था।

सुब्बाराव ने कहा, भंडार को संभालना महंगा नहीं है, खासकर इसलिए क्योंकि हमारा भंडार उधार के संसाधनों से बना है। बाजार में आरबीआई का हस्तक्षेप अर्थव्यवस्था के एक खंड से दूसरे खंड में समायोजन के बोझ को स्थानांतरित करता है। उन्होंने आगे बताया कि रिजर्व बैंक की घोषित नीति विनिमय दर में अस्थिरता को रोकने के लिए ही बाजार में हस्तक्षेप करने की है।

रिजर्व बैंक की 90वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण का संदर्भ देते हुए सुब्बाराव ने कहा कि रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक स्वीकार्य बनाने के लिए केंद्रीय बैंक को अन्य शर्तों को पूरा करने के अलावा कम हस्तक्षेप करने वाला बनना चाहिए।

सरकारों की ओर से मुफ्त उपहार बांटने पर पूर्व आरबीआई गवर्नर ने की यह टिप्पणी

सरकारों की ओर से मुफ्त उपहार (फ्रीबीज) देने के बारे में एक सवाल के जवाब में सुब्बाराव ने कहा कि एक गरीब देश में जहां लाखों लोग अच्छी आजीविका कमाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहां सबसे कमजोर तबकों को हस्तांतरण जरूरी है, वास्तव में यह अनिवार्य भी है। उन्होंने कहा, लेकिन यह सीमा के भीतर होना चाहिए, खासकर जब इन मुफ्त उपहारों को उधार लेकर वित्तपोषित किया जाता है।

सुब्बाराव ने कहा कि राजनीतिक दल मतदाताओं को मुफ्त में लुभाने में एक-दूसरे से आगे निकल रहे हैं, यह वित्तीय रूप से खतरनाक है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि सभी राजनीतिक दल इसके लिए दोषी हैं और किसी एक पर दोष मढ़ने की कोशिश एक गलत शुरुआत होगी। आरबीआई के पूर्व गवर्नर ने जोर देकर कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद सत्ता में आने वाली केंद्र सरकार को एक श्वेत पत्र जारी कर जनता को मुफ्त उपहार दिए जाने की लागत और लाभों के बारे में विस्तार से बताना चाहिए।

सेबी ने म्यूचुअल फंड खातों के लिए नॉमिनी करना वैकल्पिक बनाया

मुंबई, 01 मई (एजेंसियां) ।

सेबी ने कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त रूप से रखे जाने वाले म्यूचुअल फंड खातों के लिए किसी व्यक्ति को नॉमिनी करना वैकल्पिक बना दिया है। साथ ही सेबी ने 'फंड हाउस' को जिंस और विदेशी निवेश की निगरानी के लिए एक ही 'फंड मैनेजर' रखने की अनुमति दी है। इससे उसके प्रबंधन की लागत कम होगी।

सेबी का यह कदम उसके द्वारा गठित एक कार्य समूह द्वारा म्यूचुअल फंड विनियमों की समीक्षा करने और कारोबार को आसान बनाने के लिए उपायों की सिफारिश करने के बाद उठाए हैं। कार्य समूह की सिफारिश के आधार पर सार्वजनिक परामर्श किया गया, जिसमें संयुक्त म्यूचुअल फंड खातों में किसी को नामित करने को वैकल्पिक बनाने और 'फंड हाउस' को जिंस तथा विदेशी निवेशों की देखरेख के लिए एक ही फंड मैनेजर रखने की अनुमति देने का विकल्प सुझाया गया।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा, तदनुसार यह निर्णय लिया गया है कि संयुक्त म्यूचुअल फंड फोलियो में किसी को नामित करना वैकल्पिक होगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि संयुक्त धारकों के लिए किसी को नामित करने की आवश्यकताओं में छूट फायदेमंद होगी। इससे जीवित सदस्य नामित माना जाएगा जिससे नामांकन की प्रक्रिया सुगम बनेगी। नियामक ने सभी मौजूदा व्यक्तिगत म्यूचुअल फंड धारकों के लिए किसी व्यक्ति को नामित करने की आखिरी तारीख 30 जून 2024 तय की है। यदि वे इसका पालन करने में विफल रहते हैं, तब उनके खाते निकासी के लिए 'फ्रीज' कर दिए जाएंगे।

सेबी ने कहा कि जिंस आधारित कोष जैसे गोल्ड ईटीएफ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड), सिल्वर ईटीएफ और जिंस बाजार में भाग लेने वाले अन्य फंड के लिए समर्पित फंड मैनेजर की नियुक्ति वैकल्पिक होगी। साथ ही, विदेशी निवेश करने के लिए भी समर्पित फंड मैनेजर की नियुक्ति वैकल्पिक होगी।

म्यूचुअल फंड्स में फ्रंट रनिंग और इनसाइडर ट्रेडिंग रोकने के लिए बनाएं तंत्र, सेबी ने की सख्ती

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां) ।

म्यूचुअल फंड में फ्रंट रनिंग व इनसाइडर ट्रेडिंग पर अंकुश लगाने के लिए सेबी ने परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) को संभावित बाजार दुरुपयोग की पहचान करने को कहा है। एएमसी को इसके निवारण के लिए संस्थागत तंत्र बनाना होगा।

सेबी नियामकीय ढांचे में बदलाव भी करेगा। संस्थागत तंत्र का मतलब एएमसी के कर्मचारियों, डीलरों, स्टॉक ब्रोकरों या किसी अन्य संबंधित संस्थाओं से है। सेबी का यह फैसला एक्सिस एएमसी और एलआईसी से संबंधित दो फ्रंट रनिंग मामलों में आदेश पारित करने के मद्देनजर आया है। सेबी ने बोर्ड बैठक के बाद कहा, तंत्र में बेहतर निगरानी प्रणाली, आंतरिक नियंत्रण प्रक्रियाएं, फ्रंट रनिंग, इनसाइडर ट्रेडिंग और अन्य खामियों की पहचान करनी जरूरी है। सेबी बोर्ड ने ऐसे संस्थागत तंत्र के लिए एएमसी के प्रबंधन की जिम्मेदारी और जवाबदेही बढ़ाने का निर्णय लिया।

व्हिसल ब्लोअर के जरिये पारदर्शिता को बढ़ावा सेबी ने कहा, नियामक एएमसी को व्हिसल ब्लोअर तंत्र के जरिये पारदर्शिता को बढ़ावा देना चाहता है। एक्सिस एएमसी मामले में ब्रोकर-डीलरों, कुछ कर्मचारियों व संबंधित संस्थाओं को एएमसी के ट्रेडों को फ्रंट रनिंग करते हुए पाया गया था। एलआईसी में इसी के एक कर्मचारी को फ्रंट रनिंग मामले में शामिल पाया गया था। सेबी एम्फी के साथ सलाह करके नियमों को विस्तार से जारी करेगा।

महंगाई के बावजूद भारतीयों ने तीन महीने में खरीदे 75470 करोड़ के गोल्ड, सोना आयात भी 25 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां) ।

कीमतों के ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचने के बावजूद लोगों में सोने का आकर्षण बना हुआ है। यही वजह है कि देश में सोने की कुल मांग जनवरी-मार्च, 2024 तिमाही में सालाना आधार पर 8 फीसदी बढ़कर 136.6 टन पहुंच गई। कुल मांग में सोने के आभूषणों की खरीदारी और निवेश दोनों शामिल हैं। एक साल पहले की समान तिमाही में भारतीयों ने 126.3 टन सोना खरीदा था।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने जारी वैश्विक रिपोर्ट 'गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स' में कहा, मूल्य के लिहाज से भारतीयों ने जनवरी-मार्च, 2024 में 75,470 करोड़ रुपये का सोना खरीदा। यह सालाना आधार पर 20 फीसदी ज्यादा है। मूल्य के लिहाज से इस बड़ी तेजी की वजह मात्रा में वृद्धि के साथ सोने

की तिमाही औसत कीमतों में 11 फीसदी की बढ़त है। डब्ल्यूजीसी के भारत में क्षेत्रीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन जैन ने कहा, भारत का निरंतर मजबूत वृहद आर्थिक माहौल सोने की खपत बढ़ाने में सहायक रहा।

निवेश मांग में 19 फीसदी इजाफा – रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में सोने के आभूषणों की मांग जनवरी-मार्च, 2024 में 4 फीसदी बढ़कर 95.5 टन पहुंच गई। इस अवधि में सोने के बार और सिक्के के रूप में निवेश मांग 19 फीसदी बढ़कर 41.1 टन पहुंच गई। मूल्य के लिहाज से इनमें क्रमश: 15 फीसदी और 32 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। देश में कुल 38.3 टन सोना रिसाइकिल किया गया, जो जनवरी-मार्च, 2023 के 34.8 टन से 10 फीसदी ज्यादा है।

आयात 25 फीसदी बढ़ा – भारत ने जनवरी-मार्च, 2024 में 179.4 टन सोना आयात किया। यह आंकड़ा एक साल पहले की समान तिमाही के 143.4 टन से 25 फीसदी ज्यादा है।

पहली बार पूर्ण उलटफेर – भारत जैसे बाजार में सोना तब खरीदा जाता है, जब दाम नीचे आते हैं। पश्चिमी बाजार में सोने का आकर्षण तब बढ़ता है, जब दाम बढ़ते हैं।लेकिन, पहली बार हमने पूर्ण उलटफेर देखा है, जहां भारत में तेजी पर सोने की खरीदी बढ़ी है।-सचिन जैन, क्षेत्रीय सीईओ, डब्ल्यूजीसी इस साल 800 टन तक पहुंच सकती है खपत जैन ने कहा, इस साल भारत में सोने की मांग 700-800 टन के आसपास रह सकती है। कीमतों में तेजी रही तो मांग इस सीमा के निचले स्तर पर रह सकती है।

बंटवारे के बाद समूह की सूचीबद्ध कंपनियां संभालेंगे आदि गोदरेज, चचेरे भाई जमशेद को मिला भूमि बैंक

मुंबई, 01 मई (एजेंसियां) ।

देश के प्रमुख औद्योगिक घराने और 127 साल पुराने गोदरेज समूह का बंटवारा हो गया है। इस बंटवारे के तहत समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का स्वामित्व आदि गोदरेज और उनके भाई नादिर को मिलेगा। वहीं समूह की गैर सूचीबद्ध कंपनियां और गोदरेज समूह का भूमि बैंक चचेरे भाई जमशेद और उनकी बहन स्मिता को मिलेगा। गोदरेज समूह साबुन से लेकर घरेलू सामान, रियल एस्टेट तक फैला हुआ है।

इस तरह बंटा गोदरेज समूह

बंटवारे के तहत गोदरेज समूह अब दो हिस्सों में बंट गया है, जिसमें गोदरेज इंडस्ट्रीज की कमान आदि गोदरेज (82 वर्षीय) और उनके भाई नादिर गोदरेज (73 वर्षीय) संभालेंगे। गोदरेज इंडस्ट्रीज में समूह की पांच सूचीबद्ध कंपनियां आती हैं, जिनमें गोदरेज इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, गोदरेज प्रोपर्टीज, गोदरेज एग्रोवेट और एस्टेक लाइफ साइंसेज शामिल हैं। इसके चेयरपर्सन नादिर गोदरेज होंगे और इसका नियंत्रण आदि गोदरेज और नादिर के परिवार के पास रहेगा। आदि गोदरेज के बेटे पिरोजशा गोदरेज (42 वर्षीय) गोदरेज इंडस्ट्रीज के कार्यकारी

उपाध्यक्ष होंगे। पिरोजशा साल 2026 में नादिर गोदरेज की जगह लेंगे।

वहीं गोदरेज एंटरप्राइजेज की कमान जमशेद गोदरेज (75 वर्षीय) और उनकी बहन स्मिता गोदरेज कृष्णा (74 वर्षीय) संभालेंगी। गोदरेज एंटरप्राइजेज में एयरोस्पेस, एविएशन, सुरक्षा, फर्नीचर और आईटी सॉफ्टवेयर संबंधी कंपनियां शामिल हैं। जमशेद गोदरेज इसके चेयरपर्सन और मैनेजिंग डायरेक्टर होंगे। वहीं उनकी बहन स्मिता की बेटी न्यारिका होल्कर (42 वर्षीय) एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर होंगी। जमेशेद गोदरेज को गोदरेज एंटरप्राइजेज के साथ ही मुंबई में 3400 एकड़ का भूमि बैंक भी मिलेगा।

जमशेद गोदरेज को मिली मुंबई की 3400 एकड़ जमीन

बंटवारे के तहत दोनों पक्षों ने विपक्षी खेमे की कंपनियों के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। आदि और नादिर ने गोदरेज और बॉयस कंपनी के बोर्ड को छोड़ दिया है, वहीं जमशेद गोदरेज ने गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड और गोदरेज प्रोपर्टीज के बोर्ड को छोड़ दिया है। साथ ही दोनों पक्ष एक दूसरे की कंपनियों से अपने-अपने निवेश भी निकालेंगे। जमशेद और स्मिता को बंटवारे के तहत जो मुंबई में 3400 एकड़ जमीन मिली है। इसमें से तीन हजार एकड़ जमीन मुंबई के विक्रोली में है। इस जमीन की विकसित होने के बाद कीमत करीब एक लाख करोड़ रुपये आंकी जा रही है। इसमें से एक हजार एकड़ जमीन विकसित की जा सकती है बाकि 1750 एकड़ जमीन पर मैनग्रूव के जंगल हैं, जहां कई दुर्लभ पेड़-पौधे और पक्षियां निवास करते हैं। करीब 300 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा हो चुका है।

आर्देशिर गोदरेज ने रखी थी नींव

वकील से धारावाहिक उद्यमी बने आर्देशिर गोदरेज ने साल 1897 में ताला बनाने के व्यापार शुरू किया और उसमें सफलता पाई। इससे पहले आर्देशिर मेडिकल डिवाइस बनाने के बिजनेस में असफल हो चुके थे। आर्देशिर के बच्चे नहीं थे तो उनका बिजनेस उनके छोटे भाई पिरोजशा को मिला। पिरोजशा के चार बच्चे थे, जिनमें सोहराब, दोसा, बुर्जोर और नवल शामिल थे। समय बीतने के साथ बुर्जोर के बेटों आदि और नादिर, वहीं नवल के बच्चों जमशेद और स्मिता ने परिवार का बिजनेस संभाला। सोहराब के कोई औलाद नहीं थी और दोसा का एक बेटा रिशद था, लेकिन रिशद के भी कोई बच्चा नहीं है। इस तरह पूरा गोदरेज समूह आदि, नादिर, जमशेद और स्मिता और अन्य परिजनों द्वारा संचालित किया जा रहा था।

अभी आदि गोदरेज संभाल रहे समूह के चेयरमैन का पद

अभी गोदरेज समूह के चेरयमैन आदि गोदरेज हैं, जबकि उनके भाई नादिर गादरेज इंडस्ट्रीज और गोदरेज एग्रोवेट के चेयरमैन हैं। वहीं चचेरे भाई जमशेद गोदरेज एंड बॉयस कंपनी के चेयरमैन हैं। जमशेद की बहन स्मिता और रिशद गोदरेज की भी गोदरेज एंड बॉयस में हिस्सेदारी है। इसी कंपनी के पास विक्रोली स्थित जमीन का मालिकाना हक है। कुछ साल पहले जमशेद ने जमीन के मालिकाना हक के बंटवारे पर निवेश बैंकर निमेश कंपानी और वकील जिया मोदी से सलाह मांगी थी। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक के उदय कोटक और लीगल फर्म सिरिल अमरचंद मंगलदास के सिरिल श्रॉफ आदि गोदरेज को सलाह दे रहे थे। संबंधित रेगुलेटरी मंजूरी के बाद ही समूह के पुर्गठन का काम शुरू होगा।

मेरा शरीर संकेत दे रहा, मैड्रिड ओपन में आखिरी बार खेलते हुए हार के बाद भावुक हुए नडाल

मैड्रिड, 01 मई (एजेंसियां) ।

सबसे ज्यादा 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रफेल नडाल मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में मिली हार के बाद भावुक हो गए।दरअसल, इस टूर्नामेंट और इस कोर्ट में वह आखिरी बार खेल रहे थे। पांच बार के मैड्रिड ओपन चैंपियन नडाल को 31वीं रैंकिंग वाले जिरि लेहेका ने 7-5, 6-4 से हराया।

हार के बाद नडाल ने कहा- यह मेरे लिए मुश्किलों भरा दिन है, लेकिन यही हकीकत है । मेरा शरीर और जिंदगी काफी समय से संकेत दे रहे हैं। मैं इस कोर्ट को अलविदा कह रहा हूं और मेरे लिए यह बहुत भावुक पल है। यहां की यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी।

नडाल के हमवतन स्पेन के ही कार्लोस अल्काराज तीन घंटे तक चले मैच में जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-7, 7-6 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। वहीं, शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनर ने 16वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव को 5-7, 6-3, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदव ने अलेक्जेंडर बुबलिक को 7-6, 6-4 से हराया।

महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने बीट्रिज हदाद माइया को 4-6, 6-0, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना अमेरिका की 18वीं वरीयता प्राप्त मेडिसन कीस से होगा। मेडिसन ने आठवीं वरीयता प्राप्त ओंस जबाउर को 0-6, 7-5, 6-1 से हराया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त बोपन्ना एबडेन की जोड़ी मैड्रिड मास्टर्स से बाहर

शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी पहले दौर में सेबेस्टियन कोरडा और जोर्डन थाम्पसन से अप्रत्याशित हार के बाद एटीपी मुटुआ मैड्रिड ओपन से बाहर हो गई। ऑस्ट्रेलियाई ओपन पुरूष युगल चैम्पियन बोपन्ना और एबडेन को एक घंटे 17 मिनट तक चले मैच में अमेरिका और आस्ट्रेलिया की जोड़ी से 7-6, 7-5 से पराजय झेलनी पड़ी।

पिछले साल बोपन्ना और एबडेन ने इंडियन वेल्स मास्टर्स जीता था और 43 वर्ष के बोपन्ना एटीपी मास्टर्स 1000 चैम्पियन बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने। दोनों विम्बलडन पुरुष युगल सेमीफाइनल और अमेरिकी ओपन फाइनल में पहुंचे थे।

न्यूज ब्रीफ

आक्रामक बल्लेबाजी से निपटने को गेंदबाजों को मानसिक रूप से तैयार रहना होगा,आउट करने के नये तरीके तलाशने होंगे : वरूण

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने कहा है कि आईपीएल में इस बार बल्लेबाजों के आक्रामक रुख का सामना करने के लिए गेंदबाज मानसिक रुप से तैयार नहीं थे जिसका उन्हें नुकसान हुआ है। वहीं 'इंपेक्ट प्लेयर के आने से बल्लेबाज और आक्रमक हो गये। ऐसे में गेंदबाजों को उन्हें रोकने के लिए नये तरीके तलाशने होंगे। वरुण ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में 16 रन देकर तीन विकेट लिए थे। वरुण ने कहा, 'इंपेक्ट प्लेयर नियम पिछले साल भी था पर बल्लेबाज तब इतने हावी नहीं थे। टीमें अब समझ गई हैं कि इंपेक्ट प्लेयर नियम का बेहतर उपयोग कैसे करना है। वे जानते हैं कि उनके पास अतिरिक्त बल्लेबाज है और वे पहली गेंद से ही प्रहार करना चाहते हैं। यह इसी तरह चल रहा है। उन्होंने कहा, 'गेंदबाज कितना भी दुखी हो, यह ऐसा ही है। हमें स्वीकार करना होगा कि यह आईपीएल अलग है और मानसिक रूप से इस चुनौती को स्वीकार करना होगा। इसके आप ज्यादा आप कुछ भी नहीं बदल सकते। चक्रवर्ती ने कहा कि ईडन गार्डन्स की पिच से दिल्ली के खिलाफ गेंदबाजों को अच्छी मदद मिली।

टाइगर्स और गढ़वाल डायमंड को पूरे अंक , उत्तराखंड और हिन्दुस्तान को क्रमश 2- 1 से हराया

नई दिल्ली। साहिल कुमार के निर्णायक गोल से दिल्ली टाइगर्स ने उत्तराखंड एफसी को 2 - 1 से हरा कर डीएसए सीनियर डिवीजन लीग में संघर्षपूर्ण जीत अर्जित की। दिन के दूसरे मुकाबले में हिंदुस्तान एफसी ने सूरज मंडल के गोल से बढ़त लेने के बावजूद गढ़वाल डायमंड के विरुद्ध (1- 2) से मैच गंवा दिया। गढ़वाल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच हर्ष बर्तवाल और अनुज रावत ने गोल जमाए। डीएसए सीनियर डिवीजन लीग मुकाबले में यहां विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दिल्ली टाइगर्स ने 15 वें मिनट में अक्षय हुरिया के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन अनुराग रावत ने हिसाब बराबर कर दिखाया । तत्पश्चात लंबी सीटी से ठीक पहले साहिल कुमार ने टाइगर के गोल कीपर स्पर्श चौधरी की चूक का फायदा उठाते हुए विजयी गोल दाग दिया। जीत से टाइगर्स ने आठ मैचों में आठ और उत्तराखंड ने छह अंक जुटाए हैं। गढ़वाल डायमंड ने आठ मैच खेल कर 13 और हिन्दुस्तान एफसी ने सात मैचों में 13 अंक बनाए हैं। गढ़वाल डायमंड और हिन्दुस्तान एफसी के मध्य खेला गया मैच रोमांच और तेज रफ्तार से खेला गया लेकिन खिलाड़ियों की मेहनत पर मैदान की दयनीय हालत और धूल उड़ाती तेज हवा ने पानी फेर दिया।

दिल्ली कैपिटल्स अब भी प्लेऑफ में पहुंच सकती है : होप्स

कोलकाता । दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स को अब भी भरोसा है कि उनकी टीम आईपीएल के प्ले ऑफ में पहुंचने में सफल रहेगी। कैपिटल्स की टीम को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था जिसके बाद उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं कम होने की बात कही गयी थी। वहीं टीम को गेंदबाजी कोच होप्स कहा उन्हें टीम के प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीद है। केकेआर के खिलाफ हार से दिल्ली की टीम छठे स्थान पर फिसल गयी और उसके पास अब तीन मैच ही हैं। उसे अगला मुकाबला 7 मई को घरेलू मैदान पर राजस्थान रॉयल्स से होगा। इसके बाद उसे बेंगलुरू में 12 मई को वह आरसीबी से खेलेगी। लीग में उनका अंतिम मैच 14 मई को घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ है। होप्स ने कहा, 'अब हमारे पास एक सप्ताह का ब्रेक है। हमारा भाग्य अब भी हमारे हाथों में है, आप यह कह सकते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर हम तीनों मैच जीत सकते हैं और 16 अंक हासिल कर सकते हैं और प्लेऑफ के लिए यह पर्याप्त रहेगा। हमारे पास अभी एक सप्ताह का ब्रेक है जहां हम फिर से बदलाव कर सकते हैं और देख सकते हैं कि क्या हमें किसी भी चीज के बारे में थोड़ा अलग सोचने की जरूरत है। 10 में से 5 मैच जीत चुकी दिल्ली के लिए केकेआर के खिलाफ जीत जरूरी थी।

पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराया

चेन्नई, 01 मई (एजेंसियां)।

जॉनी बेयरस्टो (46), राइली रुसो (43) की दमदार पारियों की बदौलत पंजाब किंग्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 49वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराया। पंजाब किंग्स की यह चौथी जीत और चेन्नई सुपर किंग्स की पांचवीं हार है।

पंजाब किंग्स के गेंदबाजों ने बेहतरीन गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा स्कोर बनाने से रोका और उसके बाद जॉनी बेयरस्टो और राइली रुसो शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। जॉनी बेयरस्टो ने 30गेंदों में सात चौके और एक छक्के की मदद से (46) रन बनाये। वहीं राइली रुसो ने 23 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (43) रनों की पारी खेली। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 10 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुये।

शशांक सिंह 27 और सैम करन 26 रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब ने 17.5 ओवर में तीन विकेट पर 163 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया।

चेन्नई की ओर से शार्दुल ठाकुर, रिचर्ड ग्लीसन और शिवम दूबे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (62) और अजिंक्य रहाणे (29) की शानदार पारियों के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने पंजाब किंग्स को जीत के लिए 163 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई की ऋतुराज गायकवाड़ और अजिंक्य रहाणे की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 64 रन जोड़े। हालांकि इस जोड़ी के बाद कोई बड़ी साझेदारी नहीं हो सकी।

नौवें ओवर में हरप्रीत बराड़ ने पहले अजिंक्य रहाणे 24 गेंदों में (29) और इसी ओवर में शिवम दूबे (शून्य) पर आउटकर पंजाब को दोहरी सफलता दिलाई। इसके बाद रवींद्र जडेजा (2) और समीर रिजवी (21) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। मोईन अली (15), एमएस धोनी(14) रन बनाकर आउट हुये। ऋतुराज गायकवाड़ ने 48 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुये सर्वाधिक (62) रन बनाये।

डैरिल मिचेल एक रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 162 रनों का स्कोर खड़ा किया। पंजाब किंग्स की ओर से हरप्रीत बराड़ और राहुल चाहर ने दो-दो विकेट लिये। कगिसो रबाडा और अर्शदीप सिंह एक-एक विकेट मिला।

चार भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे पदक पक्का

अस्ताना, 01 मई ।

भारतीय युवा मुक्केबाज आर्यन, यशवर्धन सिंह, प्रियांशु और साहिल ने कजाकिस्तान के अस्ताना में एएसबीसी एशियन अंडर-22 और यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2024 में आत्मविश्वास से भरी जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया और अपने लिए पदक पक्का कर लिया। आर्यन ने 51 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान के जुराव शकरबॉय के खिलाफ 5-0 के सर्वसम्मत निर्णय से जीत के साथ भारत को बेहतरीन शुरुआत दी। उनकी जीत के बाद यशवर्धन (63.5 किग्रा) ने जीत हासिल की, जिन्होंने ईरान के मिरहमादी बाबाहेदरी पर 4-1 से जीत हासिल की। दूसरी ओर, प्रियांशु (71 किग्रा) और साहिल (80 किग्रा) को जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा और उन्होंने क्रमश: चीनी ताइपे के वू यू एन और तुर्कमेनिस्तान के यकलीमोव अब्दिरहमा के खिलाफ रेफरी स्टॉप द कॉन्टेस्ट (आरएससी) के फैसले के साथ मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस बीच, जतिन ने 57 किग्रा वर्ग में अपना अभियान उज्बेकिस्तान के ए नोदिरबेक के खिलाफ 1-4 से हार के साथ समाप्त किया।

टी20 विश्व कप के लिए श्रीलंकाई गेंदबाजों को ट्रेनिंग देंगे वसीम अकरम

कोलंबो। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप से पहले श्रीलंकाई गेंदबाजों को पाकिस्तान क्रिकेट के दिग्गज वसीम अकरम द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने घोषणा की कि पूर्व तेज गेंदबाज राष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए श्रीलंका पहुंचे। शुरू होने वाले अपने कोचिंग सत्र के दौरान, अकरम एसएलसी हाई परफॉर्मेंस कोच (एचपीसी) और प्रमुख क्लबों के कोचों को भी प्रशिक्षित करेंगे। एसएलसी ने कहा, कुल मिलाकर, अकरम एसएलसी पेस अकादमी, एचपीसी और प्रमुख क्लब कोचों को कवर करते हुए पांच सत्र आयोजित करेंगे। वह आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए श्रीलंका के राष्ट्रीय खिलाड़ियों की तैयारी का भी निरीक्षण करेंगे।

बुमराह की तरह गेंदबाजी करते हैं आरसीबी के नेट गेंदबाज महेश कुमार, आरसीबी ने जारी किया वीडियो

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां) ।

आईपीएल में एक नेट गेंदबाज महेश कुमार चर्चाओं में बने हैं। महेश वैसे तो एक नेट गेंदबाज हैं पर उनका एक्शन भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तरह नजर आता है। इसी को देखते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपने इस नेट गेंदबाज महेश का एक वीडियो जारी किया है। इसमें महेश गेंदबाजी कर रहे हैं। इस दौरान ऐसा लग रहा था जैसे कि बुमराह गेंदबाजी कर रहे हों। इंडियन डॉमेस्टिक क्रिकेट फोरम के सोशल मीडिया हैंडल पर यह वीडियो है। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, महेश कुमार आरसीबी के लिए आईपीएल 2024 में नेट बॉलर हैं।

वहीं रिपोर्ट्स के अनुसार महेश कुमार आरसीबी से पहले गुजरात टाइटंस के लिए नेट्स में गेंदबाजी करते थे। गुजरात के लिए गेंदबाजी करते हुए ही महेश कुमार का वीडियो भी साझा किया गया है। इसलिए वह गुजरात टाइटंस के अभ्यास की जर्सी में दिख रहे हैं। हालांकि वह काफी पहले से ही आरसीबी के साथ जुड़े हुए हैं पर उन्हें कोई बड़ा अवसर नहीं मिल पाया है।

महेश अपनी सटीक यॉर्कर के कारण भी जूनियर बुमराह के नाम से जाने जाते रहे हैं हालांकि अब तक उन्हें किसी बड़े स्तर पर पहचान नहीं मिल पाई है। ऐसे में उम्मीद की जाती है कि आगे आने वाले समय में महेश अपनी गेंदबाजी को और बेहतर करेंगे और बड़े स्तर पर उन्हें अवसर मिलेगा। महेश कर्नाटक के रहने वाले हैं।

खतरे में सूर्यकुमार की कुर्सी, बाबर आजम ने लगाई लंबी छलांग, यशस्वी ने टॉप-10 में बनाई जगह

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां) ।

आईसीसी ने बल्लेबाजों की टी20 रैंकिंग जारी की। पाकिस्तान टीम के फिर से नियुक्त किए गए कप्तान बाबर आजम ने लंबी छलांग लगाई है। आईसीसी टी20 की रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, भारत स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पहले स्थान पर बरकरार हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन करने का फायदा बाबर आजम को मिला। 2-2 से बाहर हुई सीरीज में बाबर आजम ने 31 की औसत और 138 की स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए। बाबर आजम के 763 प्वाइंट हो गए हैं। बाबर आजम पिछले साल नंबर वन पर थे, हालांकि सूर्यकुमार यादव ने उनसे यह कुर्सी छीन ली थी।

यशस्वी जायसवाल की टॉप-10 में हुई एंट्री - वहीं, इंग्लैंड के फिल सॉल्ट 802 प्वाइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान 784 प्वाइंट्स के साथ तीसरे स्थान काबिज हैं। साउथ अफ्रीका के एडेन मार्करम को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वह एक स्थान नीचे पांच पर पहुंच गए हैं। छठे नंबर पर भारत के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल मौजूद हैं। टॉप टेन में सूर्या और जायसवाल के अलावा कोई और भारतीय खिलाड़ी अपनी जगह नहीं बना सका है।

आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग

- सूर्यकुमार यादव - 861
- फिल सॉल्ट - 802
- मोहम्मद रिजवान - 784
- बाबर आजम - 763
- एडेन मार्करम - 755
- यशस्वी जयसवाल - 714
- रिले रोसौव - 689
- जोस बटलर - 680
- रीज़ा हेंड्रिक्स - 660
- डेविड मलान - 657

रवि बिश्नोई और अक्षर पटेल का भी नाम शामिल - गेंदबाजों की टी20 रैंकिंग की बात करें तो इंग्लैंड के आदिल राशिद पहले स्थान पर हैं। टॉप टेन में दो भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। अक्षर पटेल 660 प्वाइंट्स के साथ चौथे स्थान पर, जबकि रवि बिश्नोई 659 प्वाइंट्स के साथ छठे स्थान पर काबिज हैं।

भारत ओलंपिक के लिए रिकर्व टीम कोटा सुरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है : धीरज बोम्मदेवरा

नई दिल्ली, 01 मई (एजेंसियां) ।

पेरिस 2024 ओलंपिक में कोटा स्थान हासिल करने वाले एकमात्र भारतीय रिकर्व तीरंदाज धीरज बोम्मदेवरा का मानना है कि भारत के पास पेरिस में पदक की मजबूत संभावनाएं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि तीरंदाज लगातार टीम कोटा सुरक्षित करने का प्रयास करते हैं। बोम्मदेवरा उस तिकड़ी का हिस्सा थे जिसने इस सप्ताह की शुरुआत में शंघाई में तीरंदाजी विश्व कप चरण 1 में 14 साल बाद विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

उन्होंने दूसरा विश्व कप पदक जीता जब उन्होंने अंकिता भकत के साथ मिलकर मिश्रित टीम स्पर्धा में मेक्सिको को सीधे सेटों में हराकर कांस्य पदक जीता। हांगझोउ एशियाई खेलों के टीम रजत विजेता ने साई मीडिया को बताया, संभावनाएं काफी अधिक हैं। हम व्यक्तिगत कोटा को टीम कोटा में बदलने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, इसलिए हम इसके लिए लगातार काम कर रहे हैं, इसके लिए योजना बना रहे हैं और जितना संभव हो उतने टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। हमारी पहली प्राथमिकता टीम कोटा प्राप्त करना है हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए एक सरल मानसिकता के साथ जाएंगे।

बाकी हमारे हाथ में नहीं है। हमें हर चीज के लिए तैयार रहना होगा और उसके अनुसार प्रदर्शन करना होगा। धीरज, अनुभवी तरूणदीप राय और प्रवीण रमेश जाधव की भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने खिताबी दौर में कोरिया को हराकर 14 साल बाद रिकर्व स्वर्ण पदक हासिल किया। आखिरी बार भारतीय पुरुषों ने 2010 में शंघाई में तीरंदाजी विश्व कप स्वर्ण पदक जीता था। जब उनसे विश्व कप चरण में 14 साल बाद ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने और कोरिया के खिलाफ अंतिम शूट-ऑफ के दौरान टीम की मानसिकता के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, हम सभी खुश हैं।

हम सभी की योजना, जो मानसिकता थी, उसे क्रियान्वित किया गया और हमने उसे अंत तक बनाए रखा। उन्होंने आगे कहा, पुरुष टीम में किसी के पास तरुणदीप राय जैसा अनुभव नहीं है। तरुण भैया जो कुछ भी साझा करते हैं वह टीम के लिए एक बड़ी सीखने की प्रक्रिया है। इससे हमें सामरिक या दार्शनिक दृष्टिकोण से बहुत मदद मिलती है। उनके पास हर चीज को अपनाने का अनुभव भी है। हमें उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

तरुण (भैया) भी मेरी उम्र के युवा तीरंदाजों के खिलाफ लड़ने के लिए खुद को प्रेरित करते हैं, एक वरिष्ठ तीरंदाज के समर्पण को देखकर हमें बहुत प्रेरणा मिलती है। विश्व कप में इतनी सफलता के बावजूद ओलंपिक पदक जीतने में विफलता पर विचार करते हुए, बोम्मदेवरा ने कहा, हमारे तीरंदाज जिन्होंने पहले ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा की है, उन्होंने समर्पण दिखाया है और इसमें कोई संदेह नहीं है कि उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। जब तक हमें पदक नहीं मिलता है, निश्चित रूप से, हर किसी को बुरा लगता है, खेलने वालों को भी और देखने वालों को भी। सबसे बुरा उन लोगों को लगता है जिन्होंने समर्पित होकर कड़ी मेहनत की थी।

सिंध में जबरन हो रहा हिंदू लड़कियों का धर्म परिवर्तन पाकिस्तान की सीनेट में दानेश पलयानी का दावा

इस्लामाबाद, 01 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तानी हिंदू नेता और सीनेट के सदस्य दानेश कुमार पलयानी ने सिंध प्रांत में गंभीर मानवाधिकार संकट पर चिंता जताते हुए कहा कि हिंदू समुदाय की लड़कियों को जबरन इस्लाम में परिवर्तित किया जा रहा है।

हिंदू लड़कियों का जबरन धर्म परिवर्तन हो रहा-पलयानी - दानेश कुमार पलयानी ने कहा कि कुछ अराजक तत्वों द्वारा हिंदू लड़कियों से जबरन इस्लाम धर्म कबूल करवाया जा रहा है। जिन इलाकों में हिंदू बसे हुए हैं, वहां लड़कियों का धर्म परिवर्तन किया जा रहा है। सीनेट में अपनी बात रखते हुए पलयानी ने कहा कि पाकिस्तान हमें यह अधिकार देता है कि कोई भी किसी को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि कुरान में भी इस बात का जिक्र किया गया है कि धर्म में कोई जबरदस्ती नहीं होनी चाहिए। इसके बाद भी कुछ लोगों को पाकिस्तान के संविधान और यहा तक कि कुरान शरीफ पर भी विश्वास नहीं है।

पलयानी ने सरकार पर साधा निशाना - पाकिस्तानी हिंदू नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हिंदुओं की बेटियां कोई लूट का माल नहीं है, जिनका कोई भी जबरन धर्म परिवर्तन करवाए। उन्होंने दो साल पर प्रिया कुमारी नाम की बच्ची के अपहरण का जिक्र करते हुए कहा कि सिंध में हिंदू लड़कियों को जबरन धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। दानेश कुमार ने कहा कि पाकिस्तान सरकार ऐसे लोगों के खिलाफ कोई भी सख्त कदम नहीं उठा रही, जिनकी वजह से देश का नाम बदनाम हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान के संविधान, यहां तक कि पवित्र कुरान में भी लिखा है कि जबरन धर्म परिवर्तन कराना गलत है।

संयुक्त राष्ट्र ने भी जताई थी चिंता - इससे पहले 11 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र ने भी पाकिस्तान के अल्पसंख्यक इलाकों से गायब हो रही युवतियों और महिलाओं के मामले पर चिंता जताई थी। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कहा था कि पाकिस्तान में ईसाई और हिंदू लड़कियों को जबरन धर्म परिवर्तन की आग में झोंका जा रहा है। अल्पसंख्यक बहुल इलाकों की लड़कियों को धर्म परिवर्तन, अपहरण, बाल विवाह और मानव तस्करी जैसे अपराधों का सामना करना पड़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिटेन के लिए छात्र वीजा पर सख्त नियमों का दिखा असर, विद्यार्थियों के साथ आने वाले आश्रितों की संख्या घटी

लंदन । ब्रिटेन में छात्र वीजा को लेकर इस साल सख्त नियम जारी किए गए हैं। ऐसे में अब विदेशी छात्रों के साथ जाने वाले आश्रितों की संख्या में महत्वपूर्ण गिरावट देखने को मिली है, जिसका यूके सरकार ने स्वागत किया है। ब्रिटेन के गृह विभाग का कहना है कि पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से लेकर मार्च के महीने में छात्रों के साथ आने वाले आश्रितों की संख्या में 80 प्रतिशत तक गिरावट देखने को मिली है। इसके अलावा दुनियाभर से 26,000 से कम छात्रों ने वीजा के लिए आवेदन किया है। बीते कुछ वर्षों में वीजा आवेदन के मामले में भारतीय छात्र अगृणी रहे हैं लेकिन इस बार के आंकड़े कुछ अलग कहानी बयां कर रहे हैं। वीजा आवेदन में गिरावट का मतलब है कि इस बार कम भारतीय छात्रों ने यूके के विश्वविद्यालयों को चुना है। 'छात्र वीजा को लेकर खत्म हुआ 'बैकडोर' सिस्टम' जनवरी से प्रभावी नियमों के तहत रिसर्च कोर्स करने वाले छात्रों को छोड़कर अधिकांश छात्र अपने परिवार के सदस्यों को स्टूडेंट वीजा पर साथ नहीं ला सकते। इसके अलावा वे अपना कोर्स पूरा करने से पहले वीजा नहीं बदल सकते। इस बारे में यूके सरकार का दावा है कि पहले बाहर से आने वाले छात्रों को बैकडोर से वीजा मिल जाते थे, जिनका जमकर दुरुपयोग किया गया। सरकार का दावा है कि 'शिक्षा की जगह अप्रवासन' बेचने वाले ऐसे संस्थानों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। अप्रवासियों की संख्या लगातार बढ़ रही थी- जेम्स क्लेवरली इस मामले में ब्रिटन के गृह सचिव जेम्स क्लेवरली का कहना है कि छात्र वीजा की वजह से देश में अप्रवासियों की संख्या लगातार बढ़ रही थी और इससे ब्रिटिश लोगों का सरकार से विश्वास उठ रहा था। दरअसल बढ़ती जनसंख्या की वजह से देश की सार्वजनिक सेवाओं पर बोझ पड़ रहा था और लोगों को उनकी मेहनत के मुताबिक वेतन नहीं मिल रहा था। जेम्स क्लेवरली ने कहा कि इसके बाद उनके कार्यालय द्वारा छात्र वीजा के संबंध में आंकड़े जारी किए गए। उन्होंने आगे कहा कि उनके द्वारा कानूनी प्रवासन में अब तक की सबसे बड़ी कटौती करने का वादा किया गया था। इस संबंध में बिना समय गंवाए कार्रवाई शुरू की गई। क्लेवरली ने कहा कि कार्रवाई का असर दिखा और अप्रवासियों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। यह दर्शाता है कि आश्रितों की संख्या में कटौती के लिए आवश्यक कार्रवाई क्यों की गई। ब्रिटेन के गृह विभाग के आंकड़े आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2019 से 2023 के बीच छात्र वीजा पाने वाले भारतीयों की संख्या में 85,849 की वृद्धि हुई थी। यह अब तक का उच्चतम आंकड़ा था। 2023 में भारत के 1,20,110 छात्रों को वीजा प्रदान किया गया, जो कि 2022 की तुलना में 14 प्रतिशत कम था। 2024 में जनवरी से लेकर मार्च महीने के बीच छात्रों के साथ आने वाले आश्रितों की संख्या में 80 प्रतिशत तक गिरावट देखने को मिली है। जेम्स क्लेवरली ने कहा है कि कड़े वीजा मानदडों की वजह से यह गिरावट देखने को मिली है।

श्रीलंका में रोमांचक मोड़ लेगा राष्ट्रपति चुनाव, विक्रमसिंघे - राजपक्षे के बीच हो सकती है चुनावी जंग

कोलंबो । श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव नजदीक आ रहा है और इसे लेकर राजनीति में अभी से हलचल देखने को मिल रही है। इस बीच खबर है कि राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे भी चुनाव में पुनर्निर्वाचन के लिए अपनी दावेदारी पेश कर सकते हैं। अगर विक्रमसिंघे अपनी दावेदारी पेश करते हैं, तो उन्हें अपनी ही कैबिनेट के साथी रहे विजयदासा राजपक्षे से चुनौती मिल सकती है। बता दें कि राजपक्षे वर्तमान में श्रीलंका के कानून मंत्री का पद संभाल रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना ने क्या कहा श्रीलंका फ्रीडम पार्टी (एसएलएफपी) के अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना का कहना है कि 65 साल के विजयदासा राजपक्षे 15 नवंबर से पहले होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में उनकी पार्टी के उम्मीदवार होंगे। सिरिसेना ने कहा कि एसएलएफपी के लिए राजपक्षे एक उपयुक्त प्रत्याशी हैं। एसएलपीपी के सदस्य रह चुके हैं राजपक्षे इससे पहले राजपक्षे श्रीलंका पोदुजना पेरामुना (एसएलपीपी) पार्टी के सदस्य रह चुके हैं, जो कि अब टूट चुकी है। इस पार्टी में महिंदा राजपक्षे के प्रति वफादार यूनाइटेड पीपुल्स फ्रीडम अलायंस के नेताओं का जमावड़ा था। एसएलपीपी के नेताओं के एक टीम की अगुवाई 75 वर्षीय विक्रमसिंघे कर रहे हैं। इसके अलावा पार्टी के दूसरे सदस्य विपक्ष के नेता साजिथ प्रेमदासा के नेतृत्व वाले राजनीतिक गठबंधन समागी जना बालवेगया (एसजेबी) के साथ जुड़े हुए हैं। यहां खास बात यह भी है कि एसएलपीपी द्वारा इस बार के चुनावों में उम्मीदवार खड़ा करने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही। दरअसल 2022 में पार्टी का बड़े पैमाने पर विरोध किया गया था, जब श्रीलंका में आर्थिक संकट के लिए प्रदर्शनकारियों ने राजपक्षे परिवार को दोषी ठहराया था।

फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन तेज, कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारियों ने हॉल कब्जाया, बुलानी पड़ी पुलिस

वॉशिंगटन, 01 मई (एजेंसियां) ।

हमास और इजराइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर अमेरिका में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। देशभर में लोग इजराइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। यह विरोध विश्वविद्यालयों तक पहुंच गया है। करीब दो सप्ताह से चल रहे प्रदर्शनों से कॉलेज प्रशासन परेशान हैं। इस बीच, सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने कोलंबिया विश्वविद्यालय के हैमिल्टन हॉल पर कब्जा कर लिया। चेतावनी देने के बाद भी फलस्तीनी समर्थक पीछे हटने को तैयार नहीं हुए। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई कर हैमिल्टन हॉल को खाली कराया।

न्यूयॉर्क पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि विश्वविद्यालय के अध्यक्ष ने पहले खुद परिसर में सुरक्षा सुनिश्चित करने और व्यवस्था बहाल करने की कोशिश की। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को परिसर खाली करने की चेतावनी दी, लेकिन कोई पीछे नहीं हटा। इसके बाद पुलिस से मदद मांगी गई।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने सख्ती करते हुए कोलंबिया विश्वविद्यालय के हैमिल्टन हॉल से 30 से 40 प्रदर्शनकारियों को बाहर निकाला और परिसर को खाली कराया। बताया जा रहा है कि 17 मई तक अब कॉलेज पुलिस की कड़ी निगरानी में रहेगा।

बता दें, कोलंबिया में अप्रैल महीने की शुरुआत में विरोध-प्रदर्शन शुरू हुए। अब यह विरोध-प्रदर्शन कैलिफोर्निया से लेकर मैसाचुसेट्स तक फैल गए हैं। वहीं, प्रशासन को प्रदर्शनकारियों को हटाने का दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

अब तक क्या कुछ हुआ-

- अमेरिका के विश्वविद्यालयों में फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शन और तेज हो गए हैं। यहां पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारी एक और सप्ताह जारी रही।
- हार्वर्ड विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारियों ने, जहां अमेरिका का झंडा लगा होता है, वहां फलस्तीनी झंडा लगाया।
- इसके अलावा, हिल्टन होटल में व्हाइट हाउस के पत्रकारों का भोज होना था। यहां जो बाइडन के रात्रिभोज को संबोधित करने की उम्मीद थी। कार्यक्रम से पहले यहां फलस्तीनियों का समर्थन कर रहे लोग पहुंच गए। इनमें से कुछ ने होटल की सबसे ऊपरी मंजिलों में से एक पर फलस्तीनी झंडा लगा दिया। घटनास्थल पर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने इस पर तालियां बजाईं।
- प्रदर्शनकारियों ने फलस्तीनी केफिए और तरबूज के प्रतीक वाले कपड़े पहने थे। उन्होंने वाशिंगटन हिल्टन के बाहर फलस्तीनी मुक्त के नारे लगाए। साथ ही कहा कि हम कवरेज की मांग करते हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि इजराइल और गाजा की खबरों को अधिक से अधिक दिखाने के मकसद से यह प्रदर्शन किया जा रहा है।
- पुलिस ने चार अलग-अलग विश्वविद्यालयों के परिसरों से करीब लगभग 275 लोगों को गिरफ्तार किया। बता दें, बोस्टन में नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी से 100, सेंट लुइस में वाशिंगटन विश्वविद्यालय से 80, एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी से 72 और इंडियाना विश्वविद्यालय से 23 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।
- यूसीएलए में इजराइल और फलस्तीनी समर्थकों के बीच झड़पों की सूचना मिली थी, जहां पिछले सप्ताह एक टेंट शिविर तैयार किया गया था।
- राष्ट्रपति जो बाइडन ने राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर संज्ञान लिया। व्हाइट हाउस का कहना है कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से किए जाने चाहिए।

- प्रदर्शनकारी लगातार हमास-इजराइल युद्ध में संघर्ष विराम को लेकर आह्वान कर रहे हैं। इन लोगों का कहना है कि देश ऐसे लोगों से संबंध खत्म कर दे, जिनका कहना है कि गाजा में संघर्ष से लाभ होता है।
- विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए यह विरोध-प्रदर्शन एक बड़ी चुनौती बन गए हैं। प्रशासन शिकायतों के साथ स्वतंत्र अभिव्यक्ति के प्रति प्रतिबद्धताओं को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है।
- जो बाइडन ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बात की। इस दौरान, उन्होंने गाजा सीमावर्ती शहर राफा पर संभावित हमले पर अपनी स्थिति स्पष्ट की।
- हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 30000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

रूस ने ओडेसा में किया मिसाइल हमला, पांच लोगों की मौत, हैरी पॉटर कैसल भी तबाह

कीव, 01 मई (एजेंसियां) ।

रूस और यूक्रेन के बीच 26 महीने से अधिक समय से युद्ध जारी है। फिलहाल, यह जंग थमती नजर नहीं आ रही है। इस बीच, एक बार फिर रूस की तरफ से मिसाइल हमला किए जाने की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, काला सागर के बंदरगाह शहर ओडेसा में मिसाइल हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इस हमले में कई आवासीय भवनों सहित नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

पहले भी किया था हमला

अधिकारियों के अनुसार, इससे पहले रूसी सीमा से सिर्फ 30 किलोमीटर दूर स्थित यूक्रेनी शहर खार्किव पर ग्लाइड बमों से हमला किया गया था। उस हमले में दो नागरिक घायल हो गए थे। इस हमले में एक बहुमंजिला आवासीय इमारत भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। यूक्रेन दो वर्षों से अधिक समय से रूसी आक्रमण को रोक रहा है। रूसी सेना आए दिन खार्किव और ओडेसा के प्रमुख शहरों पर मिसाइलें और ड्रोन दागती रहती है। कई बम विस्फोट हुए यूक्रेन के एक अधिकारी ने हमले का वीडियो जारी किया है। इसमें देखा जा सकता है कि किस तरह समुद्र के किनारे एक के बाद एक कई बम विस्फोट हुए। इससे भगदड़ मच गई। रिपोर्ट के अनुसार, रूस के हमले में तबाह हुए भवनों में एक शैक्षणिक संस्थान भी था, जिसे बोलचाल की भाषा में हैरी पॉटर कैसल के रूप में जाना जाता था। अधिकारियों ने इसके टावर और छतों की जलती हुई तस्वीरें भी साझा की हैं।

मिसाइल का मलबा बरामद

अधिकारियों ने बताया कि हमला इस्कैंडर बैलिस्टिक मिसाइल से किया गया था। महाभियोजक एंड्री कोस्टिन ने बताया कि मिसाइल का मलबा और धातु के टुकड़े बरामद हुए हैं। उन्होंने कहा कि दुख की बात यह है कि घायलों में दो बच्चे और एक गर्भवती महिला थी।

20 भवनों को पहुंचा नुकसान

कोस्टिन ने कहा कि करीब 20 आवासीय भवनों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा है। इससे हालात और बिगड़ गए। एक अलग घटना को लेकर रूसी अधिकारियों ने क्रीमिया में यूक्रेन द्वारा किए गए मिसाइल और ड्रोन हमले को रोकने में सफलता का दावा किया है।

सिंगापुर के लोग भारत और चीन के साथ जातीय जड़ों को नकार नहीं सकते, मई दिवस रैली में बोले पीएम ली

सिंगापुर, 01 मई ।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग 15 मई को अपने पद से इस्तीफा देंगे। लूंग ने अपने अंतिम भाषण में एकजुटता की अपील की और कहा कि सिंगापुर के लोग चीन और भारत के साथ अपनी जातीय जड़ों को नकार नहीं सकते हैं। बता दें, लूंग की जगह उप प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग लेंगे।

सामाजिक मेलजोल काफी अहम

मई दिवस रैली के दौरान ली ने कहा, सामाजिक मेलजोल काफी अहम है। नस्ल, भाषा और धर्म पारंपरिक तौर पर सिंगापुर से अलग नहीं हो सकता। सिंगापुर की साझा पहचान के लिए काफी कोशिशें की गई हैं और देश हमेशा बाहरी ताकतों का सामना करेगा, जो कि अपनी आबादी के अलग-अलग वर्गों को अलग दिशाओं में खींचते हैं। प्रधानमंत्री ली ने कहा, हम अपनी विविध जातीय जड़ों और धार्मिक लगाव को खत्म नहीं कर सकते, जिनमें चीन के साथ चीनी सिंगापुरी, भारत में अपने विभिन्न पैतृक घरों वाले भारतीय सिंगापुरी, हमारे शेष क्षेत्र के मलय और वैश्विक मुस्लिम उम्मा शामिल हैं।

ऐतिहासिक धरोहरों को खोना नहीं चाहते

72 साल के ली ने कहा कि यह खतरा हो सकते हैं, लेकिन फिर भी हम इन समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों को खोना नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि नस्लीय और धार्मिक सद्भाव प्रगति पर एक काम जारी रहेगा, लेकिन सिंगापुर को अन्य संभावित विभाजनों के प्रति भी सचेत रहना चाहिए। सिंगापुर की प्रणाली विश्वास के मजबूत आधार पर टिकी हुई उन्होंने कहा कि सिंगापुर की प्रणाली विश्वास के मजबूत आधार पर टिकी हुई है, पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) सरकार इसे बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।

ताइवान से जारी विवाद के बीच चीन के सबसे उन्नत विमानवाहक पोत का परीक्षण शुरू, ड्रैगन की बढ़ेगी ताकत

बीजिंग, 01 मई (एजेंसियां) ।

चीन ने अपने सबसे उन्नत और तीसरे विमानवाहक पोत फुजियान का समुद्री परीक्षण शुरू कर दिया है। फुजियान के चीनी सेना में शामिल होने के बाद ड्रैगन की ताकत काफी ज्यादा बढ़ जाएगी। ताइवान और दक्षिण चीन सागर में जारी विवाद के बीच चीन ये परीक्षण कर रहा है। शुरू हो रहे परीक्षण में पोत के स्थायित्व, और इलेक्ट्रिक सिस्टम का प्राथमिक तौर पर परीक्षण किया जाएगा। चीन ने साल 2022 में फुजियान विमानवाहक पोत को लॉन्च किया था। अभी तक फुजियान पोत अपने मूरिंग परीक्षण और अन्य तकनीकी परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर चुका है। दक्षिण चीन सागर में कई देशों से ही चीन का विवाद विमानवाहक पोत

के परीक्षण के चलते चीन ने यांग्जी नदी में यातायात परिवहन रोक दिया है। याग्जी नदी में यातायात परिवहन पर रोक 9 मई तक जारी रहेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन साल 2035 तक दक्षिण चीन सागर में पांच या छह विमानवाहक पोतों की तैनाती का लक्ष्य लेकर चल रहा है। दक्षिण चीन सागर में चीन का कई देशों के साथ विवाद चल रहा है। चीन, दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा जताता है। इस वजह से चीन का फिलीपींस, मलेशिया, ब्रूनेई और ताइवान के साथ सीमा विवाद चल रहा है। दक्षिण चीन सागर में चीन की नौसेना कई बार फिलीपींस के नौसैनिक जहाजों को रोक चुकी है। फुजियान चीन का सबसे उन्नत विमानवाहक पोत चीन अपने विमानवाहक पोतों का नाम अपने राज्यों के नाम पर रखता है। फुजियान प्रांत ताइवान जलडमरूमध्य की सीमा पर स्थित चीन का राज्य है। इसके अलावा चीन के पहले दो विमानवाहक पोत लियोनिंग और शानडोंग हैं। चीन का पहला विमानवाहक पोत लियोंनिंग था, जिसे साल 2012 में कमीशन किया गया था। लियोंनिंग सोवियत काल के विमानवाहक पोत का उन्नत संस्करण था। चीन का दूसरा विमानवाहक पोत शानडोंग साल 2019 में कमीशन हुआ। फुजियान एक इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम है, जिसे चीन में ही विकसित किया गया है। यह अमेरिका के आधुनिक विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर.फोर्ड जैसा ही है।

पूर्व पीएम इमरान खान की मुश्किलें हो सकती हैं कम, हाईकोर्ट ने माना- साइफर मामले में नहीं है कोई सबूत

इस्लामाबाद, 01 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राहत मिलने की उम्मीद है। दरअसल, इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के पास इस बात का कोई सबूत नहीं है कि जेल में बंद खान के पास गोपनीय दस्तावेज (साइफर) था और यह उनके पास से गायब हुआ।

71 वर्षीय खान और तत्कालीन विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने साइफर मामले में आरोप सिद्ध होने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिस पर फिर से सुनवाई शुरू हुई इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब की खंडपीठ ने सवाल किया कि क्या एजेंसी के पास कोई सबूत है, जो साबित कर सके कि पूर्व पीएम के पास गुप्त दस्तावेज थे।

क्या है गोपनीय दस्तावेज लीक मामला

साल 2022 मार्च में अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले एक जनसभा के दौरान पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान ने जेब से एक कागज निकालकर लहराया था और दावा किया था कि उनकी सरकार गिराने के लिए अंतरराष्ट्रीय साजिश रची जा रही है। आरोप

है कि साल 2022 में वॉशिंगटन से पाकिस्तान स्थित दूतावास में एक केबल भेजा गया था, जो लीक हो गया और इमरान खान ने कथित तौर पर उसे ही जनसभा के दौरान लहराया था। हालांकि बाद में पूछताछ के दौरान इमरान खान ने गोपनीय दस्तावेज के रैली में लहराने से इनकार किया था। इमरान ने ये भी कहा कि उनसे वह गोपनीय दस्तावेज गुम हो गया है और उन्हें याद नहीं आ रहा है कि उन्होंने उसे कहां रख दिया है। इसी मामले में खान और उनकी सरकार में विदेश मंत्री रहे शाह महमूद कुरैशी को 10 साल की कैद की सजा सुनाई गई थी।

बचाव पक्ष के वकील ने रखी यह बात

रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले बचाव पक्ष के वकील बैरिस्टर सलमान सफदर द्वारा इस्लामाबाद हाईकोर्ट को सौंपी गई विदेश मंत्रालय की एक रिपोर्ट में संकेत दिया गया था कि साइफर लेने वाले पूर्व सेना प्रमुख और मुख्य न्यायाधीश समेत लगभग हर व्यक्ति ने गोपनीय दस्तावेज लौटा दिए जबकि खान के खिलाफ मामला दर्ज हो गया।

विशेष अभियोजक और मुख्य न्यायाधीश के बीच हुई बहस

जबकि विशेष अभियोजक हामिद अली शाह ने विदेश मंत्रालय से पीएम कार्यालय तक साइफर मामले को समझाया। इसपर मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक ने पूछा, क्या आपके पास साइफर से जुड़ा कोई रिकॉर्ड है, जो यह साबित करता हो कि प्रधान सचिव ने प्रधानमंत्री को यह दस्तावेज दिया गया था

इस पर शाह ने जवाब दिया कि आजम खान तब प्रधान सचिव थे। उन्होंने अदालत में गवाही दी थी उन्होंने पीटीआई प्रमुख को साइफर सौंपा था, लेकिन उन्होंने इसे वापस कभी नहीं लौटाया। वहीं, मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हम मानते हैं कि यह अफवाह है।

इस पर शाह ने कहा कि अदालत के पास यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री के पास साइफर था। इस पर फारूक ने कहा, हम इस बात को कैसे मान लें कि गुप्त दस्तावेज को वापस नहीं लौटाया गया

शाह ने कहा कि मामले के गवाहों ने शपथ लेकर कहा था कि खान ने गोपनीय दस्तावेज कभी नहीं लौटाए। उन्होंने कहा कि एक सार्वजनिक भाषण और एक निजी टेलीविजन चैनल के साथ एक साक्षात्कार के दौरान, खान ने स्वीकार किया था कि साइफर उनके पास था।

न्यायमूर्ति औरंगजेब ने टिप्पणी की कि राजनेता भीड़ को लुभाने के लिए इस तरह के बयान देते रहते हैं। उन्होंने राज्य सरकार के वकील से कहा कि वह अदालत को बताएं कि आजम खान के कथित अपहरण पर दर्ज प्राथमिकी का क्या हुआ और वकील को दो मई तक प्राथमिकी में चालान या डिस्चार्ज रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

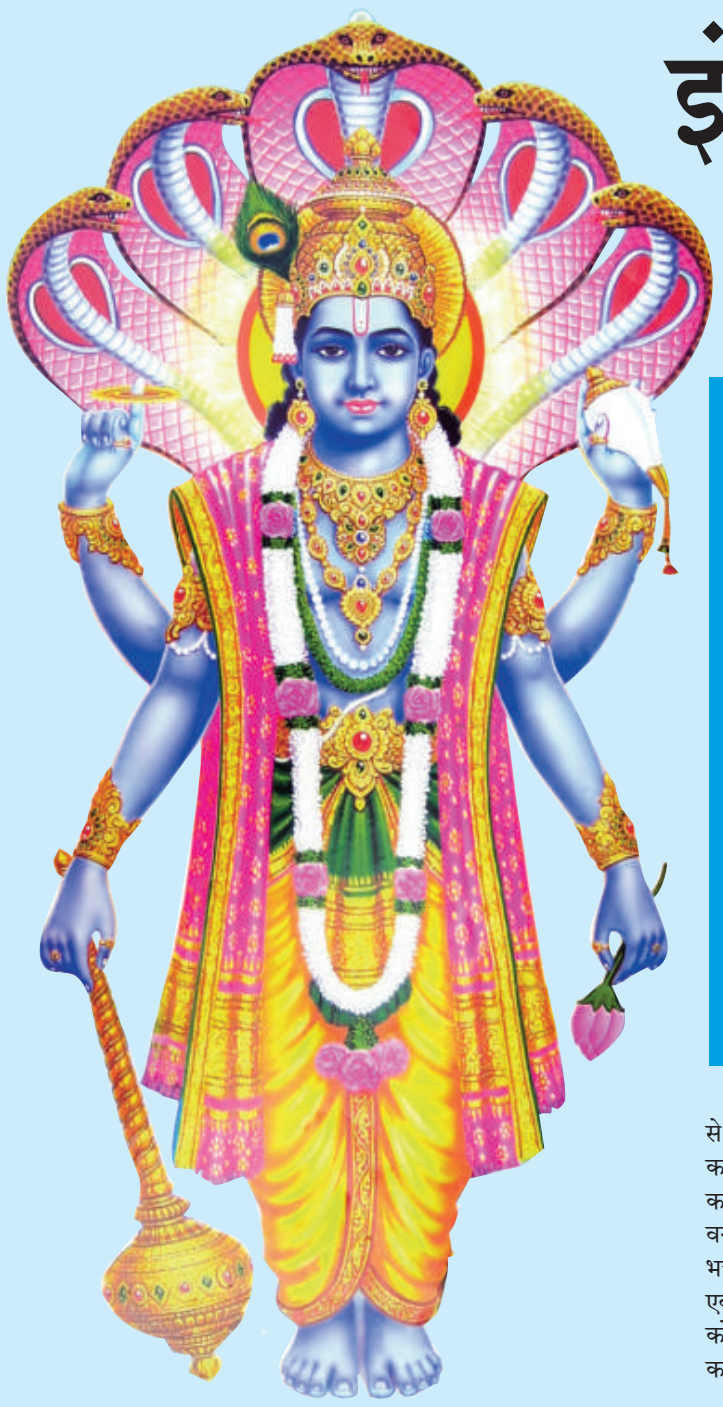

इंद्र योग और वैधृति योग में 4 मई को मनाई जायेगी वरुथिनी एकादशी

हिंदू धर्म में एकादशी पर्व का विशेष महत्व है। ऐसे में वैशाख माह के कृष्ण पक्ष में वरुथिनी एकादशी मनाई जाती है, जो इस साल 4 मई को है। पौराणिक मान्यता है कि वरुथिनी एकादशी की धार्मिक महत्व खुद भगवान कृष्ण अर्जुन को बताया था। इस व्रत को यदि विधि-विधान से किया जाता है तो जातक को सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वरुथिनी एकादशी वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को कहते हैं। यह एकादशी 4 मई को है। यह भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए शुभ अवसर माना जाता है। वैशाख मास भगवान विष्णु और उनके अवतारों की पूजा के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इसलिए इस मास में पड़ने वाली एकादशी का महत्व भी बहुत खास होता है। मान्यता है कि धन की कमी को पूरा करने के लिए वरुथिनी एकादशी का व्रत करने से बहुत लाभ होता है। वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के वराह स्वरूप की पूजा की जाती है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि वरुथिनी एकादशी व्रत को करने से भगवान विष्णु के सभी अवतार प्रसन्न होते हैं। इस व्रत को करने से व्रती को जीवन में कभी धन की कमी नहीं होती है। कर्ज से मुक्ति मिलती है और परिवार में संपन्नता आती है। वरुथिनी एकादशी पर श्री हरि की पूजा होती है। इस दिन का भक्तों के बीच बहुत महत्व है। वरूथिनी एकादशी को वैशाख एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन लोग देवताओं को प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद पाने के लिए उपवास करते हैं। वरुथिनी का अर्थ है सुरक्षा। ऐसा माना जाता है कि जो भक्त इस उपवास को रखते हैं उन्हें नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा मिलती है।

एकादशी के दिन मांस मदिरा के अलावा अन्य किसी भी प्रकार की नशीली एवं तामसिक चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही एकादशी के दिन चावल का सेवन वर्जित माना गया है, इसलिए इस दिन यदि व्रत नहीं भी रखा तो भी चावल का सेवन न करें। इस दिन क्रोध करने से बचें। साथ ही किसी के लिए भी अपशब्दों का प्रयोग न करें। इसके अलावा एकादशी तिथि पर पूरी तरह से ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

वरुथिनी एकादशी पर त्रिपुष्कर योग बनेगा

वरुथिनी एकादशी के दिन त्रिपुष्कर योग, इंद्र योग और वैधृति योग होगा। त्रिपुष्कर योग रात में 08:38 मिनट से बनेगा, जो 10:07 मिनट तक रहेगा। वहीं इंद्र योग प्रात:काल से सुबह 11:04 मिनट तक है, उसके बाद वैधृति योग बनेगा। उस दिन पूर्व भाद्रपद नक्षत्र सुबह से रात 10:07 मिनट तक रहेगा। उसके बाद उत्तर भाद्रपद नक्षत्र होगा। हालांकि वरुथिनी एकादशी को पूरे दिन पंचक लगा हुआ है।

वरुथिनी एकादशी

वरुथिनी एकादशी तिथि का आरंभ 3 मई की रात 11.24 बजे होगा और इस तिथि का समापन 4 मई को 8.38 बजे पर होगा। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ समय सुबह 07.18 बजे से सुबह 08.58 बजे तक रहेगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, वरुथिनी एकादशी के दिन त्रिपुष्कर योग, इंद्र योग और वैधृति योग बनने से यह तिथि शुभ मानी जा रही है।

पौराणिक महत्व

धार्मिक मान्यता है कि वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के साथ धन की देवी माता लक्ष्मी की भी पूजा करना चाहिए। वरुथिनी एकादशी के महत्व के बारे में खुद भगवान कृष्ण ने अर्जुन को बताया था।

इस व्रत को करने से कन्यादान के समान पुण्य मिलता है। पौराणिक मान्यता है कि राजा मान्धाता को वरुथिनी एकादशी व्रत करके ही स्वर्ग की प्राप्ति हुई थी।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

बृहस्पतिवार व्रत कथा सुनने से होते हैं ये 4 लाभ, घर में आती है सुख-शांति

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नवग्रहों में बृहस्पति ग्रह का विशेष महत्व है । बृहस्पति ग्रह सुख, वैभव, धन, वैवाहिक जीवन, संतान का प्रतीक है। बृहस्पति ग्रह का भगवान विष्णु से संबंध माना गया है। गुरुवार के दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।

बृहस्पतिवार व्रत कथा सुनने से सभी दुख दूर होते हैं। कुंडली में बृहस्पतिवार दोष हो या फिर विवाह में बाधा आ रही हो, बृहस्पतिवार व्रत कथा से जीवन में आ रहे सभी तरह के संकट दूर होते हैं। आइए जानते हैं बृहस्पतिवार व्रत कथा का महत्व।

बृहस्पतिवार व्रत कथा का महत्व

ज्योतिषियों के अनुसार, गुरुवार का व्रत जीवन में अति शुभ फलदाई होता है। जिस जातक की कुंडली में गुरु ग्रह दोष हो, उसे नियमित रूप से बृहस्पतिवार भगवान की पूजा करनी चाहिए। उसके लिए प्रत्येक गुरुवार को बृहस्पतिवार व्रत कथा का पाठ करना लाभदायक होता है।

गुरुवार का व्रत रखने से हर पीड़ा से मुक्ति मिलती है। घर में वास्तुदोष उत्पन्न होने की स्थिति में भी बृहस्पतिवार व्रत करना शुभ होता है। इससे घर की नकारात्मक शक्तियां नष्ट होती हैं। साथ में घर में सुख-समृद्धि और शांति का वास होता है।

बृहस्पतिवार व्रत पूजा विधि

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गुरुवार को भगवान बृहस्पति की पूजा का विधान है। बृहस्पति देवता की पूजा करने से धन-संपना, सुख-समृद्धि और पुत्र और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। बृहस्पति देव की पूजा के लिए सुबह जल्दी स्नान करने के बाद पूजा की चौकी तैयार करें। उस पर भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित करें। भगवान विष्णु को पीले वस्त्र, फूल और हल्दी अर्पित करें।

भगवान विष्णु को हल्दी का तिलक करें। इसके बाद गुरुवार व्रत कथा का पाठ करें। अंत में बृहस्पति महाराज की आरती करते हुए पूजा को समाप्त करें और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें। इससे भगवान विष्णु की कृपा हमेशा परिवार पर बनी रहेगी।

शिव पर चढ़े हुए जल से करें ये काम, तरक्की चूमेगी कदम, महादेव करेंगे बेड़ा पार

हिंदू धर्म में भगवान शिव को कल्याण का देवता माना गया है, जिनकी पूजा करने पर साधक के सभी दुख पलक झपकते दूर हो जाते हैं। सनातन परंपरा में हर दिन शिव पूजा के लिए बेहद शुभ माना गया है। यदि कोई साधक किसी शिवालय में जाकर भगवान शिव के निराकार स्वरूप यानी शिवलिंग की विधि-विधान से पूजा करता है तो उस पर देवों के देव महादेव की पूरी कृपा बरसती है।

मान्यता है कि शिवलिंग की पूजा करने पर साधक की सभी मनोकामनाएं पलक झपकते पूरी होती हैं, लेकिन ध्यान रहे कि शिवलिंग की पूजा का भी अपना एक नियम होता है। शिव पुराण में बताया गया है कि शिवलिंग पर जल चढ़ाने से व्यक्ति को पुण्य फलों की प्राप्ति होती है।

कई लोगों में इस बात को लेकर संशय बना रहता है कि शिवलिंग पर चढ़े हुए जल का क्या करना चाहिए। चलिए जानते हैं...इस विषय में शिव पुराण क्या कहता है।

जल पीना शुभ या अशुभ

शिवलिंग पर चढ़े हुए जल को चरणामृत के समान माना जाता है। ऐसे में आप इस जल को प्रसाद के रूप में ग्रहण कर सकते हैं। इसका वर्णन शिव पुराण के 22 अध्याय के 18 श्लोक में भी मिलता है, जिसके अनुसार, शिवलिंग का जल पीने से व्यक्ति को कई प्रकार के रोगों से मुक्ति मिलती है।

दिशा का जरूर रखें ध्यान

हिंदू मान्यता के अनुसार शिवलिंग पर कभी भी पूर्व दिशा की ओर मुख करके जल नहीं चढ़ाना चाहिए, क्योंकि सनातन परंपरा के अनुसार यह भगवान शिव का मुख्य प्रवेश द्वार माना गया है। हिंदू मान्यता के अनुसार शिवलिंग पर हमेशा उत्तर दिशा की ओर मुख करके जल चढ़ाना चाहिए।

शिव पूजन में जरुर रखें परिक्रमा का ध्यान

धार्मिक मान्यता है कि शिवलिंग पर जल चढ़ाने के बाद परिक्रमा न करें। ऐसा करने से पूजा का फल प्राप्त नहीं होता है। परिक्रमा करने के लिए शिवलिंग पर अर्पित जल को लांघना पड़ता है। शास्त्र में ऐसा करने की मनाही है। इसके लिए जल चढ़ाने के बाद परिक्रमा बिल्कुल न करें।

रुद्राक्ष कैसे पहना जाता है? जानें क्या है इसके धारण करने के सही नियम

हिंदू धर्म और ज्योतिष शास्त्र में रुद्राक्ष का बहुत अधिक महत्व है क्योंकि रुद्राक्ष को साक्षात भगवान शिव का रूप माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रुद्राक्ष धारण करने से जातकों के जीवन में सुख समृद्धि का आगमन होता है। इसके साथ ही उनपर हमेशा भगवान शिव की कृपा बरसती है। कहा जाता है कि रुद्राक्ष धारण करने से पहले कुछ जरूरी बातों को जरूर जान लेना चाहिए तभी शुभ फलों की प्राप्ति होगी। अगर आप इन नियमों का पालन नहीं करेंगे तो इससे आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं रुद्राक्ष धारण करने से पहले आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। साथ ही जानिए इसे पहनने का सही नियम क्या है।

रुद्राक्ष धारण करने से पहले जानें ये जरूरी बात

1. शुभ मुहूर्त देखकर करें रुद्राक्ष धारण

रुद्राक्ष धारण करने के लिए सोमवार, मंगलवार, बुधवार या गुरुवार का दिन शुभ माना जाता है। आप शुभ मुहूर्त देखकर इसे धारण कर सकते हैं। वहीं आपको बता दें कि आप किसी भी त्योहार जैसे कि महाशिवरात्रि, शिवरात्रि, सावन या फिर रक्षाबंधन पर भी धारण कर सकते हैं।

2. रुद्राक्ष धारण करने से पहले करें ये काम

रुद्राक्ष को धारण करने से पहले 24 घंटे के लिए गंगाजल, दूध, दही और शहद के मिश्रण में भिगो दें। उसके बाद स्वच्छ जल से धोकर सूखे लाल कपड़े पर रख दें। फिर शुभ मुहूर्त में इसे धारण करें।

3. मंत्रों का करे जाप

रुद्राक्ष धारण करने से पहले आपको इस मंत्र का जाप 108 बार करना है। मंत्र इस प्रकार है - मऊँ नमः शिवायफ। आप चाहें तो अपनी इच्छानुसार किसी भी रुद्राक्ष मंत्र का जाप कर सकते हैं।

4. करें स्नान

रुद्राक्ष धारण करने से पहले स्नान करें उसके बाद स्वच्छ और साफ वस्त्र पहनें। फिर भगवान शिव और रुद्राक्ष के प्रति श्रद्धा भाव रखते हुए संकल्प लें कि आप नियमों का पालन करेंगे और रुद्राक्ष को हमेशा धारण करेंगे।

5. इस रंग के धागे में पहनें

रुद्राक्ष को हमेशा लाल या फिर पीले रंग के धागे में पहनना शुभ माना जाता है। गलती से भी इसे काले रंग के धागे में धारण न करें। वरना इसका अशुभ फल मिलता है।

रुद्राक्ष धारण करने के बाद इन बातों का जरूर रखें ध्यान

रुद्राक्ष को बेहद ही पवित्र माना जाता है इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि इसे धारण करने के बाद कभी भी मांस, मदिरा का सेवन न करें। रुद्राक्ष धारण करने वाले व्यक्ति को ब्रह्मचर्य नियम का पालन करना चाहिए। इन्हें नियमित रूप से स्नान करना चाहिए और हमेशा स्वच्छ रहना चाहिए। इस दौरान नकारात्मक विचारों से दूर रहें और सकारात्मक सोच रखें। रुद्राक्ष धारण कर रहे हैं तो प्रतिदिन मऊँ नमः शिवायफ मंत्र का जाप करें।

सोते समय न धारण करें रुद्राक्ष

रुद्राक्ष को सोते समय उतारकर रख दें। सोते समय कभी भी रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। इसके अलावा अगर आप किसी भी बीमारी से पीड़ित हैं तो रुद्राक्ष धारण करने से पहले डॉक्टर या ज्योतिषी से सलाह लें। स्त्रियों को मासिक धर्म के दौरान रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। रुद्राक्ष को कभी भी श्मशान घाट पर न लेकर जाएं। इसके अलावा इसे नवजात के जन्म के दौरान या जहां नवजात शिशु का जन्म होता है वहां पर रुद्राक्ष गलती से भी लेकर न जाएं।

योग से मेरे जीवन में बदलाव आया : समायरा संधू

ख़ूबसूरत अभिनेत्री समायरा संधू ने हाल ही में योग के उनके जीवन पर परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में खुलासा किया है। विभिन्न परियोजनाओं में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए जानी जाने वाली बहुमुखी अभिनेत्री ने योग के साथ अपनी यात्रा साझा की और बताया कि यह कैसे उनकी जीवनशैली का अभिन्न अंग बन गया है।एक स्पष्ट बातचीत में, समायरा ने खुलासा किया, मैंने 2022 में एक प्रसिद्ध योग गुरु के साथ उन्नत योग सीखना शुरू किया।

हालांकि मैं बचपन से ही अपनी मां के साथ बुनियादी योग का अभ्यास कर रही हूं, क्योंकि वह मुझे इसके लिए प्रोत्साहित करती थीं। हालांकि, मैंने इसे सीख लिया। केवल पिछले दो वर्षों में बहुत गंभीरता से। योग के प्रति उनका समर्पण केवल शारीरिक फिटनेस से परे समग्र कल्याण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। समायरा ने इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए योग महज व्यायाम दिनचर्या से परे है। उन्होंने बताया, मैं जिम से ज्यादा योग में विश्वास करती हूं क्योंकि यह सिर्फ शारीरिक सेहत के बारे में नहीं है, बल्कि इसमें मानसिक सेहत भी शामिल है। जब मैं योग का अभ्यास करती हूं तो मैं बहुत ऊर्जावान और फिट महसूस करती हूं। स्वास्थ्य के प्रति यह समग्र दृष्टिकोण एक अभिनेत्री के रूप में उनकी व्यस्त जीवनशैली से मेल खाता है, जहां निरंतर यात्रा और काम के दबाव के बीच संतुलन बनाए रखना सर्वोपरि है।अपनी बहुमुखी प्रतिभा और आकर्षक ऑन-स्क्रीन उपस्थिति के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री ने हमेशा अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से दर्शकों पर अमिट छाप छोड़ी है। विविध किरदारों को चित्रित करने से लेकर अपने शानदार लुक से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने तक, समायरा ने अपने प्रत्येक प्रोजेक्ट में लगातार स्तर बढ़ाया है।समायरा ने साझा किया, मनोरंजन उद्योग में जीवन की उथल-पुथल के बीच योग मेरा सहारा रहा है।

यह मुझे जमीन से जुड़े रहने, ध्यान केंद्रित करने और ऊर्जावान रहने में मदद करता है। एक परिवर्तनकारी अभ्यास के रूप में योग का उनका समर्थन शारीरिक फिटनेस से परे इसकी सार्वभौमिक अपील और लाभों को रेखांकित करता है।अंत में, समायरा संधू की यात्रा जीवन को समृद्ध बनाने और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में योग की शक्ति के लिए एक प्रेरणादायक प्रमाण के रूप में कार्य करती है। जैसे-जैसे वह स्क्रीन पर चमकती रहती हैं, योग के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उनके प्रशंसकों और साथी अभ्यासकर्ताओं के लिए प्रेरणा की किरण के रूप में खड़ी होती है।

आईपीएल 2024 प्रसारण के दौरान कल्कि 2898 एडी से भैरव के रूप में टेलीविजन स्क्रीन पर छाए रहे प्रभास

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार प्रभास आईपीएल 2024 प्रसारण के दौरान कल्कि 2898 एडी से भैरव के रूप में टेलीविजन स्क्रीन पर छाए रहे।

नाग अश्विन द्वारा निर्देशित सायंस फिक्शन महाकाव्य फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन महाकाव्य कल्कि 2898 एडी मंगलवार की रात टेलीविजन स्क्रीन पर धूम मचा रही थी, विशेष रूप से स्टार स्पोर्ट्स पर। आईपीएल 2024 के रोमांचक माहौल के बीच प्रभास ने दुनिया भर के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया क्योंकि उन्होंने इस फिल्म के 'भैरव' अवतार में दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया।इस वीडियो का प्रीमियर लखनऊ सुपर जायंट्स वर्सेज मुंबई इंडियंस आईपीएल मैच के दौरान हुआ। इससे पहले पिछले आईपीएल प्रसारण के दौरान अश्वत्थामा के रूप में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के किरदार के भव्य प्रदर्शन को अपार प्यार मिला था। नागअश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित 'कल्कि 2898 एडी' बहुभाषी फिल्म है। यह फिल्म 27 जून को रिलीज होगी।

राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत का गाना तुम्हें ही अपना माना है हुआ रिलीज

अलाया एफ के साथ जमी जोड़ी

राजकुमार राव फिल्म श्रीकांत की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसे लोगों का जबरदस्त सपोर्ट मिला। वहीं, अब श्रीकांत का नया गाना तुम्हें ही अपना माना है रिलीज कर दिया गया है, जो एक रोमांटिक ट्रैक है।इससे पहले श्रीकांत का पहला गाना पापा कहते हैं बड़ा नाम करेगा रिलीज हुआ था। जिसे उदित नारायण ने अपनी आवाज दी है। गाना सुनने में बेहद खूबसूरत है।श्रीकांत का दूसरा गाना तुम्हें ही अपना माना है में राजकुमार और अलाया एफ पर फिल्माया गया है।

गाने को साचेत टंडन और परंपरा टंडन ने गाया है। म्यूजिक भी इन्होंने ही दिया है। वहीं, लिरिक्स योगेश दुबे ने लिखे हैं। रिलीज के महज दो घंटे में तुम्हें ही अपना माना है को यूट्यूब पर 27 हजार से ज्यादा व्यूज और 26 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं।राजकुमार राव की श्रीकांत का डायरेक्शन तुषार हीरानंदानी ने किया है। फिल्म में ज्योतिका, शरद केलकर और अलाया एफ सपोर्टिंग रोल में हैं।

श्रीकांत, इस साल 10 मई को थिएटर्स में रिलीज की जाएगी। ये फिल्म रियल लाइफ हीरो श्रीकांत बोला से इंस्पायर है यानी एक बायोपिक है। श्रीकांत बोला हैदराबाद स्थित बोलैंट इंडस्ट्रीज के सीईओ और संस्थापक हैं। साल 2017 में उन्हें फोर्ब्स मैगजीन ने पूरे एशिया में 30 अंडर 30 की लिस्ट में नामित किया था।श्रीकांत के डायरेक्टर तुषार हीरानंदानी ने फिल्म को लेकर दैनिक जागरण से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने श्रीकांत को बनाने को लेकर कहा, मैं बायोपिक्स इसलिए ज्यादा बनाता हूं, क्योंकि मुझे वह लोग हीरो लगते हैं। दिव्यांगों पर कई कहानियां बनी हैं, लेकिन मुझे श्रीकांत की जिंदगी बहुत प्रेरणादायक लगी। वह खुद को कमजोर या बेचारा नहीं समझते हैं। कई बार मेकर्स ऐसी कहानियों को या तो कॉमेडी या बहुत ट्रैजिक बना देते हैं। मुझे उन्हें हीरोइक अंदाज में दिखाना था।

विक्रांत मैसी स्टारर द साबरमती रिपोर्ट मिली नई रिलीज डेट

अब 2 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

बॉलीवुड के 12वीं फेल एक्टर विक्रांत मैसी कम में से भी ज्यादा और क्वॉलिटी आउटपुट देना जानते हैं। चाहे टेलीविजन हो या ओटीटी या फिर सिल्वर स्क्रीन, विक्रांत मैसी ने हर प्लेटफॉर्म पर अपनी एक्टिंग का हुनर दिखाया है। अब वह गुजरात दंगों पर आधारित द साबरमती रिपोर्ट लेकर हाजिर होने वाले हैं।फिल्म का टीजर कुछ महीने पहले रिलीज किया गया था। न्यूज रिपोर्टर के तौर पर विक्रांत मैसी की एक्टिंग ने कुछ मिनटों के वीडियो में लोगों का दिल जीत लिया। द साबरमती रिपोर्ट का टीजर पावरफुल, इंटेंस होने के साथ ही ग्रिपिंग था, जिसने दर्शकों को इस कहानी के बारे में और जानने के लिए बेसब्र कर दिया। ऐसे में ऑडियंस के बीच कहानी को लेकर बनी बेसब्री को समझते हुए मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। रंजन चंदेल के डायरेक्शन में बनी द साबरमती रिपोर्ट के टीजर में अनजानी सच्चाई को दिखाया गया है, जो साबरमती एक्सप्रेस में हुई दुखद घटना के 22 साल बाद तक लोगों के नजरों से छुपा हुआ था। टीजर ने रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया था। इस कहानी की असलियत को करीब से बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा, जिसके लिए लोगों को कुछ महीने का इंतजार करना होगा। द साबरमती रिपोर्ट 2 अगस्त को रिलीज हो रही है।बालाजी टेलीफिल्म्स के प्रोडक्शन में बनी द साबरमती रिपोर्ट में विक्रांत मैसी के अलावा राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं। पहले फिल्म 3 मई को रिलीज होने वाली थी। मगर अब कुछ महीनों से इसकी डेट आगे खिसका दी गई है। यानी ये मूवी पुष्पा 2 और स्त्री 2 की रिलीज वाले महीने में दस्तक देगी।

23 साल की उम्र में पलक तिवारी ने इंटरनेट पर मचाई सनसनी, कातिलाना पोज देख हैरत में पड़े फैंस

पलक तिवारी आए दिन अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बॉडीकॉन आउटफिट में फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग फैशन देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।एक्ट्रेस पलक तिवारी आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वो बला की खूबसूरत नजर आ रही हैं।ओपन कर्ली हेयर और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं पलक तिवारी सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए ग्लैमरस फोटोज क्लिक करवा रही हैं।पलत तिवारी ना सिर्फ अपनी एक्टिंग बल्कि फिटनेस और खूबसूरती से भी फैंस को दीवाना बनाए रखती हैं।बता दें कि एक्ट्रेस 23 साल की हैं। और उन्होंने इतनी कम उम्र में दर्शकों के बीच अपनी अच्छी खासी पहचान बना रखी है।पलक तिवारी को असली पहचान म्यूजिक एलबम वीडियो बिजली-बिजली से मिली थी। वहीं एक्ट्रेस ने अपना बॉलीवुड डेब्यू सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से किया था।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो में आएंगे सनी देओल और बॉबी देओल, प्रोमो वीडियो जारी

कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा के नए शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो को दर्शकों का काफी प्यार मिल रहा है।इस शो के अब तक पांच एपिसोड प्रसारित हो चुके हैं, जिनकी सफलता के बाद अब निर्माताओं ने द ग्रेट इंडियन कपिल शो का नया प्रोमो वीडियो जारी कर दिया गया है।

दिग्गज अभिनेता सनी देओल अपने छोटे भाई और अभिनेता बॉबी देओल के साथ द ग्रेट इंडियन कपिल शो के छठे एपिसोड के मेहमान होंगे।नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो का नया प्रोमो वीडियो साझा किया है, जिसमें सनी और बॉबी खूब मस्ती करते नजर आ रहे हैं।इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, सभी को अपना यमला, पगला, दीवाना बनाकर कॉमेडी मंच पर कब्ज़ा जमाने के लिए तैयार हैं देओल बंधु।बता दें, द ग्रेट इंडियन कपिल शो के इस एपिसोड को आप शनिवार (4 मई, 2024) को रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।द ग्रेट इंडियन कपिल शो प्रोमो में कीकू शारदा, कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर के लुक भी दिखाए गए हैं. कपिल की टीम इस बार खूब हंसाने वाली है. मगर माहौल तब भावुक हो जाता है जब सनी पाजी बीते साल के बारे में बताते हैं. जहां वह बात करते करते इमोशनल हो जाते हैं तो बॉबी देओल की आंखों से भी आंसू छलक उठते हैं.सनी देओल बताते हैं कि वैसे तो वह काफी सालों से काम कर रहे हैं. लेकिन कुछ समय से उन्होंने कई उतार-चढ़ाव देखे. फिर पिछले साल उनके बेटे की शादी हुई. उनके पिता की फिल्म रिलीज हुई. खुद उनकी गदर आई जिसने बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा दिया ।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन ऐसी चीज़ों को ख़रीदने के लिए बढ़िया है, जिनकी क़ीमत आगे चलकर बढ़ सकती है। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज के दिन कार्यक्षेत्र में चीज़ें वाक़ई बेहतरी की ओर बढ़ सकेंगी । दिन के अंत में आज आप अपने घर के लोगों को वक्त देना चाहेंगे लेकिन इस दौरान घर के किसी करीबी के साथ आपकी कहासुनी हो सकती है सुबह जीवनसाथी से आपको कुछ ऐसा मिल सकता है, जिससे आपका सारा दिन ख़ुशगवार गुज़रेगा।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। माता-पिता के साथ अपनी ख़ुशियाँ साझा करें। उन्हें महसूस करने दें कि आपके लिए उनकी कितनी अहमियत है, इससे उनका अकेलेपन का एहसास अपने आप ख़त्म हो जाएगा। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

तरोताज़ा होने के लिए अच्छी तरह से आराम करें। आज के दिन आपको नशे की हालत में आप कोई कीमती सामान खो सकते हैं। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। कामकाज के नज़रिए से आज का दिन वाक़ई सुचारू रूप से चलेगा। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल-कूद को शामिल किया जाना चाहिए। दिन की शुरुआत में ही आज आपको कोई आर्थिक हानि हो सकती है जिससे सारा दिन ख़राब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। काम को समय पर निपटाकर जल्दी घर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी तरोताजा महसूस करेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

यदि शादीशुदा हैं तो आज अपने बच्चों का विशेष ख्याल रखें क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते तो उनकी तबीयत बिगड़ सकती है और आपको उनके स्वास्थ्य पर काफी पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। अपने प्रिय की ईमानदारी पर शक न करें। कार्यक्षेत्र में हालात आपके पक्ष में रुख़ करते मालूम होंगे। महत्वपूर्ण लोगों के साथ बातचीत करते वक़्त अपने शब्दों को ग़ौर से चुनें। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। जीवनसाथी की वजह से आपको अनमने ढंग से बाहर जाना पड़ सकता है, जो बाद में आपकी झल्लाहट की वजह बनेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

तली-भुनी चीज़ों से दूर रहें और रोज़ाना कसरत करते रहें। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। प्यार का जज़्बा अनुभव के परे है । अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है। आपका जीवनसाथी आपको प्यार का एहसास देना चाहता है, उसकी मदद करें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। किसी ऐसे के साथ परस्पर संवाद की कमी जिसका आपको बहुत ख़याल है, आपको तनाव दे सकती है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। खाली समय का सदुपयोग होना चाहिए लेकिन आप आज आप इस समय का दुरुपयोग करेंगे और इस वजह से आपका मूड भी ख़राब होगा। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। बच्चे भविष्य की योजनाएँ बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज़्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। अगर अपने लव पार्टनर को अपना जीवनसाथी बनाना चाहते हैं तो उनसे आज बात कर सकते हैं। साझीदारी में किसी नई परियोजना को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। इससे सभी को मुनाफ़ा होगा। लेकिन साझीदार से हाथ मिलाने से पहले भली-भांति विचार कर लें। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में फँसा सकती है। घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। कुछ लोग आपकी झुंझलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें । व्यवसायियों के लिए अच्छा दिन है, क्योंकि उन्हें अचानक बड़ा फ़ायदा हो सकता है। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। आज आपका वैवाहिक जीवन हँसी-ख़ुशी का माहौल रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। परिवार के लोगों के बीच पैसे को लेकर आज कहासुनी हो सकती है। पैसों के मामलों में आपको परिवार के सभी लोगों को स्पष्ट होने की सलाह देनी चाहिए। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे- और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 02 मई 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 01:55 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा रात्रि 01:49 तक
योग : शुक्ल सायं 05:18 तक
करण : तैतिल सायं 03:02 तक
चन्द्रराशि : मकर दोपहर 02:33 तक
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक आरंभ दोपहर 02:34 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राज्यपाल मिश्र ने गुजरात और महाराष्ट्र के स्थानीय लोगों से किया संवाद

जयपुर, 01 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने गुजरात और महाराष्ट्र राज्य के स्थापना दिवस पर दोनों राज्यों के स्थानीय लोगों से बुधवार को यहां संवाद किया। राजभवन में गुजरात और महाराष्ट्र स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया और इस अवसर पर श्री मिश्र ने इन राज्यों के लोगों से संवाद कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और गुजरात के भाषायी आधार पर अलग राज्य बनने के बाद से ही दोनों ने राष्ट्रीय प्रगति में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने गुजरात और महाराष्ट्र को स्वाधीनता आंदोलन की उर्वर भूमि बताते हुए सरदार पटेल, महात्मा गांधी, लोकमान्य तिलक आदि का भी स्मरण किया।

राज्यपाल ने कहा कि गुजरात भगवान श्री शिव का पवित्र धाम सोमनाथ है तो यही भगवान श्री कृष्ण की द्वारिका भी है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास के साथ गुजरात ने देशभर में अपनी उत्सवधर्मी सांस्कृतिक, सामाजिक परम्पराओं से भी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने महाराष्ट्र को अध्यात्म, दर्शन और संत परम्पराओं की धरती बताते हुए कहा कि संत तुकाराम, स्वामी समर्थ रामदास जी जैसे संतों की इस धरती पर ही छत्रपति शिवाजी, सावरकर, डॉ. भीमराव आम्बेडकर जैसे व्यक्तित्वो ने समाज में सकारात्मक बदलाव की पहल की।

श्री मिश्र ने भारतीय संविधान की उद्देशिका के आरंभिक वाक्य हम भारत के लोग की चर्चा करते हुए कहा कि संविधान ने हमे अधिकार दिए हैं तो कर्तव्य भी प्रदान किए हैं। इनके संतुलन से ही जीवन के उदात मूल्यों से भारत आगे बढ़ा है। उन्होंने संविधान को पवित्र मानते हुए सबको संवैधानिक मूल्यों के लिए कार्य करने का आहवान किया।

उन्होंने संविधान की मूल प्रति पर उकेरे चित्रों की चर्चा करते हुए समरसता की भारतीय संस्कृति के लिए सबको मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंर्तगत राज्यों के स्थापना दिवस विविधता में एकता की हमारी अनूठी संस्कृति के संवाहक है। उन्होंने अतीत की परम्पराओं को सहेजते हुए दोनों ही प्रदेशों की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। आरंभ में उन्होंने संविधान की उद्देशिका का वाचन कराया और मूल कर्तव्य पढ़कर सुनाए। इस मौके पर राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल और प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंदराम जायसवाल भी मौजूद थे।

बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस

जयपुर, 01 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बुधवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रथम एवं द्वितीय तथा संयुक्त निदेशक जयपुर जोन के कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। डॉ. माथुर ने तीनों कार्यालयों के सभी कक्षों में जाकर कार्मिकों की उपस्थिति के बारे में जानकारी ली। औचक निरीक्षण में 44 चिकित्सा कार्मिक अनुपस्थित मिले।

डॉ. माथुर ने बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय पर कार्यालय नहीं आने वाले एवं बिना सूचना अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने इस दौरान विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति एवं क्रियान्वयन के बारे में भी जानकारी ली।

उन्होंने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने तीनों कार्यालयों में ई-फाइल एवं ई-डाक के निस्तारण की स्थिति की भी समीक्षा की और निर्देश दिए कि फाइलों का निस्तारण समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए।

कार्बन प्रतिलिपि में छेड़छाड़ करने पर अभ्यर्थी को किया अयोग्य

अजमेर, 01 मई (एजेंसियां)। राजस्थान लोकसेवा आयोग की ओएमआर शीट की कार्बन प्रतिलिपि में छेड़छाड़ कर अभ्यर्थी द्वारा न्यायालय में गलत तथ्य प्रस्तुत करने के मामलें में आयोग प्रबंधन ने अभ्यर्थी को दो वर्ष के लिए सभी परीक्षाओं के लिए अयोग्य कर दिया है। आयोग सचिव की ओर से इस संबंध में मंगलवार को आदेश जारी किए गए।

अजमेर मुख्यालय पर आयोग सचिव ने बताया कि आयोग द्वारा आरएएस (प्रारंभिक) परीक्षा-2023 का आयोजन एक अक्टूबर 2023 को किया गया। इस परीक्षा का परिणाम 20 अक्टूबर 2023 को घोषित किया गया। ग्राम अजाड़ी खुर्द जिला झुंझुनू निवासी अभ्यर्थी दीपक जोशी द्वारा इस परीक्षा में प्रश्न-पत्र के कुल 150 प्रश्नों में से 55 प्रश्नों में किसी भी विकल्प का चयन नहीं किया गया था।दस प्रतिशत से अधिक प्रश्नों में किसी भी विकल्प का चयन नहीं किए जाने के कारण परीक्षा परिणाम में अभ्यर्थी को अयोग्य घोषित किया गया था। अयोग्य घोषित किए जाने पर अभ्यर्थी ने स्वयं के पास उपलब्ध ओएमआर शीट की प्रतिलिपि में खाली छोड़े गए 55 प्रश्नों के विकल्पों में से 49 प्रश्नों के विकल्पों को भरकर फर्जकारी करते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। अभ्यर्थी जोशी द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत ओएमआर शीट की प्रतिलिपि का मिलान आयोग कार्यालय में उपलब्ध अभ्यर्थी की मूल ओएमआर शीट से किये जाने पर स्पष्ट हुआ कि अभ्यर्थी द्वारा खाली छोड़े गए प्रश्नों के विकल्पों को जानबूझकर ओएमआर शीट की कार्बन प्रतिलिपि में बाद में भरा गया है।

उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा प्रकरण में तथ्यात्मक रिपोर्ट उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने पर कारगुजारी उजागर होते देख अभ्यर्थी द्वारा न्यायालय के समक्ष याचिका वापस लेने के लिए प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया। इस पर न्यायालय द्वारा 23 जनवरी 2024 को याचिकाकर्ता द्वारा याचिका को विदड्रा किए जाने के कारण खारिज कर दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ओएमआर शीट की कार्बन प्रति में किसी भी प्रकार की छेडछाड आयोग के रिकार्ड से छेडछाड़ की श्रेणी के अन्तर्गत आता है।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के दोषी को 20 वर्ष की सजा

श्रीगंगानगर, 01 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के श्रीगंगानगर में पुरानी आबादी थाना इलाके में अपने ननिहाल आई हुई एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर लेने और कई दिन तक दुष्कर्म करने के तीन वर्ष पुराने प्रकरण में अदालत ने बुधवार को निर्णय देते हुए आरोपी युवक को 20 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई।पोक्सो एक्ट मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश प्रकरण की सुनवाई के दौरान जमानत पर चल रहे आरोपी युवक रणवीर कुमावत निवासी नगर पालिका के पास वार्ड नंबर 15 मुकुंदगढ़ (झुंझुनू)के जमानत मुचलके को निरस्त कर दिया। उसे सजा काटने के लिए जेल भेज दिया। विशिष्ठ लोक अभियोजक गुरुचरणसिंह रुपाणा एडवोकेट ने मामले की जानकारी देते बताया कि 12 फरवरी 2021 को पुरानी आबादी थाना में एक महिला ने रिपोर्ट देते हुए बताया कि उसकी 17 वर्षीय बेटी गायब है। वह 12 फरवरी की शाम को कुछ देर के लिए बाजार गई थी। तभी उसकी बहन ने बताया कि उसकी बेटी घर पर नहीं है। वह तुरंत घर वापस आई। तलाश करने पर भी बेटी नहीं मिली। तभी उसे पता चला कि मुकुंदगढ़ में उनके मोहल्ले में रहने वाला युवक रणवीर कुमावत भी श्रीगंगानगर आया हुआ है। उसने रणवीर पर अपनी बेटी को बहला-फुसला कर ले जाने का आरोप लगाया, जिस पर पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया।पुलिस लगभग चार महीने बाद पांच जून 21 को सोनीपत में ही राजीव कॉलोनी में एक पार्क के पास से लडकी को दस्तयाब किया। वहीं आरोपी रणवीर को गिरफ्तार किया। लड़की को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश किया गया। समिति ने उसे मां-बाप के पास भेज दिया।मेडिकल चेकअप करवाए जाने पर लड़की से शारीरिक संबंध बनाए जाने की पुष्टि हुई। उसके सीअ-ारपीसी की धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट से बयान भी दर्ज करवाए गए। इन सबूत के आधार पर रणवीर कुमावत को अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ जांच पूरी होने पर पुलिस ने अदालत में चालान पेश कर दिया। विशिष्ठ लोक अभियोजक के मुताबिक अदालत में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 18 गवाह और 14 दस्तावेज साक्ष्य प्रस्तुत किए। न्यायाधीश सुरेंद्र खरे ने आज निर्णय देते रणवीर कुमावत को सपठित पोक्सो एक्ट की धारा 5(एल) /6 के तहत 20 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई और 20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।

राजस्थान बॉर्डर पर 12 लाख से अधिक नकदी व वाहन जब्त

सिरसा, 01 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा जिला पुलिस ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर चलाए गए अभियान के दौरान मंगलवार रात राजस्थान की भादरा सीमा के साथ लगते गांव जोगीवाला नाका पर 12 लाख लाख 22 हजार 300 रुपए की नगदी तथा स्कॉर्पियो गाड़ी जब्त कर संबंधित विभाग को आगामी कार्रवाई के लिए सूचित कर दिया है।

उपरोक्त जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बुधवार को बताया कि राजस्थान सीमा के साथ लगते जोगीवाला नाका पर जिला पुलिस की टीम आने जाने वाले वाहनों को चेक कर रही थी। उन्होंने बताया कि इसी दौरान एक काले रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार युवक राजस्थान की ओर से आए थे, तथा उन्हें सिरसा शहर में आना था। गाड़ी में सवार युवको की पहचान आदेश निवासी सागड़ा, बंटी निवासी कलाना, ललित निवासी नेठराणा, अनुज निवासी सरदार गढ़िया तथा हरिकेश निवासी सागा, राजस्थान के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जब शक के आधार पर पुलिस पार्टी ने उक्त स्कॉर्पियो सवार युवको की तलाशी ली तो, उनके कब्जे से एक बैग में छुपाई गई 12 लाख 22 हजार 300 रुपए की नगदी बरामद हुई। जब उक्त नगद राशि के बारे में पुलिस पार्टी ने पूछताछ की तो वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

श्री भूषण ने बताया कि आगामी 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर जिला पुलिस सुरक्षा की दृष्टि से पूरी तरह से हाई अलर्ट पर है। जिला के साथ लगती पंजाब और राजस्थान सीमा पर कुल 27 नाके जबकि पांच नाके जिला के अंदर लगाए गए हैं । आचार संहिता लागू होने के बाद सिरसा पुलिस द्वारा इस अवधि के दौरान करोड़ों रुपए के मादक पदार्थ, शराब तथा अवैध हथियार बरामद किया जा चुके हैं।

इग्नू ने जुलाई 2024 सत्र के लिए खोला री-रजिस्ट्रेशन पोर्टल

चंडीगढ़, 01 मई (एजेंसियां)। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय(इग्नू) करनाल ने जुलाई 2024 सत्र के लिए री-रजिस्ट्रेशन पोर्टल खोल दिया है।

क्षेत्रीय निदेशक प्रभारी डॉ धर्मपाल ने बुधवार बताया कि जिन विद्यार्थियों ने 2023 सत्र में वार्षिक पाठ्यक्रमों जैसे स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया है ऐसे विद्यार्थी इग्नू के री-रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर जाकर अपनी द्वितीय और तृतीय वर्ष की फीस जमा करवा सकते है इसके साथ साथ जिन विद्यार्थियों ने जनवरी 2024 में सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया है, वे भी जुलाई 2024 सत्र में अपने अगले सेमेस्टर की फीस जमा करवा सकते है विद्यार्थियों को हिदायत दी जाती है कि इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट पर री-रजिस्ट्रेशन पोर्टल के माध्यम से अपने क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड से फीस जमा करे री-रजिस्ट्रेशन फीस जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून 2024 है।उन्होंने बताया की जिन विद्यार्थियों किसी कारणवश अपनी असाइनमेंट्स अपने अध्ययन केंद्र पर जमा नहीं करवाई है ऐसे विद्यार्थी 15 मई तक अपने अध्ययन केंद्र पर असाइनमेंट्स जमा करवा सकते है. विद्यार्थी असाइनमेंट्स के प्रश्न पत्र इग्नू की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं।

भाजपा प्रत्याशी कटारिया ने भरा नामांकन, गजेंद्र शेखावत ने कांग्रेस पर बोला हमला

अंबाला, 01 मई (एजेंसियां)। अंबाला लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया ने बुधवार को जिला निर्वाचन कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके साथ केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मुख्यमंत्री नायब सैनी, कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर, परिवहन मंत्री असीम गोयल भी रहे। इस दौरान गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि देश में तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी। भाजपा देश में 400 के लक्ष्य को लेकर चली है और उसको पार करने का काम किया जाएगा। उन्होंने पांच गारंटी को लेकर कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि जिस सरकार ने 55 साल सत्ता में रहते हुए भी एक भी गारंटी पूरी नहीं की। 62 फीसदी लोगों को सामान्य शौचालय नहीं दे पाई। देश में बिजली और गैस कनेक्शन तक उपलब्ध नहीं करवा पाए, उनकी गारंटी को देश की जनता मानने को तैयार नहीं है। जिसकी खुद की गारंटी फेल हो गई हो वह दूसरों की गारंटी ले, इसको देश की जनता जानती भी है और समझती भी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता जानती है कि भाजपा और कांग्रेस में से किस पार्टी ने कितना विकास कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी 10 सीटों को जीतने का भाजपा काम करेगी।

नौकरी लगवाने का झांसा देकर 7.50 लाख लेने वाला आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, 01 मई (एजेंसियां)। जिले में गढ़ीबाजना थाने के तरसूमा निवासी दो भाइयों को सिविल डिफेंस में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 7.50 लाख रुपए हड़पने के मामले में पुलिस ने सेना में लांस नायक के पद पर कार्यरत एक जवान को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपी जवान 26 वर्षीय रामफल गुर्जर कोटपूतली जिले के बानसूर थाना इलाके के गांव रावत मजरा का रहने वाला है। थानाधिकारी गढ़ीबाजना हीरालाल मीणा के अनुसार गांव तरसूमा निवासी मेघसिंह गुर्जर ने मार्च 2024 में आरोपी जवान के खिलाफ उसकी और उसके भाई राहुल की सिविल डिफेंस में मैस बैटर, कंप्यूटर क्लर्क के पद पर नौकरी लगवाने का झांसा देकर 7.50 लाख रुपए हड़पने का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपी जवान को गिरफ्तार कर बुधवार को न्यायालय में पेश किया जहां से उस तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजने के आदेश दिए।

कांग्रेस पर चिराग की तीखी प्रतिक्रिया

शक्ति के नाश का दंभ भरने वाले राम और शिव को लड़ा रहे

पटना (एजेंसियां)।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने महागठबंधन पर जमकर हमला बोला है। कांग्रेस से राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा भगवान शिव को लेकर दिए गए आपत्तिजन बयान के सवाल पर चिराग ने कहा कि यह लोग राजनीति में धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके बाद हमलोगों पर आरोप लगाते हैं। अगर यह लोग भगवानों में ही लड़ाई लगा रहे हैं तो सोचिए इंसानों को किस तरह बांटने का काम करेंगे। हकीकत यह है कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा ही नहीं बचा। इसलिए यह लोग ऐसा बयान दे रहे हैं। आज एनडीए ने अपनी बातों को पूरा किया तब उन्हें भगवान शिव याद आते हैं। उस वक्त उनको भगवान शिव नहीं आते जब उनकी माता शक्ति के विनाश की बात कांग्रेस पार्टी के नेता करते हैं। हकीकत यह है कि चुनाव के वक्त भावनाओं को आहत

करने के कांग्रेस वाले इस तरह का बयान दे रहे।

वहीं विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी द्वारा पीएम मोदी पर दिए गए आपत्तिजनक बयान पर चिराग पासवान ने कहा कि कहा कि इससे ज्यादा धृणित, अशोभनीय, निदंनीय और गलत चीज कुछ भी नहीं हो सकती है। भाषा की सारी मर्यादा को तार-तार कर दी गई। प्रधानमंत्री ने भारत के सिर को ऊंचा किया और आपका उनसे राजनीतिक बैर हो सकता है लेकिन आप उन पर आपत्तिजनक टिप्पणी करें यह बिल्कुल गलत है। इस तरह से व्यक्तिगत टिप्पणी करना क्या शोभा देता है। इससे किस तरह का उदाहरण आप सेट करना चाहते हैं। एक तरफ राजद है जो परिवार मां-बहनों को गाली देता है। वहीं दूसरी तरह उनके सहयोगी हैं जो प्रधानमंत्री के बारे में इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करते हैं।

चिराग पासवान ने कहा कि इन सब बयानों से इनलोगों की मानसिकता बिल्कुल झलकती है। वहीं तेजस्वी यादव एनडीए हारने वाले बयान पर चिराग पासवान ने कहा कि वो पिछली बार के लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाए थे।

एनडीए ने 40 में से 39 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार उनका खाता भी नहीं खुलेगा।

2020 का चुनाव इन्हें भूलना नहीं चाहिए हम लोग अगर एक साथ चुनाव लड़े होते तो आज इनका घमंड टूट गया होता। जनता सब देख रही है, वह जरूर जवाब देगी। बिहार में इस बार हमलोग 40 के 40 सीटों पर जीत दर्ज करने जा रहे हैं।

वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी की वाई प्लस सुरक्षा हटाई गई

अमित शाह पर दिया था विवादास्पद बयान

पटना (एजेंसियां)।

अमित शाह पर विवादास्पद बयान देने के 12 घंटे के भीतर वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी की वाई प्लस सुरक्षा हटा ली गई है। सेंट्रल फोर्स के सारे जवान मुकेश सहनी के आवास से हटा लिए गए हैं। सुबह मुकेश सहनी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर विवादास्पद बयान दिया था। इस मामले पर वीआईपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता देव ज्योति का कहना है कि

हमारी वाई श्रेणी की सुरक्षा छीन कर क्या कर लोगे? हमारी हिफाजत-हमारी सुरक्षा तो बिहार की महान गरीब जनता करती है। उन्होंने कहा कि आपकी तानाशाही से हमारे नेता और हमारे समाज को कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि हम कल भी गरीबों के सम्मान के लिए उनके सियासी अधिकार के लिए लड़े थे और आगे भी लगातार लड़ते रहेंगे।

वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने चुनावी माहौल में सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला किया। इस दौरान मुकेष सहनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरक्षण को लेकर गलत बयान दे रहे हैं। ऐसा कुछ नहीं है। हमलोगों को शर्म आ रही है कि हमारे देश के प्रधानमंत्री केवल देश का चुनाव जीतने के लिए इस तरह झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने जो वादा किया तो उसके ऊपर काम होना चाहिए। कल उन्होंने (गृह मत्री) झंझारपुर में बयान दिया कि मंडल कमीशन को रोक के रखने वाले इंडी गठबंधन के लोग थे। मैं उनसे पूछता हूं 10 साल से आपकी सरकार है? आपने क्या किया? आपने काका काका कालेलकर आयोग की रिपोर्ट क्यों नहीं लागू करवा दी? आप पिछले 10 साल से हिजड़ा बनकर ताली बजा रहे थे क्या? यह लोग झूठकर बोल रहे हैं। गलत तरह से बयानबाजी कर रहे हैं। वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी के इस विवादित बयान के बाद की वाई प्लस सुरक्षा हटा ली गई है, जिसको लेकर राजनीतिक सियासत तेज हो गई है।

अधिवक्ता का मर्डर: रंगदारी देने से इनकार किया था, कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला

पटना (एजेंसियां)।

बेगूसराय में अपराधियों ने दिनदहाड़े एक अधिवक्ता की हत्या कर दी। कारण बस इतना था कि अधिवक्ता ने दो लाख की रंगदारी देने से मना किया था। इतनी सी बात पर अपराधियों ने कुल्हाड़ी से काटकर अधिवक्ता को मौत को घाट उतार दिया। इस हत्या के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। वही इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल उत्पन्न हो गया। घटना बलिया थाना क्षेत्र के मिर्जापुर डीह की है। मृत अधिवक्ता की पहचान बलिया थाना क्षेत्र के मिर्जापुर डीह के रहने वाले विष्णु देव महतो का पुत्र निरंजन कुमार महतो के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया है कि गांव के ही अपराधियों के द्वारा जबरन 2 लाख रंगदारी टैक्स मांगी जा रही थी। परिजनों ने यह भी बताया है कि कुछ दिन पहले निरंजन महतो ने अपना जमीन बेचा था। जमीन बेचने के बाद गांव के ही अपराधियों द्वारा दो लाख रंगदारी की मांग की गई थी। आज जब वह सुबह अपने घर से बलिया अनुमंडल न्यायालय जाने के लिए तैयार हो रहे थे। इस दौरान दो अपराधी पहुंचे और उन पर कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। इधर, घटना की सूचना मिलते ही बलिया थाने के पुलिस पहुंचकर पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक निरंजन पैसे से अधिवक्ता है। वह बलिया अनुमंडल न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत थे। वही इस संबंध में अधिवक्ता संघ के पूर्व महासचिव अमरेंद्र कुमार अमर ने कहा है कि अधिवक्ता की हत्या कर दी गई है।

सिलेंडर ब्लास्ट में मां और तीन बच्चों की मौत

खाना बनाने के दौरान हुआ ऐसा, परिवार के छह लोग झुलसे

पटना (एजेंसियां)।

किशनगंज में रसोई गैस सिलेंडर में ब्लास्ट करने से महिला और उसके तीन बच्चों की मौत हो गई। वहीं तीन लोगों की हालत गंभीर है। उन्हें पूर्णिया में भर्ती करवाया गया है। घटना मंगलवार देर रात्रि को जिले के सदर थाना क्षेत्र के पौआखाली गांव में हुई। बताया जा रहा है कि घर में खाना बनाया जा रहा था। अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई।

जब तक परिवार के लोग संभल पाते तब तक आग पूरे किचन में फैल गई। देखते ही देखते गैस सिलेंडर ब्लास्ट कर गया। इसी जद में परिवार के छह लोग आ गए।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस और फ्फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। आननफानन में घायलों को पहले किशनगंज में भर्ती करवाया गया। यहां से सभी को बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच, पूर्णिया में भर्ती करवाया गया। यहां डॉक्टरों ने महिला और उसके तीन बच्चों को मृत घोषित कर दिया। वहीं बच्चे के मामा और मौसी का गंभीर हालत में प्राइवेट अस्पताल में इलाज जारी है।

मृतकों की पहचान किशनगंज के पौआखाली गांव निवासी मो. अंसार की पत्नी साहिबा 30 के अलावा बच्चों में अनीशा (8), आरुषि (4), अनीश (5) रूप में हुई है।

इस दुखद हादसे के बाद से परिजनों में चीख पुकार मची है। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा है। मृतका का पति मेरठ में काम करता है। सूचना मिलते ही मेरठ से पूर्णिया के लिए रवाना हो चुके हैं।

बरातियों से भरी गाड़ी पर हाईवा पलटा, बच्चा सहित छह की मौत

पटना (एजेंसियां)।

भागलपुर में बरात गाड़ी पर हाईवा पलटने से स्कॉर्पियो में सवार छह बराती की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से मायागंज अस्पताल, भागलपुर पहुंचाया गया है। घटना कहलगांव मुख्य मार्ग एनएच-80 स्थित घोघा के आमापुर के पास की है। घटना रात करीब 11.30 बजे की है।

मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। मृतकों की पहचान संचित कुमार (28), अभिषेक कुमार(18), परिमल दास (21), छोटू मंडल (स्कार्पियो

चालक), अमित दास (30) और पंकज कुमार के रूप में की गई है। इस घटना में कैलाश दास (60) सहित दो लोग घायल हैं, जिनका इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि तीन स्कॉर्पियो से बरात मुंगेर के खड़गपुर थाना क्षेत्र के धापड़ी मोड़ गोबड्डा पंचायत के गोरिया टोला से पीरपैंती के श्रीमतपुर गांव जा रही थी। उस स्कॉर्पियो में ड्राइवर सहित 11 लोग सवार थे। गाड़ी घोघा थाना क्षेत्र के आमापुर के पास विपरीत दिशा से (कहलगांव की ओर से) गिट्टी लदा हाईवा आ रहा था। घटनास्थल पर सड़क निर्माण कार्य चल रहा था। इस वजह से सड़क एक ओर से करीब तीन से चार फ्फीट तक ऊंची थी। इस दौरान हाईवा गुजरने के क्रम में अनियंत्रित होकर बराती वाहन पर पलट गया। उस समय उस स्कॉर्पियो के आगे-पीछे दो अन्य स्कॉर्पियों चल रही थी। एक्सीडेंट होते ही दोनों स्कार्पियो किसी तरह आगे पीछे करती हुई बच निकली वरना मरने वालों की संख्या और अधिक बढ़ सकती थी। शोर होने पर आसपास के लोग जमा हुए और किसी तरह उन सब को मलवे से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

मायावती की पार्टी को मिली मजबूत आवाज

पूर्व सांसद ने नीतीश कुमार को कह दी बड़ी बात

गया (एजेंसियां)।

गया के अतरी विधानसभा क्षेत्र जहानाबाद लोकसभा क्षेत्र में आता है। जहानाबाद के पूर्व सांसद अरुण कुमार खिजरसराय पहुंचे। इस बार पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की बहुजन समाजवादी पार्टी की टिकट से जहानाबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व सांसद अरुण कुमार ने सीएम नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों से राजनीतिक क्षरण हो रहा है। गैरजिम्मेवार लोगों को पार्टी टिकट दे देती है जो सामाजिक सरोकार के लोग नहीं है तो ऐसे में सांसद और विधानमंडल का क्या महत्व है। हमारा विरोध नीतीश कुमार से नहीं है बल्कि उनके नीतियों से है। हमने 12 साल तक अपनी जवानी को नीतीश कुमार को सीएम बनाने में लगा दी। हम लड़ाई लड़ रहे थे चारा घोटाला का और जब नीतीश कुमार जब सत्ता में आए तो सृजन घोटाला हो गया।

पूर्व सांसद अरुण कुमार ने कहा कि आम गरीब लोग नहीं जानते

हैं। दूसरे राज्यों की अपेक्षा किसानों को कम मुआवजा मिल रहा है। ऐसे कई चुनौतियां थी इसके कारण हमने नीतीश के सामने घुटने नहीं टेका है। कई प्रयोग हमने किया है।कुछ लोग कहते है पार्टी बदल लेते है पद छोड़ देते हैं। हमने सत्ता के लिए नही सत्ता जब बौड़ाती है तो पार्टी को लात मारकर नई पार्टी का निर्माण करते है। सत्ता के लिए तो नीतीश कुमार बदलते हैं हमने कभी सत्ता के लिए नहीं बदला है अगर सत्ता के लिए बदलती तो हम नीतीश कुमार के नाक का बाल थे। बिहार में हमारे इशारे पर सरकार और मंत्री बनती थी। लेकिन, इनको जब चाटुकारों ने घेर लिया तो हमे यह प्रयोग करना पड़ा। जब संकट के समय में चिराग पासवान के साथ खड़ा थे। चिराग पासवान ने घुटना टेक दिया। नवादा या जहानाबाद सीट से समझौता नहीं होने की बात कहा था। लेकिन न नवादा मिला और न जहानाबाद।

पूर्व सांसद ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार ने जो चाहा वह हुआ। हम दलितों और वंचितों के साथ हैं। हमारी लड़ाई से खलबली मची है क्या? होगा यह हम नहीं जानते लेकिन हम नंबर वन पर हैं। जब हमारी जातीय स्वाभिमान पर चोट आता है तभी हम भी सिर में कफन बांधे हैं कि घुटने नहीं टेकेंगे। इसलिए बसपा से ताकत मिली है। अरुण कुमार कमीशन नहीं लेता, फंड नहीं बेचता, नौकरी के नाम पर ठगता नहीं है लेकीन अगर इन अपराधियों का प्रतिनिधित्व करेगा तो अरुण कुमार छाती इस विरोध करेगा।

पूर्व सांसद अरुण कुमार ने कहा कि न मंगलसूत्र, न मछली का मुद्दा है मेरे पास जनहित का मुद्दा है। मैं सनातनी हूं लेकिन सेक्युलरिज्म का भी बहुत बड़ा समर्थक हूं। जाति और धर्म के मुद्दे से ऊपर उठकर हमने काम किया है। हमारे कार्यकाल में अतरी विधानसभा को 400 करोड़ नीति आयोग से मिला था। पहले यहां पेपर पर रोड बनता था। मैं काम करता हूं न मैं मंगलसूत्र में फ्फंसा हूं और न गैर डेटेड कोई शादी कर रहा हो, कोई मछली खा रहा हो तो मैं उस पर राजनीत नहीं करता हूं। सनातनी हूं प्रोगेसिव हूं। राम के चरित्र को अपने जीवन में उतारना चाहता हूं ताकि जनता को कुछ खुशी मिलें।

गर्वनर हाउस को बम से उड़ाने की धमकी, ऑनलाइन भेजा मैसेज

बिहार पुलिस जांच में जुटी

पटना (एजेंसियां)।

राजभवन को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। अपराधियों ने ई-मेल पर मैसेज भेजकर धमकी थी। इसके बाद से बिहार पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है। सीआईडी और बम निरोधक दस्ता राजभवन पहुंची।

पूरे परिसर को खंगाला लेकिन कुछ नहीं मिला। अब बिहार पुलिस की विशेष टीम धमकी देने वालों की तलाश कर रही है। राजभवन और उसके आसपास के इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के साथ ही सख्त कर दी गई।

इधर, बम की धमकी के बाद सिटी एसपी ने बताया कि जांच में पता चला कि यह सूचना अफवाह थी। मामले की जांच करवाई जा रही है। साइबर थाने में एक भी दर्ज की गई है। ई-मेल भेजने वाले का पता लगाया जा रहा है।

मंगलवार को राजभवन को ई-मेल के जरिए धमकी मिली थी। राज्यपाल के कार्यालय कक्ष और वहां संचालित दूसरे विभागों के कार्यालय में बम रखे गए हैं। आगंतुकों को अंदर आने से रोक दिया गया था। हालांकि अब सब सामान्य है। बिहार पुलिस की टीम लगातार इस मामले की जांच कर रही है।

इधर, राजधानी दिल्ली और नोएडा समेत एनसीआर के 100 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल आया है। इन स्कूलों में डीपीएस, मदर मैरी और एमिटी समेत कई नामी स्कूल शामिल है। बताया जा रहा है कि ईमेल सुबह के वक्त आया। स्कूलों ने तुरंत इसकी सुचना पुलिस को दी। मौके पर पुलिस और बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com